शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 19 | गुवाहाटी | शनिवार, 12 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

डीजीपी का दावा- अल्फा (स्वा) कैडरों के समक्ष खाद्य संकट, शिविर छोड़ने की तैयारी — पेज 3
लोकसभा में आईपीसी,सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम में बदलाव से ... — पेज 4
यूपी विस मानसून सत्र : प्रत्येक गांव तक बस सेवा पहुंचाएगा परिवहन... — पेज 5
जनता सरकार रिपीट करवाकर भाजपा को सबक सिखाएगी : मुख्यमंत्री गहलोत — पेज 8

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को फांसी, देशद्रोह कानून का खात्मा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अंग्रेजों के जमाने के कुछ कानूनों में संशोधन करने जा रही है। इसके लिए सरकार दंड प्रक्रिया संहिता संशोधन विधेयक 2023 लाएगी। इसकी जानकारी लोकसभा में देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं जो तीन विधेयक एक साथ लेकर आया हूं, वे सभी पीएम मोदी के पांच प्रणों में से एक को पूरा करने वाले हैं। इन तीन विधेयक में एक है इंडियन पीनल कोड, एक है क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, तीसरा है इंडियन एविडेंस कोड। इंडियन पीनल कोड 1860 की जगह, अब *भारतीय न्याय संहिता 2023* होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह *भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023* प्रस्थापित होगा। और इंडियन एविडेंट एक्ट, 1872 की जगह *भारतीय साक्ष्य अधिनियम* प्रस्थापित होगा। लोकसभा में बोलते हुए गृहमंत्री ने कहा कि इन तीनों कानूनों को रिप्लेस कर के इनकी जगह तीन नए कानून जो बनेंगे, उनकी भावना भारतीयों -शेष पृष्ठ दो पर

कानून का प्रावधान

- कानून में बदलावों से राजद्रोह कानून पूरी तरह से खत्म होगा। आपको बता दें कि ये एक बड़ बदलाव होगा, क्योंकि समय-समय पर इस पर सवाल उठते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक में इस कानून को खत्म करने की मांग हो चुकी है।
- मॉब लिंचिंग के दोषियों के लिए 7 साल की सजा से लेकर आजीवन कारावास और मृत्युदंड तक का प्रावधान है।
- गैंगरेप के सभी मामलों में 20 साल की सजा या आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है।
- 18 साल से कम आयु की बच्चियों से गैंगरेप के मामले में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है।
- झूठी पहचान बताकर शादी करने वाले के लिए 10 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।
- 7 साल से अधिक की सजा वाले केस में फॉरेंसिक रिपोर्ट जरूरी होगी।
- चेन और मोबाइल स्नैचरों के लिए 10 साल से आजीवन कारावास तक का प्रावधान किया गया है।
- भगोड़ अपराधियों की गैरमौजूदगी में ट्रायल का भी प्रवाधान किया गया है।

सरकार ने पेश विधेयकों में ये प्रावधान किया कि

- जीरो एफआईआर को 15 दिनों के भीतर संबंधित थाने में भेजना होगा। जीरो एफआईआर वो होता है जो आप कहीं भी करा सकते हैं, इसके लिए घटना वाले पुलिस थाने में जाने की जरूरत नहीं होती है। मसलन आपके साथ कोई घटना दिल्ली में हुई और आप गाजियाबाद में रहते हैं तो गाजियाबाद में ही आप जीरो -शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन पर अंतिम रिपोर्ट में एक लोस, 19 विस सीटों के नाम संशोधित

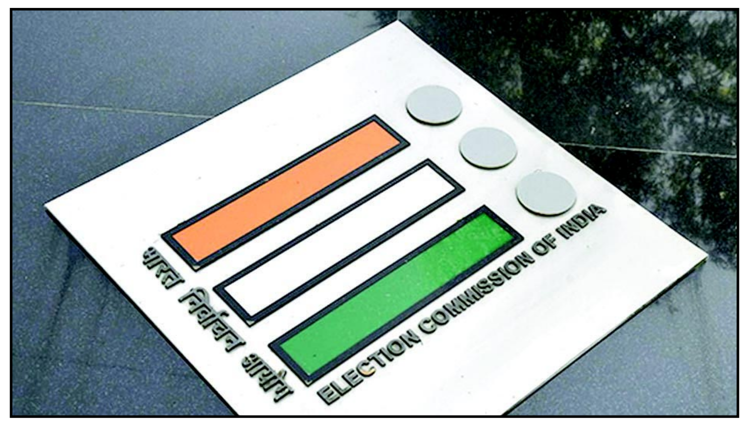

गुवाहाटी /नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 11 अगस्त को असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें उनकी कुल संख्या क्रमशः 126 और 14 पर अपरिवर्तित रखी गई। अपने अंतिम आदेश में, चुनाव पैनल ने एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नामकरण को संशोधित किया है। चुनाव निकाय के एक बयान के अनुसार, 19 विधानसभा और दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। एक लोकसभा और नौ विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले 1,200 से अधिक अभ्यावेदन पर विचार किया गया। पैनल को प्राप्त सुझावों और आपत्तियों में से पैंतालीस प्रतिशत को अंतिम क्रम में संबोधित किया गया। 2001 की जनगणना के आधार पर राज्य के सभी विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन (पुनर्निर्धारण) किया गया था। इसमें कहा गया है कि जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित 2001 की जनगणना के आंकड़ों को ही इस उद्देश्य के लिए माना गया है। पोल पैनल ने कहा कि जनता के सदस्यों की मांग को देखते हुए, एक संसदीय और कुछ विधानसभा क्षेत्रों को *युग्मित नाम* दिए गए हैं जैसे दरंग-उदालगुड़ि, हाजो-शुवालकुची, बोको-छयगांव, नगांव-बटद्रवा, भवानीपुर-शरभोग, आल्गापुर-काटलीचेरा। अंतिम रिपोर्ट की कुछ मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए ईसीआई ने कहा कि सबसे निचली प्रशासनिक इकाई को ग्रामीण क्षेत्रों में *गांव* और शहरी क्षेत्रों में *वार्ड* के रूप में लिया गया है। इसके अनुसार गांव और वार्ड को यथावत रखा गया है और प्रदेश में कहीं भी तोड़ा नहीं गया है। एससी विधानसभा सीटें आठ से बढ़कर नौ हो गई हैं और एसटी विधानसभा सीटें 16 से बढ़कर 19 हो गई हैं। बोडोलैंड जिलों में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या भी 11 से बढ़कर 15 हो गई है। आयोग, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त अनुप चंद्र पांडे और अरुण गोयल शामिल थे ने जुलाई में गुवाहाटी में आयोजित सार्वजनिक बैठकों के दौरान मसौदा परिसीमन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज संगठनों और जनता के सदस्यों से सुनवाई की। लोगों, जन प्रतिनिधियों, राजनीतिक नेताओं और अन्य हितधारकों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर। परिसीमन की प्रक्रिया के दौरान सार्वजनिक सुनवाई आयोग द्वारा परामर्शी अभ्यास का हिस्सा थी। सार्वजनिक सूचना के जवाब में सुझाव एवं आपत्तियां दाखिल करने वाले सभी लोगों को विशेष रूप से सुना गया। बयान में कहा गया है कि इन तीन दिनों के दौरान आयोग ने 31 जिलों से 1,200 से अधिक अभ्यावेदन सुने और 20 से अधिक राजनीतिक दलों के साथ बैठकें कीं।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर का समाधान गोलियों से नहीं, दिलों से : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर शांति के लिए राहुल गांधी का नुस्खा गलत है क्योंकि गांधी संघर्षग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में सेना के हस्तक्षेप का सुझाव दे रहे हैं। हिमंत ने कहा कि मणिपुर की स्थिति का समाधान गोलियों से नहीं दिलों से निकलना चाहिए। अपने बयान में हिमंत ने कहा कि भारतीय वायु सेना ने आइजोल में भी यही किया। बमबारी के बाद हिंसा कम हो रही थी। आज राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय सेना को मणिपुर में हिंसा रोकनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि इसका मतलब क्या है? क्या उन्हें नागरिकों पर गोलियां चलानी चाहिए? राहुल गांधी पर पलटवार करत हुए हिमंत ने कहा कि क्या यह उनका नुस्खा है? वह ऐसा कैसे कह -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट का ईदगाह की भूमि पर दावा

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्म स्थान मामले में शुक्रवार को पहली बार श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने ईदगाह की जमीन पर अपना दावा प्रस्तुत किया और एक वाद सिविल जज सीनियर डिवीजन के न्यायालय में दायर किया। इसमें श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी को प्रतिवादी बनाया गया है। ट्रस्ट ने कहा है कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (तब सेवा संघ) को समझौते का अधिकार नहीं था। लेकिन 1968 में सेवा संस्थान ने शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से भूमि को लेकर समझौता किया था। ये समझौता गलत है। इस समझौते की डिक्री 1973 व 1974 में न्यायालय द्वारा की गई। इसे रद्द किया जाए। अब तक जन्मस्थान मामले में 17 वाद दायर हो चुके हैं, लेकिन ये पहला मामला है, जिसमें जन्मभूमि ट्रस्ट खुद ही वादी है। ये वाद ट्रस्टी विनोद कुमार बिंदल और ओमप्रकाश सिंघल की ओर से किया गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.37 एकड़ भूमि पर ही जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह है। जन्मस्थान का कार्य देख रहे श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से प्रमुख दस बिंदुओं पर समझौता कर लिया। इससे पूर्व में चले सभी वाद समाप्त हो गए। कालांतर में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ का नाम परिवर्तित कर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान कर दिया गया। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है। समझौता संस्थान ने किया था, इसलिए दावा किया गया है कि भूमि जब संस्थान के नाम नहीं थी, तो उसके द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मेघालय से मणिपुर और त्रिपुरा का सड़क संपर्क टूटा

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के सोनापुर में एक बार फिर हुए भूस्खलन के कारण फिर से सिलचर-बदरपुर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा का देश के शेष भाग से सड़क संपर्क टूट गया है। मेघालय में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण गुरुवार की देर रात को यह भूस्खलन हुआ। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को भी इसी स्थान पर भूस्खलन होने की वजह से यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। मलबा हटाकर सड़क को चालू किया गया था कि फिर से भूस्खलन हो गया। आज सुबह से ही मलबा हटाने का काम शुरू हो गया है, लेकिन लगातार हो रही मूसलाधार -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : मोदी पर अमेरिकन सिंगर का भरोसा

वाशिंगटन। मणिपुर मुद्दे पर जहां विपक्षी गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन कर रहा है। वहीं अमेरिका की सिंगर मैरी मिलबेन ने मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। मैरी ने कहा कि पीएम मोदी पूर्वोत्तर राज्य के लोगों के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। मैरी की यह टिप्पणी केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के जवाब में गुरुवार को संसद में पीएम मोदी के भाषण के तुरंत बाद आई। ट्विटर (एक्स) पर एक पोस्ट में मैरी ने भारत के विपक्षी दलों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि वे विदेशों में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। मैरी ने ट्वीट किया कि सच्चाई यह है कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है। भारत के मणिपुर की माताओं, बेटियों और महिलाओं को न्याय मिलेगा। पीएम मोदी हमेशा आपकी आजादी के लिए लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी आवाजें बिना किसी तथ्य के जोर-जोर से चिल्लाएंगी। लेकिन सच्चाई हमेशा लोगों को आजाद करेगी। उन्होंने अंत में कहा, डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के शब्दों में भारत आजादी की घंटी बजने दो। मेरे प्यारे भारत सच को -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के मानसून सत्र में 23 विधेयक पारित

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद का मानसूत्र सत्र आज समाप्त हो गया और दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। संसद ने इस सत्र में 23 विधेयकों को मंजूरी दी। मॉनसून सत्र की समाप्ति के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संवाददाता सम्मेलन में संसद में हुए कामकाज का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से शुरू हुए सत्र के दौरान कुल 17 बैठकें हुई। कुल 23 विधेयकों को संसद ने मंजूरी दी। दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मंत्रणा की संपत्ति से ही राज्य का विकास होता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस मौके कहा कि 20 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान लोकसभा की 17 बैठकें हुईं। उन्होंने बताया कि इस दौरान सदन 44 घंटे 15 मिनट तक चला। बिरला ने कहा कि सत्र के दौरान 20 विधेयक पेश किये गये और 22 विधेयक पारित किये गये। इनमें डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2023 और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 सहित महत्वपूर्ण विधेयक शामिल हैं।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने नवाज शरीफ के पीएम बनने का सपना तोड़ा

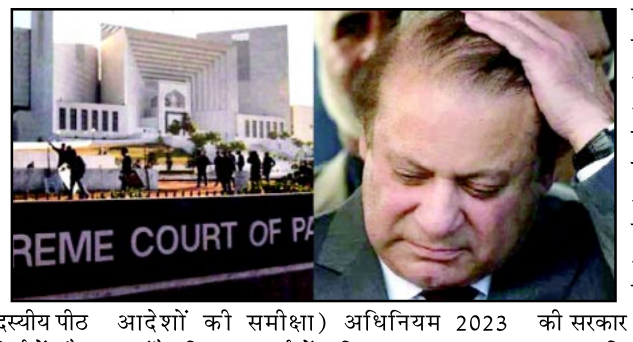

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक सर्वसम्मत फैसले में अपने फैसलों की समीक्षा प्रक्रिया को संशोधित करने वाले हाल ही में बनाए गए कानून को रद्द कर दिया, जिससे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उम्मीदों पर पानी फिर गया। मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल की अगुवाई वाली और न्यायमूर्ति इजाजुल अहसन और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने फैसला सुनाया कि सुप्रीम कोर्ट (निर्णयों और आदेशों की समीक्षा) अधिनियम 2023 असंवैधानिक था। मई में पाकिस्तान सरकार द्वारा लागू किए गए कानून का उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय को अपने निर्णयों और आदेशों की समीक्षा करने की अपनी शक्तियों का प्रयोग करने में सुविधा प्रदान करना और मजबूत करना था। इसने शीर्ष अदालत की अपने स्वयं के निर्णयों और स्वतः संज्ञान क्षेत्राधिकार के तहत जारी आदेशों की समीक्षा शक्तियों को बढ़ा दिया। पिछले ही महीने पाकिस्तान की सरकार की तरफ से एक नया कानून लाया गया। पाकिस्तान की -शेष पृष्ठ दो पर

नफरती भाषण को कोई नहीं कर सकता स्वीकार : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से नफरत भरे भाषण के मामलों पर गौर करने के लिए एक समिति गठित करने को कहा। शीर्ष अदालत ने कई राज्यों में रैलियों को दौरान हुई हिंसा और उनके सामाजिक तथा आर्थिक बहिष्कार के आह्वान संबंधी कथित घोर नफरत भरे भाषणों को लेकर दाखिल की गई एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। मालूम हो कि हाल ही में हरियाणा में हुए दंगों में छह लोगों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से निर्देश लेने और 18 अगस्त तक समिति के बारे में सूचित करने को कहा। पीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए। इसके लिए सभी समुदाय जिम्मेदार हैं। नफरती भाषण की समस्या अच्छी नहीं है और कोई भी इसे स्वीकार नहीं कर सकता। अदालत ने इस दौरान याचिकाकर्ता को वीडियो सहित सभी सामग्री एकत्र करने को कहा। मालूम हो कि शीर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिमाचल के चंबा में नदी में समाई पुलिस जवानों की जीप, छह की मौत

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून के कहर के बीच सड़क हादसे भी थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। चंबा जिला के तीसा थाना क्षेत्र में पुलिस जवानों से भरी एक बोलेरो जीप अनियंत्रित होकर खाई में लुड़कने के बाद सियोल नदी में जा गिरी। चंबा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने बताया कि हादसे का शिकार हुई बोलेरो शुक्रवार सुबह तीसा से बैरागढ़ की तरफ जा रही थी कि तरवाई नामक स्थान पर संतुलन खोने से नदी में जा गिरी। बोलेरो में हिमाचल की पुलिस बटालियन के नौ जवान और दो स्थानीय लोग सवार थे। हादसे का पता लगते ही तीसा पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया। बोलेरो के लुड़कने पर कुछ लोग छिटक कर बाहर आने से बाल–बाल बच गए। हालांकि, वे गम्भीर रूप से चोटिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में वाहन में सवार छह लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चालक और पांच पुलिस कर्मी हैं। चार लोगों को रेस्क्यू

कर अस्पताल में भर्ती किया गया है। नदी के तेज बहाव में एक लापता है। तीसा पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ की टीम ने भी सहयोग किया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सड़क दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति के लिए प्रार्थना और शोकग्रस्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं। इस बीच स्थानीय भाजपा विधायक हंसराज ने इस हादसे के लिए लोकनिर्माण विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए विभाग के एक्सईएन के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। एक बयान में हंसराज ने कहा कि पहाड़ से पत्थर गिरने के कारण बोलेरो हादसे का शिकार हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सरकार से लगातार गुहार लगाकर इस रोड को बंद करवाया था, लेकिन सरकार ने इस रोड को फिर खोल दिया था। पहाड़ लगातार गिर रहा था, जनता देख रही थी पर सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया।

ज्ञानवापी परिसर में एएसआई का सर्वे जारी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को लगातार आठवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम का वैज्ञानिक सर्वे चल रहा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर एएसआई टीम ज्ञानवापी परिसर में सुबह निर्धारित समय पर पहुंची। टीम परिसर में सर्वे में अत्याधुनिक मशीनों का प्रयोग करने के साथ फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के साथ थ्रीडी मैपिंग भी कर रही है। तैयार किए गए नक्शे के आधार पर मापजोख को डिजिटल नक्शे में दर्ज किया जा रहा है। माना जा रहा है कि टीम ने परिसर के नींव से लेकर निर्माण तक के सभी बिंदुओं को ट्रोपोग्राफी शीट पर उतार लिया है। सर्वे दोपहर 12.30 बजे लंच और जुमे की नमाज के लिए रोका गया। इसके बाद अपराह्न 2.30 बजे से दोबारा शुरू होकर शाम 5 बजे तक चलेगा। उधर, जुमे की नमाज को देखते हुए श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में पुलिस अफसर सतर्क

दिखे। संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) डॉ. के.एजिलरसन के नेतृत्व में पुलिस अफसरों ने फोर्स के साथ मैदागिन से काशी विश्वनाथ मंदिर, बांसफाटक होते हुए गोदौलिया चौराहे से दशाश्वमेध घाट, सरस्वती फाटक के अंदर तक पैदल गश्त किया। इस दौरान जगह–जगह तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ब्रीफ किया गया। सोशल मीडिया से लेकर शहर के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्र में पुलिस निगरानी कर रही है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार सरकारी कर्मचारी मुख्तार अहमद

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में एक के बाद एक सरकारी मुलाजिम भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के जाल में फंसते जा रहे हैं। लेकिन, इसकी परवाह नहीं करते हुए फिर भी घूस ले रहे हैं। शुक्रवार को गुवाहाटी शहर में को–ऑपरेटिव सोसायटी के डिप्टी रजिस्ट्रार के दफ्तर में छापेमारी के दौरान अधिकारी रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन ब्रांच के जाल में फंस गये। रिश्वत के साथ गिरफ्तार किए गए अधिकारी इस कार्यालय में एक वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात हैं। उनका नाम मुक्तार अहमद है। अधिकारी को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक अहमद को लोन देने के लाइसेंस की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 17 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। बाद में वह 10 हजार रुपए में काम कर देने पर राजी हो गया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप ही लाया गया चुनाव आयुक्त नियुक्ति से जुड़ा विधेयक : कानून मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय कानूनमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में ही सरकार से ऐसा करने को कहा गया था। केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर कोई कानून नहीं है। सरकार इस पर कानून बनाए। सरकार के कानून बनाने तक फैसला एक चयन समिति करेगी । उन्होंने कहा कि 1991 में चुनाव आयुक्तों की सेवा, वेतन और भत्तों से जुड़ा विधेयक लाया गया था। उसमें नियुक्ति की कोई बात नहीं थी। वर्तमान सरकार नियुक्ति को लेकर विधेयक लाई है। चुनाव

आयोग की नियुक्ति के लिए एक खोज समिति होगी। कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता और अन्य दो सचिवों की सदस्यता में यह सर्च कमेटी पांच नामों की सिफारिश करेगी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली एक समिति इन नामों से चयन करेगी। इसमें विपक्ष को आपत्ति क्यों है। उल्लेखनीय है कि कल सरकार ने राज्यसभा में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) विधेयक, 2023 पेश किया। इसके तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता वाली एक समिति करेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समिति में कैबिनेट मंत्री के स्थान पर मुख्य न्यायाधीश थे।

मानवयुक्त फाटकों को आरओबी और आरयूबी में किया गया परिवर्तित

गुवाहाटी (हिंस)। मानवयुक्त फाटकों को हटाने के लिए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी)/रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण किया जाता है। यह भारतीय रेल के सभी जोनों में एक सतत प्रक्रिया है। लेवल क्रॉसिंग (एलसी) को समाप्त करने की प्राथमिकता ट्रेन परिचालन में सुरक्षा पर इसके प्रभाव, ट्रेनों की गतिशीलता, सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव और व्यवहार्यता आदि पर आधारित है। वर्ष 2014–23 के दौरान सभी जोन में कुल 1654 आरओबी और 9213 आरयूबी का निर्माण हुआ है। इसपर 30602 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। 25 जुलाई तक सभी जोनल रेलवे पर कुल 1863 आरओबी और 2490 आरयूबी स्वीकृत हुए है, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। 2014 – 23 (31 मई, 2023 तक) के दौरान, पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न राज्यों में कुल 119 आरओबी और 532 आरयूबी का निर्माण किया गया है। जिससे ट्रेन परिचालन की सुरक्षा काफी हद तक बढ़ गई है। भारतीय रेल ने ट्रेन परिचालन सुरक्षा में सुधार, गति बढ़ाने और सड़क क्रॉसिंग कार्यों में तेजी लाने के लिए नई नीतियां लागू की हैं। समपार फाटकों के समाप्त होने से रेल और सड़क से जुड़ी दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने किया अत्याधुनिक स्टेडियम का उद्घाटन

कामरूप (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज कामरूप (ग्रामीण) जिला मुख्यालय अमीनगांव में एक अत्याधुनिक बैडमिंटन स्टेडियम (राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बैडमिंटन के लिए यह राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र इस महान खेल के लिए प्रशिक्षण और प्रतिभा विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार और गर्व की भावना के साथ मैंने भाकचंद, तौफीक हिदायत और अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति में इस अत्याधुनिक स्टेडियम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने खेल की असम तथा पूर्वोत्तर में व्याप्त संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

बांध परियोजनाओं के एमओए का विरोध

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश की 13 बांध परियोजनाओं पर चार प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर फिर से हस्ताक्षर करने की जानकारी मिलने के बाद कई संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वाले संगठनों में सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम (एसआईएफएफ), अचेसो अतिह वेलफेयर एसोसिएशन (एएडब्ल्यूए), ऑल इदु मिश्मी छात्र संघ (एआईएमयूएस), सियांग, लोहित और दिवांग नदी बेसिन के निवासी शामिल हैं। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क के सदस्य एबो मिली ने प्रभावित

बांध परियोजनाओं एमओए का विरोध

क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हुए मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि 12 अगस्त को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह की उपस्थिति में राज्य सरकार अरुणाचल प्रदेश की 13 बांध परियोजनाओं पर चार प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के साथ इटानगर में पुन: एमओए पर हस्ताक्षार करने जा रही है। हम विभिन्न बांध परियोजनाओं के लिए एमओए पर हस्ताक्षर करने का कड़ा विरोध करते हैं यह मौलिक सिद्धांतों, पर्यावरण सुरक्षा उपायों और स्वदेशी समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन है लापरवाही न केवल मूल निवासियों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि इससे क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन और सांस्कृतिक विरासत को भी खतरा है। उन्होंने कहा कि घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के पास पहले से ही पर्याप्त बांध हैं और व्यावसायिक जरूरतें। अधिक परियोजनाओं की निरंतर खोज बताती है कि इन प्रयासों के पीछे सही इरादा नहीं है जो चिंताएं बढ़ा रही हैं। पहले राज्य सरकार ने विभिन्न निजी बांध डेवलपर कंपनी के साथ 140 बांध परियोजना के लिए एमओए किया था और राज्य सरकार को अग्रिम धनराशि वितरित की थी, लेकिन डेवलपर्स द्वारा परियोजना को निष्पादित करने में विफल रहने के बाद अरुणाचल प्रदेश सरकार ने एमओए को रद्द कर दिया था और दुबारा उस एमओए को शुरु करने जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में हमने राज्य सरकार को एक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है और उनसे राज्य में बांध निर्माण पर कोई और एमओए नहीं करने की अपील की है। इस बीच ऑल इदु मिश्मी छात्र संघ (एआईएमयूएस) ने बांध डेवलपर्स कंपनी के साथ राज्य सरकार द्वारा जलविद्युत परियोजना एमओए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए दिबांग क्षेत्र में आगामी कल 12 घंटे के बंद की घोषणा की है।

महिला की हत्या कर दैयांग नदी में फेंका, दो गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। स्थानीय उरियामघाट के अपहरण तथा हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार मुनींद्र सैकिया और दिनेश उरांग को धनसिरी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। दोनों ने लापता उरियामघाट निवासी महिला की हत्या कर उसे दैयांग नदी में फेंकने की बात कबूल की है। हत्या से पहले महिला के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। महिला की हत्या रविवार को मुनींद्र सैकिया के खाली घर में की गई थी। मुनीद्र ने महिला से पैसे उधार लिए थे। मुनींद्र ने रविवार को महिला को पैसे लौटाने के लिए अपने घर बुलाया। इसी दौरान यह घटना हुई। महिला का शव अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है।

पृष्ठ एक का शेष

नाबालिग से दुष्कर्म ...

को अधिकार देने की होगी। इन कानूनों का उद्देश्य किसी को दंड देना नहीं होगा। इसका उद्देश्य होगा लोगों को न्याय देना। अमित शाह ने कहा कि 18 राज्यों, छह केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सासंद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। हमने इस पर 158 बैठकें की हैं। दाऊद इब्राहिम काफी समय से भगोड़ा है। अब हमने तय किया है कि सत्र न्यायालय के जज किसी व्यक्ति की अनुपस्थिति में भी केस चला सकती है और फैसला सुना सकती है, फिर चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में हो। उसे सजा से बचना हो तो भारत आए और केस लड़ें। बता दें कि केंद्र सरकार ने आईपीसी, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय सबूत कानून 1872 में संशोधन के लिए एक आपराधिक कानून संशोधन समिति का गठन किया। इस समिति का प्रमुख दिल्ली स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के तत्कालीन वाइस चांसलर डॉ. रणबीर सिंह को बनाया गया। इस समिति के अन्य सदस्यों में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. जीएस बाजपेयी, डीएनएलयू के वाइस चांसलर डॉ. बलराज चौहान और वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी, और दिल्ली डिस्ट्रिक्ट एंड सेशल कोर्ट के पूर्व जज जीपी थरेजा शामिल थे। फरवरी 2022 में इस समिति ने जनता से सुझाव के बावजूद सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। अप्रैल 2022 में कानून मंत्रालय ने राज्य सभा में बताया कि सरकार आपराधिक कानूनों की समीक्षा कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस कानून के तहत हम देशद्रोह जैसे कानून निरस्त कर रहे हैं। शाह ने कहा कि 1860 से 2023 तक देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था अंग्रेजों के बनाए कानून से चल रहा था। अब इन तीन नए कानूनों से देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। इस विधेयक के तहत हमने लक्ष्य तय किया है कि दोषसिद्धि की दर को 90 प्रतिशत से ज्यादा किया जाएगा। अपराध स्थल पर फोरेंसिक टीम का जाना अनिवार्य होगा। नए विधेयक में भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या करने के मामले से संबंधित नए प्रावधान किए गए हैं। नाबालिग से दुष्कर्म जैसे मामलों में मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। साथ ही एक तय सीमा में सरकारी कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी जाएगी।

कानून का प्रावधान...

एफआईआर करा सकते हैं।

- पुलिस अगर किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेती है या गिरफ्तार करती है तो उसे लिखित में परिवार को सूचना देनी होगी।
- पुलिस को 90 दिनों में किसी भी मामले की स्टेटस रिपोर्ट देनी होगी। यानी बताना होगा कि जांच कहां तक पहुंची।
- पुलिस को अब 90 दिन में आरोप पत्र दाखिल करना होगा।
- अगर जरूरत होती है तो कोर्ट किसी मामले में 90 दिन अधिक भी दे सकती है यानी कुल 180 दिन के भीतर आरोप पत्र जरूरी होगा।
- किसी भी मामले बहस पूरी होने के बाद 30 दिन में फैसला देना ही होगा।
- फैसला आने के बाद 7 दिनों में इसे ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

मणिपुर का समाधान ...

सकते हैं ? सेना कुछ भी हल नहीं कर पाएगी। वे केवल कुछ समय के लिए शांत हो पाएंगे और अस्थायी शांति ला पाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मांग की कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर पर बोलना चाहिए और जब उन्होंने बोलना शुरू किया तो वे बाहर चले गए। इससे उनका मंसूबा पूरी तरह उजागर हो गया कि विपक्ष की मंशा का मणिपुर से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सिर्फ संसद को बाधित करना चाहते थे। पीएम मोदी ने अपने दिल की बात कही। उन्होंने मणिपुर के लोगों के प्रति अपना स्नेह भी दिखाया। एक प्रमुख पार्टी के रूप में, उन्हें प्रधानमंत्री का भाषण आखिरी तक सुनना चाहिए था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा था कि प्रधानमंत्री कम से कम मणिपुर जा सकते थे, समुदायों से बात कर सकते थे और कह सकते थे कि मैं आपका पीएम हूं, आइए बात शुरू करें, लेकिन मुझे कोई इरादा नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि क्या पीएम मोदी 2024 में पीएम बनेंगे, सवाल मणिपुर का है जहां बच्चे, लोग मारे जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय सेना इस नाटक को 2 दिनों में रोक सकती है लेकिन पीएम मणिपुर को जलाना चाहते हैं और आग को बुझाना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कल पीएम मोदी ने संसद में करीब 2 घंटे 13 मिनट तक बोला। अंत में उन्होंने मणिपुर पर 2 मिनट तक बात की। मणिपुर महीनों से जल रहा है, लोग मारे जा रहे हैं, बलात्कार हो रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री हंस रहे थे, चुटकुले सुना रहे थे। यह उन्हें शोभा नहीं देता।

मणिपुर : मोदी पर ...

बजने दो। पीएम मोदी मुझे आप पर भरोसा है। मैं आपके लिए प्रार्थना कर रही हूं। अंतर्राष्ट्रीय गायक मैरी मिलबेन ने इस साल जून में अमेरिका की यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन गाने के बाद उनके पैर भी छुए थे। पीएम मोदी ने संसद में विपक्ष को मणिपुर पर खूब सुनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के जिगर का टुकड़ा है मणिपुर। उन्होंने कहा कि एक दिन मणिपुर भी शांति का सूरज जरूर देखेगा। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराध हुए हैं। यह अक्षम्य है। केंद्र और राज्य सरकार दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मैं मणिपुर के लोगों से आग्रह करता हूं और मैं मणिपुर की महिलाओं से कहना चाहता हूं कि देश उनके साथ खड़ा है। हम मिलकर इस चुनौती का समाधान ढूंढेंगे और एक बार फिर वहां शांति बहाल की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि हम संवेदनशील मुद्दों पर अपने फायदे के लिए राजनीति नहीं करते हैं, जैसे कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन कर रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ...

किया गया समझौता ही गलत है। अधिवक्ता कृष्ण जन्मभूमि गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से कोर्ट फाइल किया गया है। एक कम्प्रोमाइज 1974 में हुआ है वह इलीगल है। ट्रस्ट की कोई सहमति उस कम्प्रोमाइज में नहीं है। हमने उस कम्प्रोमाइज को कोर्ट के माध्यम से वाइड कराने की रिक्वेस्ट की है। जो ट्रस्ट की जमीन पर इलीगल कंस्ट्रक्शन हैं उसे रिमूव करने के लिए अपील की गई है।

मेघालय से मणिपुर ...

बारिश की वजह से सड़क पर मिट्टी आने का सिलसिला अब तक जारी है। पहाड़ी से गिरकर मिट्टी सुरंग के सामने के हिस्से में भर चुके हैं, जिससे छह नंबर सिलचर–बदरपुर लिंक रोड पूरी तरह से बंद हो गया। इस सड़क के बंद होने की वजह से सिलचर–बदरपुर के साथ ही मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा आदि स्थानों के लिए जानेवाली गाड़ियों की लंबी कतारें कई किलोमीटर तक लग चुकी हैं।

संसद के मानसून सत्र...

सदनों के विधायी कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि मानसून सत्र में लोकसभा से 22 विधेयक पारित किए गए और 20 विधेयक सदन के विचार हेतु रखे गए। वहीं राज्य सभा से 25 विधेयक पारित किए गए और पांच विधेयक सदन के विचार हेतु रखे गए। उन्होंने बताया कि तीन विधेयक गृह मंत्रालय से संबंधित थे जिन्हें स्थायी समिति के विचार हेतु भेजा गया। एक विधेयक राज्य सभा से वापस लिया गया। सदनों की कार्य उत्पादकता की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि लोक सभा में 45 प्रतिशत और राज्य सभा में 63 प्रतिशत कामकाज हुआ। विपक्ष की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव पर रिकॉर्ड 20 घंटे चर्चा हुई। 60 से ज्यादा सदस्यों ने इसमें हिस्सा लिया। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रह्लाद जोशी ने कहा कि दुर्भाग्य से हमारे बार–बार के आग्रह और प्रयासों के बाद भी विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से विधेयकों की चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने केवल दिल्ली सेवा विधेयक में भाग लिया। सरकार कभी नहीं चाहती थी कि कोई विधेयक बिना चर्चा के पारित हो। राज्यसभा में लगभग सभी विधेयकों पर चर्चा हुई। राहुल गांधी के लोकसभा में दिए वक्तव्य पर उन्होंने कहा कि उनके भाषण से *भारत माता* नहीं, बल्कि असंसदीय शब्द निकाले गए। उनके बयानों से ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। सहकारी समिति विधेयक, वन विधेयक, अनुसंधान विधेयक जैसे ऐतिहासिक विधेयक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दुर्भाग्य से विपक्ष इन पर चर्चा से बचता रहा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने कभी नहीं सोचा था कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए सहमत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि इस मुद्दे पर हम सभी को संवेदनशील होना चाहिए।

पाकिस्तान के सुप्रीम...

नेशनल असेंबली ने कानून पारित किया है कि सांसदों को कितने समय तक पद से अयोग्य ठहराया जा सकता है। संशोधन में कहा गया कि अदालतें केवल पांच साल की अवधि के लिए सांसदों को अयोग्य घोषित कर सकती हैं। नवाज शरीफ को 2017 में अयोग्य घोषित किया गया था। इसमें पांच साल जोड़ने पर ये 2023 यानी वर्तमान वर्ष तक की अवधि तक ही जाता है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वह जीवन भर सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य हो गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री नवंबर 2019 से चिकित्सा उपचार के लिए लंदन में रह रहे हैं, जब पाकिस्तानी अदालत ने उन्हें चार सप्ताह की राहत दी थी। लगातार तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ लंदन रवाना होने से पहले अल–अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की सजा काट रहे थे। शहबाज शरीफ पहले ही कह चुके हैं कि अगर उनकी पार्टी इस साल के अंत में आम चुनाव जीतती है तो नवाज शरीफ फिर से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री होंगे। अदालत ने शुक्रवार को अपने विस्तृत फैसले में कहा कि यह कानून संसद की विधायी क्षमता से परे होने के साथ–साथ संविधान के प्रतिकूल और अधिकार के बाहर है।

नफरती भाषण को ...

अदालत में दाखिल याचिका में कोर्ट के दो अगस्त के आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकारें और पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी समुदाय के खिलाफ कोई नफरत भरा भाषण न दिया जाए और कोई हिंसा न हो या संपत्तियों को नुकसान न हो।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

पांच शब्द ब्रह्मांड के, और एक मन जान।
अक्षर से उत्पन्न है, अक्षर अंश समान॥ 29॥

शब्दार्थ : (उत्पन्न) उदय, प्रकट (अंश) भाग, पृथक।

भाष्य : ब्रह्मांड के पांच शब्द और मन, अक्षर से उत्पन्न होते हैं एवं ये छ: अक्षर के अंश के समान हैं। अक्षर की धार ब्रह्मांड में आने पर अपने–अपने स्थान पर पांच शब्द बन जाते हैं और मन अक्षर द्वारा प्रकट हो कर इंद्रिय–समूह से अपना कार्य करता है। चेतन का जड़ अंश नहीं होता, बल्कि चेतन धार ब्रह्मांड में आ कर इन स्वरूपों में प्रकट होती है। इस प्रकार के पंचशब्द को अंश कहा गया हैं।

भला बुरा सब मनहिं है, पाप पुण्य मन रूप।
मन राजा तिन लोक का, कर्म भोग बहु रूप॥ 30॥

शब्दार्थ : (भला) अच्छा (बहुरूप) विविध स्वरूप।

भाष्य : भला–बुरा दोनों मन के विषय हैं तथा पाप–पुण्य मन ही के स्वरूप हैं। मन तीनों लोक का राजा है। वही विविध कर्म करके अनेक भोग के स्वरूपों को प्राप्त करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी–35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी–5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350–14771, 97070–14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361–2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

भाजपा जिला परिषद के स्वायत्त परिषद सदस्यों की कार्यशाला 17 से

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय समिति के निर्देश पर जिला परिषद सदस्यों और स्वायत्त परिषद सदस्यों की 24 घंटे की आवासीय कार्यशाला 12 अगस्त से 21 अगस्त तक राज्य समिति की पहल और प्रशिक्षण विभाग की देखरेख में आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से राज्य भाजपा के 39 संगठनात्मक जिलों में दक्षिण असम, पूर्वी असम और पश्चिमी असम के तीन भागों में विभाजित है। दक्षिण असम क्षेत्र से पहली कार्यशाला यानी कार्यशालाओं के लिए कार्यक्रम 12 और 13 अगस्त को कार्बी आंगलोंग जिले के किसान विकास केंद्र डिफू में आयोजित किया जाएगा। पूर्वी प्रांत की कार्यशालाएं 12 और 13 अगस्त को डिब्रूगढ़ के गॉर्डन ट्रीट में शुरू होंगी। पश्चिम प्रांत में कार्यशाला 20 और 21 अगस्त को नलबाड़ी जिले में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में शुरू होगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, असम सरकार के मंत्री, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी आदि उपस्थित रहेंगे और विभिन्न मुद्दों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

300 कार्टून कफ सिरप बरामद, एक गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने सिलचर के आईएसबीटी के पास आज दूसरे राज्य से आ रहे एक ट्रक को रोका और 300 कार्टन बरामद किए। जिसमें एस्कुफ कफ सिरप की 48 हजार बोतलें थीं। एक आरोपी को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

डीजीपी का दावा- अल्फा (स्वा) कैडरों के समक्ष खाद्य संकट, शिविर छोड़ने की तैयारी

तिनसुकिया (हिंस)। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने एक सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा है कि उल्फा स्वाधीन के कई शिविर में भोजन की भारी कमी है। इसके कई कैडर गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। जिसकी वजह से कई कैडर घर लौटना चाहते हैं। स्वतंत्रता दिवस सुरक्षा समीक्षा बैठक के अंत में पुलिस महानिदेशक ने मीडिया से बातचीत करते हुए यह बातें कहीं। पुलिस महानिदेशक के अनुसार इसके कैडर मानसून के मौसम के कारण मलेरिया के प्रसार में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ ही खाद्य संकट के कारण भी अपने घर लौटने के इच्छुक हैं। शिविरों में चावल की कमी की ओर इशारा करते हुए जीपी सिंह ने कहा

कि एक असमिया युवा चावल के बिना कैसे रह सकता है ? उन्होंने यह भी कहा कि सूत्रों के माध्यम से उन्हें पहले ही जानकारी मिली है कि कई कैडर शिविर छोड़ना चाहते हैं और लौटना चाहते हैं। कैडर जल्द ही अपने वतन लौट आएंगे अगर उन्हें सुरक्षित वापस लाने का वादा किया जाता है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उन्होंने कैडरों की वापसी के संबंध में अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड पुलिस के साथ चर्चा की है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा उल्फा स्वाधीन प्रमुख परेश बरुवा से अतिथि के रूप में एक सप्ताह के लिए असम आने की हालिया अपील के बारे में पूछे जाने पर जीपी सिंह ने कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए सभी को आगे आना चाहिए और इसका हिस्सा बनना चाहिए।

कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए एआईयूडीएफ की छटपटाहट

गुवाहाटी (हिंस)। बदरुद्दीन अजमल नेतृत्व वाली पार्टी एआईयूडीएफ असम प्रदेश कांग्रेस के साथ गठबंधन करने के लिए किस तरह छटपटा रही है इसका खुलासा आज एआईयूडीएफ के विधायक अमीनुल इस्लाम के एक वायरल ऑडियो से हो जाता है। टेलीफोन पर हुई इस बातचीत के वायरल ऑडियो में एआईयूडीएफ विधायक साफ तौर पर कह रहे हैं कि कांग्रेस के 12-15 नेताओं को यह ईमेल भेजो कि आगामी लोकसभा चुनाव में यदि कांग्रेस के साथ एडीएफ का गठबंधन नहीं होता है तो इससे दोनों ही दल का नुकसान होगा और भाजपा के उम्मीदवार चुनाव जीत जाएंगे। ऑडियो में यह भी कहा गया है कि फिलहाल विपक्षी गठबंधन में जिन 12 राजनीतिक दलों के नाम हैं, उनमें से किसी का एक विधायक या वार्ड का मेंबर भी निर्वाचित नहीं होता है। दिखावे के तौर पर 12 ऐसे राजनीतिक दलों की सूची कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के नाम पर तैयार कर ली है जिनका कोई राजनीतिक अस्तित्व नहीं है। ज्ञात हो कि समय-समय पर एआईयूडीएफ के नेता कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन को लेकर बयानबाजी क्या करते हैं। लेकिन, अबतक कांग्रेस की ओर से इसके लिए कोई हरी झंडी नहीं दिखाई गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का स्पष्ट रूप से कहना है कि जब तक वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर हैं तबतक एआईयूडीएफ के साथ किसी भी तरह के तालमेल का प्रश्न ही नहीं उठता है। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष की नजर ऊपरी असम और मध्य असम की हिंदू बहुल सीटों पर है। यदि एआईयूडीएफ को अलग रखकर इन सीटों पर कांग्रेस चुनाव जीतने में कामयाब रहती है तो चुनाव के बाद एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन कर लेगी। वहीं दूसरी ओर, एआईयूडीएफ के विधायकों को डर है कि यदि कांग्रेस के नेता थोड़ा भी वोट मुसलमान मतदाताओं का काटने में कामयाब रहे तो एआईयूडीएफ की मिट्टी पलीद हो जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस : आरपीएफ ने की कामाख्या रेलवे स्टेशन पर विशेष चेकिंग

गुवाहाटी (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व प्रसासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रेलवे स्टेशन और शहर की सीमावर्ती इलाकों में कड़ी तलाशी ली जा रही

है। स्टेशन पर हर आने जाने वाले व्यक्ति पर नजर रखी जा रही हैं। रेलवे और बस स्टैंड पर भी पुलिस नजर रखे हुए है प्रशासन द्वारा दिन-रात तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे प्रशासन भी इस मामले में पीछे नहीं है। रेल प्रशासन ने भी दिन-रात तलाशी की व्यवस्था कड़ी कर दी है। शुक्रवार की सुबह से कामाख्या रेल स्टेशन प्रभारी बिक्रम के नेतृत्व में आरपीएफ, जीआरपी और अपराध खुफिया शाखा की एक विशेष टीम ने स्टेशन पर हर आने-जाने वाली ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर बैठे यात्रियों के बैग की विशेष रूप से स्निफर डॉग की मदद से तलाशी अभियान चलाया। इसके अलावा रेलवे लाइनों, स्टेशन के प्रवेश द्वार और निकास सड़कों की विशेष जांच की व्यवस्था की गई है। साथ ही दिन-रात सीसी कैमरों की निगरानी के लिए एक विशेष टीम की भी मदद ली गई है। 17 अगस्त तक विशेष चेकिंग जारी रहेगी, उसके बाद नियमित चेकिंग जारी रहेगी।

विधायक नंदिता दास की उपस्थिति में मंत्री केशव ने स्वास्थ्य केंद्र का किया उद्घाटन

नकली दवाएं बेचने वालों की अब खैर नहीं

नगरबेड़ा। कामरूप जिले में बोको क्षेत्र के तहत ग्रेटर सोनतली के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग के मद्देनजर और विधायक नंदिता दास के विशेष प्रयासों से आखिरकार सरकार ने सोनतली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड कर दिया। बोको निर्वाचन क्षेत्र की विधायक नंदिता दास, असम सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री केशव महंत की उपस्थिति में आज सोनतली स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित सभा में बोको निर्वाचन क्षेत्र की विधायक नंदिता दास की उपस्थिति में मांगलिक कार्यक्रम का शुभारंभ लाल फीता काटकर किया गया। इस मौके पर उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विकास की शुरुआत मात्र है। ग्रेटर सोनतली क्षेत्र में आज से शुरू हुई विकास की यात्रा और यह विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि नकली दवाएं बेचने

से दवा की दुकानें खतरे में पड़ जाएंगी और लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राशनकार्ड वाले हर व्यक्ति को 5 लाख रुपए का मेडिकल असिस्टेंट कार्ड मिलेगा और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिलेगी। सोनतली क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं और सड़कों को चरणबद्ध तरीके से निपटारा किया जाएगा। ग्रेटर सोनताली क्षेत्र में आज से शुरू हुई इस विकास की यात्रा और यह विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। भाषण के शुरुआती हिस्से में मंत्री केशव महंत ने अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों से जनता को इलाज मुहैया कराने का आग्रह करते हुए असमिया प्रतिदिन के वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश महंत की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2016 में पत्रकार के अनुरोध पर ब्रह्मपुत्र के कटाव को रोकने के लिए योजना बनाई गई थी। उन्होंने अपने भाषण में विधायक नंदिता दास को भी धन्यवाद दिया। मंत्री केशव महंत ने असमिया कला संस्कृति को बनाए रखने के लिए सोनतोली के लोगों को धन्यवाद दिया। बैठक में बोको की विधायक नंदिता दास ने अपने संबोधन में अस्पताल की स्थापना से लेकर वर्तमान और आज प्रगति की स्थिति तक अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को उजागर करते हुए अस्पताल को बेहतर बनाने के लिए सरकार के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत के कार्य की सराहना की।

शुभम एलाइट में रामायण मास परायण के 25 वें दिन सुंदरकांड पाठ का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष में गांधी बस्ती स्थित शुभम एलिट आस्था परिवार के बुजुर्ग सदस्यों ने बी ब्लॉक में रामायण मासपारायण का कार्यक्रम वगत 18 जुलाई से प्रारंभ किया। जो विभिन्न चरणों से संपन्न होते हुए 25वें दिन सुंदर कांड प्रसंग में पहुंचा। इस अवसर पर आस्था परिवार के प्राय: 150 सदस्यों ने मानपारायण सुंदरकांड का पठन कर आरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया। इस अवसर पर पंचमुखी हनुमान का दरबार सजाया गया एवं भजनों का कार्यक्रम आयोजन किया। आज के कार्यक्रम में महेश योग समिति के सह आचार्य मदन मोहन मल्ल , साधक लूणकरण मुंदड़ा और गिरधारी लाल झंवर को दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सामूहिक रूप से अधिकमास शिवरात्रि के उपलक्ष में रुद्राभिषेक कार्यक्रम भी संपन्न कराया गया। महावीर भक्त मंडल एवं शिव परिवार ने भी विभिन्न अवसरों पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि मासपारायण के एक महीने के दौरान शाम की आरती में रोज नए-नए यजमान आरती में मुख्य यजमान की भूमिका निभाते हैं। मासपारायण कार्यक्रम के मद्देनजर बी ब्लॉक की पार्किंग स्थल को एक मंदिर की शक्ल का रुप दे कर पार्किंग को मंदिर में परिवर्तित कर दिया गया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भारत सरकार को 1712 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांश दिया

गुवाहाटी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 1, 712 करोड़ का लाभांश का चेक भारत सरकार को प्रदान किया गया। यह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसी भी वित्तीय वर्ष में प्रदान किया गया सर्वाधिक लाभांश है। नई दिल्ली में दिनांक 9 अगस्त, 2023, बुधवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुश्री ए. मणिमेखलै द्वारा लाभांश का चेक माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन को सौंपा गया। संयुक्त सचिव (बैंकिंग) श्री समीर शुक्ला भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर का आहार वितरण कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। लायंस इंटरनेशनल के जिला 322 जी के *वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी* कार्यक्रम के तहत *जरूरतमंदों को भोजन* कार्यक्रम के अंतर्गत *लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर* द्वारा आज फैंसी बाजार के जेल रोड में एचडीएफसी बैंक के सामने आहार वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। क्लब के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका के नेतृत्व में आज के कार्यक्रम की संयोजिका लायन बबीता चौधरी एवं सह संयोजिका लायन रोमिल गग्गड, लायन ममता मुरारका और लायन अमिता मोर के संयोजन में यह सेवा कार्य संपन्न हुआ। क्लब की सम्मानित सदस्य लायन मंजू धूत द्वारा प्रायोजित इस सेवा के

कार्यक्रम में लायन रवी हरलालका, लायन अजय मोर लायन प्रहलाद अग्रवाल, लायन रतन खाखोलीया, लायन निलेश माथुर, लायन रूपा गग्गड, लायन नीरु काबरा, लायन मोनिका जैन, नम्रता चौधरी, आयुषी जैन सहित क्लब के सदस्यों ने पूर्ण उत्साह के साथ इस सेवा कार्य में भाग लेकर तकरीबन 300 (तीन सौ) जरूरतमंदों को भोजन प्रदान किया। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलीया ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए क्लब के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

नगांव : श्री शिव महापुराण कथा में पांचवे दिन पार्वती खंड का वर्णन

नगांव (निसं)। श्री श्याम धाम मंदिर, खुटिकटीया में चल रही श्री शिव महापुराण कथा में पांचवे दिन वृहस्पतिवार को कथा स्थल खचाखच भरा रहा। पार्वती खंड के अंतर्गत कथा में शिव पार्वती के विवाह प्रसंग को काशी से पधारे विद्वान पंडित मां के बालक ओमप्रकाश उपाध्याय ने बहुत ही सुंदर रूप में बखान किया। उक्त चित्रण को सजीव झांकी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस समय उपस्थित भक्तो में गजब का उत्साह देखा गया। वृहस्पतिवार की पांचवे दिन की कथा में उमा देवी के दिव्य रूप में देवताओ को दर्शन, नारद मुनि का हिमालय के समीप गमन, पार्वती का हाथ देखकर भावी लक्षण को बताना, शिव की महिमा बताना शिव से विवाह करने का परामर्श देना आदि का वर्णन हुआ । उक्त कथा के यजमान संपत कुमार धूत ने अभिषेक व पूजा विधि संपन्न करवाई। कथा में महिलाओ की संख्या ज्यादा रही और महिलाये शिव पार्वती विवाह में श्रृंगार के साथ कथा में उपस्थित होकर उत्साह के

साथ गीत गाती नजर आई। विवाह गीत चालो रे सखियां चाला हेमाचल के द्वारे राज उक्त गीत पर माहौल विवाह स्थल सा दिखने लगा था। भजन की श्रृंखला में प्रदीप केजरीवाल, मुकेश पोद्दार व श्री श्याम धाम मंदिर के मुख्य पुजारी खेम प्रकाश खनाल ने सहयोग किया। व्यासपीठ पर विराजमान पंडित ओमप्रकाश उपाध्याय ने भी कथा के बीच बीच में भजनो की पेशकश की ओर प्रश्नोत्तर का भी दौर चलाया। कथा विराम पर आरती एंव बाद में प्रसाद वितरण किया गया। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने सीताराम ठाकुरबारी मंदिर के पीछे खटाल में गायों को चपड़ और गुड़ खिलाकर अपनी मासिक परियोजना अन्नपूर्णा संपन्न किया। यह परियोजना अधिक मास को ध्यान में रखते हुए किया गया। संयोजिका मेघा झाबक ने सभी चीजों को बहुत अच्छे तरीके से व्यवस्थित की अध्यक्ष बबीता मित्तल ने इस नेक काम में सहयोग देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इसे परियोजना को सफल बनाने के लिए उपाध्यक्ष संगीत कोठारी, संयुक्त मंत्री सोनू खेमका, प्रीति अग्रवाल, रीना बर्दिया, रंजना शर्मा और डोली चौधरी शामिल रही.

शिलपुखरी में आईडेस्टिनी के अधिकृत सर्विस सेंटर का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। अग्रणी ऐप्पल प्रीमियम पुनर्विक्रेता आईडेस्टिनी ने आज महानगर के जीएनबी रोड, सिलपुखुरी स्थित लक्ष्मी सर्विस स्टेशन के पास अपने अत्याधुनिक सेवा केंद्र के विधिवत शुभारंभ किया। आईडेस्टिनी के निदेशक विजय दुग्गड़ ने इस अत्याधुनिक सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर व्यापार प्रबंधन राजोश्री बनर्जी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर श्री दुग्गड़ ने कहा कि गुवाहाटी में आईडेस्टिनी का यह सेवा केंद्र ग्राहक अनुभव में नए मानक स्थापित करेगा और इसका लक्ष्य क्षेत्र में एप्पल के प्रति उत्साही लोगों को अद्वितीय सहायता प्रदान करना है। उत्कृष्टता प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ, आईडेस्टिनी सर्विस सेंटर मैकबुक, आईपैड्स, आईफोन, वॉचेस, एयरपोड्स और यहां तक कि एप्पल एक्सेसरीज सहित एप्पल उत्पादों की एक वृहद श्रृंखला के लिए सभी तरह के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से जुड़ी सेवाएं प्रदान करेगा। हमारे विशेषज्ञ तकनीशियन एक सहज और कुशल ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करते हुए, मरम्मत और सेवा आवश्यकताओं की एक विविध श्रृंखला को संभालने के लिए सुसज्जित हैं। आईडेस्टिनी के निदेशक विजय दुग्गड़ ने कहा कि हम गुवाहाटी में अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए 5-सितारा अनुभव लाने के लिए उत्साहित हैं। इस सेवा

केंद्र का उद्घाटन ऐप्पल उत्पादों के लिए शीर्ष पायदान सेवा और समर्थन प्रदान करने के हमारे समर्पण का एक प्रमाण है। आईडेस्टिनी गुवाहाटी में विशिष्ट एप्पल प्रीमियम पुनर्विक्रेता है, जिसके खुदरा स्टोर सिटी सेंटर मॉल और असम सचिवालय के सामने स्थित हैं। यह नया सेवा केंद्र गुवाहाटी में ऐप्पल प्रशंसकों के लिए पसंदीदा खुदरा गंतव्य के रूप में आईडेस्टिनी को और मजबूत करता है। ग्राहक कई प्रकार के लाभों की उम्मीद कर सकते हैं। साथ ही उसी दिन मरम्मत की सुविधा भी उपल्ब्ध है, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित हो सके। चाहे वह हार्डवेयर समस्याएं हों या सॉफ्टवेयर समस्या निवारण, आईडेस्टिनी के एप्पल द्वारा प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम हर समस्या का समाधान करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है, जिससे यह सेवा केंद्र एप्पल से संबंधित सभी ज़रूरतों के लिए वन-स्टॉप केंद्र है। व्यापार प्रबंधक राजोश्री बनर्जी ने कहा की आईडेस्टिनी के इस अत्याधुनिक सेवा केंद्र को हम असम सहित पूर्वात्तर के अपने ग्राहकों के लिए खोलकर काफी उत्साहित है। हमें विश्वास है कि इस केंद्र के खुलने से एप्पल से संबंधित सभी सेवाओं का लाभ हमारे प्रतिष्ठित ग्राहकों को मिलेगा। हम अपने ग्राहकों के लिए एप्पल के अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह सेवा केंद्र उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यौन उत्पीड़न का आरोपी राजमिस्त्री गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ पुलिस ने आज यौन उत्पीड़न के एक आरोपी राजमिस्त्री साकू शेख को चिरांग जिले के बिजनी से गिरफ्तार कर लिया जबकि एक अन्य आरोपी एम अली अभी तक फरार है। ज्ञात हो कि दोनों राजमिस्त्री पर आरोप है कि काम देने का प्रलोभन देकर दो लड़कियों को डिब्रूगढ़ ले जाकर जबरदस्ती यौन उत्पीड़न किया था। इस मामले में बीते कल दोनों लड़कियों ने कोकराझाड़ के बालाजान पुलिस थाने में दोनों के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

आईटेक-एप्पल अधिकृत पुनर्विक्रेता ने असम में 3 स्टोर लांच किए

गुवाहाटी। पूर्वी भारत में अग्रणी ऐप्पल रीसेलर स्टोर, आईटेक ने आज असम में 3 नए स्टोर लांच करने की घोषणा की। नए एप्पल स्टोर गुवाहाटी, तेजपुर और जोरहाट में स्थित हैं। नए स्टोर का उद्घाटन प्रसिद्ध असमिया गायक और संगीतकार *जुबीन गर्ग* ने श्री उदित डोकानिया की उपस्थिति में किया। आईटेक-एप्पल अधिकृत पुनर्विक्रेता ग्राहकों को नवीनतम एप्पल उत्पादों की व्यापक रेंज की पेशकश करेगा। लांच के मौके पर भाग्यशाली ग्राहकों को असमिया गायक जुबीन गर्ग से बहुचर्चित आईफोन मिला। इस अवसर पर आईटेक के मालिक श्री उदित डोकानिया ने कहा कि आईटेक पूर्वी भारत में ग्राहकों के लिए ऐप्पल उत्पादों और एक्सेसरीज

की विस्तृत श्रृंखला लाने में अग्रणी रहा है। हमें बेहद खुशी है कि आज हम पूर्वी क्षेत्र में 5 स्टोर लांच कर रहे हैं और इस अवसर पर जो भी ग्राहक आईफोन या मैकबुक खरीदेगा, उसके पास 15 अगस्त तक दूसरी पीढ़ी के ऐप्पल एयरपॉड्स मुफ्त में पाने का मौका होगा। हमारा इरादा पूर्वी क्षेत्र में बेहतर ग्राहक अनुभव देने के लिए स्टोरों की संख्या बढ़ाने और एप्पल उत्पाद लाने का भी है। जुबीन गर्ग ने आईटेक के साथ अपने जुड़ाव पर कहा कि मैं लंबे समय से एप्पल का प्रशंसक रहा हूं और किसी भी एप्पल उत्पाद के लिए आईटेक मेरी मंजिल है क्योंकि वे सर्वोत्तम ऑफर और ग्राहक अनुभव देते हैं। इस बार मैं 14 प्रो मैक्स में अपग्रेड करूंगा।

लोकसभा में आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम में बदलाव से जुड़े विधेयक पेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में बदलाव से जुड़े तीन विधेयक लोकसभा में पेश किए। गृहमंत्री ने लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 लोकसभा में पेश किए। साथ ही सदन ने इन विधेयकों को आगे की समीक्षा के लिए गृह मामलों से जुड़ी संसद की स्थाई समिति को भेज दिया। विधेयक पेश करते समय गृहमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के कालखंड में आईपीसी, सीआरपीसी, साक्ष्य अधिनियम 1860, 1898 और 1872 में कानूनों के रूप में लाए गए थे। इनमें आमूलचूल परिवर्तन लाया जाएगा। यह विधेयक अंग्रेजी शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से लाए गए थे। हमारे कानूनों का मकसद इसके माध्यम से न्याय देना है। इनकी आत्मा नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की सुरक्षा करना है। गृहमंत्री ने कहा कि नए प्रावधान के तहत 3 साल के भीतर मामलों का निपटारा होगा। पुलिस और वकील जवाब देह बनेंगे। अपराधियों की सजा सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस अपने अधिकारों का दुरुपयोग ना करे इसका प्रावधान किया गया है। राजद्रोह जैसे कानून को हटाया गया है और उनके स्थान पर अधिक स्पष्ट अलगाववाद और आतंकवाद से जुड़े कानून को लाया गया है। इनमें मॉब लिंचिंग और पहचान बदलकर यौन शोषण को अपराध बनाया गया है। संगठित अपराध के

खिलाफ मजबूत कानून लाया गया है। गृहमंत्री ने बताया कि नागरिक सुरक्षा संहिता में 533 धाराएं होगी, 160 को बदला गया है और 9 धाराओं को जोड़ा एवं 9 को निरस्त किया गया है। न्याय संहिता में 511 धाराएं होगी, 175 को बदल गया है, 8 को जोड़ा गया है और 22 को निरस्त किया गया है। साक्ष्य संहिता से जुड़ी धाराएं 170 होंगी। इसमें 23 में बदलाव किया गया है एक को जोड़ा गया है और पांच निरस्त किया गया है। गृहमंत्री ने बताया कि वर्तमान कानूनों में एक 475 जगह औपनिवेशिक शब्दावली मौजूद थी। इसे अब बदला जा रहा है। गृहमंत्री ने कहा कि पुरानी व्यवस्था में न्यायालय जाना भी अपने आप में एक दंड था। हमने नई संहिताओं में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया है। इससे कागजों के बड़े-बड़े ढेर समाप्त होंगे। सारी प्रक्रिया डिजिटल होगी। प्रक्रिया को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया जाएगा और डिजिटिलकरण किए जाने को नोटिफाई किया जाएगा। 2027 तक इस पूरी प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब जीरो एफआईआर समाप्त होगी और कहीं से भी एफआईआर दर्ज कराई जा सकेगी। 15 दिन के अंदर उसे संबंधित थाने में भेजना होगा। हम ईएफआईआर का कॉन्सेप्ट लाए हैं। तलाशी के दौरान वीडियोग्राफी को अनिवार्य किया जा रहा है। सात साल से अधिक की सजा वाले कानून में फॉरेंसिक साक्ष्य जरूरी होंगे। इसके अलावा हर जिले या थाने में एक-एक पुलिस अधिकारी नियुक्त होगा जो हिरासत में लिए जाने का अधिकृत सर्टिफिकेट देगा। इससे बिना बताए लंबी हिरासत नहीं होगी। यौन अपराधों में पीड़िता का बयान जरूरी होगा और उसका रिकॉर्ड लिया जाएगा। सात वर्ष के कारावास से जुड़ी किसी भी धारा के मामले में पीड़ित का पक्ष सुने बिना केस समाप्त नहीं किया जा सकता है। नई संहिता में सामुदायिक सेवा से जुड़े दंड को भी प्रावधानों में जोड़ा गया है। गृहमंत्री ने कहा कि छोटे-मोटे मामले अब समरी ट्रायल से निपटाए जाएंगे। इससे 40 प्रतिशत केस आसानी से निपटाए जा सकेंगे। 90 दिन में आरोप पत्र दाखिल करना अनिवार्य होगा और कोर्ट की अनुमति से पुलिस को 90 दिन और दिए जा सकेंगे। आरोप तय होने के 60 दिन के अंदर नोटिस दिया जाएगा। कोर्ट सुनवाई पूरी करने के बाद 30 दिन के अंदर अपना फैसला सुनाएगा। 60 दिन के अंदर फैसले को ऑनलाइन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नई संहिता में घोषित अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान जोड़ा गया है। महिलाओं और बाल अपराधों को पहले चैप्टर में लाया गया है और दूसरे चैप्टर में मानव अपराध होंगे। छोटी-मोटी चोट और अपंगता देने वाले अपराधों में फर्क किया जाएगा। अपंगता की स्थिति में 10 साल या आजीवन कारावास का प्रावधान होगा। अलगाव और अन्य विषयों की विस्तृत व्याख्या करके एक नया कानून लाया जाएगा और राजद्रोह कानून हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब भगोड़े अपराधियों को उनकी अनुपस्थिति में ट्रायल किया जा सकता है और सजा सुनाई जा सकती है। अगर उन्हें अपील करनी है तो उन्हें हमारी न्याय प्रक्रिया के तहत शरण में आना होगा और कोर्ट में पेश होना होगा। गृहमंत्री ने बताया कि अपराध या दुर्घटना में शामिल वाहन ट्रायल खत्म होने तक थानों में मौजूद रहते थे। अब उनकी वीडियोग्राफी करके जमा कराकर उनका निपटारा किया जा सकेगा।

सोशल मीडिया के युग में डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भारतीय डाक सेवा में ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा। भारतीय डाक सेवा (2021 और 2022 बैच) के प्रोबेशनर्स ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों की भूमिका इस देश के लोगों की सेवा करने के इर्द-गिर्द घूमती है और इसलिए ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विभाग डिजिटल परिदृश्य के अनुकूल अपनी सेवाओं को सक्रिय रूप से आधुनिक बना रहा है।

उन्होंने कहा कि इस परिवर्तनकारी यात्रा में युवा परिवीक्षार्थियों के नवीन विचार अमूल्य होंगे।

उन्होंने कहा कि डाक विभाग, अपनी 160 साल की उल्लेखनीय यात्रा के साथ, हमारे राष्ट्र की सेवा के प्रतीक के रूप में खड़ा है। लगभग 1,60,000 डाकघरों का इसका व्यापक नेटवर्क इसे दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क बनाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय डाक नेटवर्क एक एकीकृत सूत्र के रूप में कार्य करता है, जो हमारी संस्कृतियों और परंपराओं की विशाल श्रृंखला को एक साथ बांधता है। राष्ट्रपति ने वित्तीय समावेशन में डाक विभाग की भूमिका की सराहना की। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विभाग ने वित्तीय अंतर को पाटने और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक पहल की है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग ने सरकारी सब्सिडी, कल्याण भुगतान और पेंशन के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि डाकघरों के माध्यम से धन के निर्बाध वितरण से बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई है और रिसाव भी कम हुआ है।

आबकारी घोटाला : बिजनेसमैन अभिषेक बोइनपल्ली की जमानत पर ईडी को नोटिस

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में बिजनेसमैन अभिषेक बोइनपल्ली की जमानत पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को 3 हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी। अभिषेक बोइनपल्ली ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। 3 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिषेक बोइनपल्ली की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 14 नवंबर, 2020 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली को जमानत दी थी और दोनों अभी न्यायिक हिरासत में हैं, क्योंकि उनके खिलाफ दिल्ली शराब घोटाला मामले में ही ईडी की ओर से

दर्ज केस चल रहा है। ईडी ने दोनों को 13 नवंबर, 2020 को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने इस मामले में 27 सितंबर, 2020 को विजय नायर को गिरफ्तार किया था। विजय नायर मुंबई स्थित वनली मच लाउडर नामक कंपनी का पूर्व सीईओ है। नायर आम आदमी पार्टी का कम्यूनिकेशन इंचार्ज है। अभिषेक बोइनपल्ली को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई के मुताबिक अभिषेक ने नवंबर, 2021 से लेकर जुलाई, 2022 तक दिल्ली में आबकारी नीति के लागू होने के पहले हवाला के जरिये विजय नायर को और दिनेश अरोड़ा को पैसे ट्रांसफर किए थे, जो समीर महेंद्रू के खाते से अभिषेक के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए।

मणिपुर को जलाना चाहती थी सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार मणिपुर को जानबूझ कर जलाना चाहती थी। मणिपुर के हालात को हमारी सेना दो दिन में नियंत्रित कर सकती थी और पूरा राज्य जलने से बचाया जा सकता था। राहुल गांधी ने शुक्रवार पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब वह मणिपुर के दौरे पर गए तो उन्हें कहा गया कि मैतेई के क्षेत्र में कुकी सुरक्षाकर्मी लेकर न जाएं और कुकी के क्षेत्र में मैतेई सुरक्षाकर्मी लेकर न जाएं। राहुल ने कहा कि उन्हें साफ कहा गया कि एक दूसरे के क्षेत्र में अगर एक दूसरे

समुदाय के सुरक्षाकर्मी लेकर गए तो उन्हें गोली मार दी जाएगी। ऐसे हैं मणिपुर के हालात। राहुल ने कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी सदन में दो घंटे से अधिक बोले लेकिन वह सिर्फ दो मिनट ही मणिपुर मुद्दे पर बोले बाकी दो घंटे सदन में हंसी-ठहाके लगे। मणिपुर एक गंभीर मुद्दा है। लोग वहां मारे जा रहे हैं। आए दिन आगजनी हो रही है। बच्चों को मारा जा रहा है। महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है और संसद में ऐसे मुद्दे पर कोई गंभीर बातचीत नहीं हो रही है। यह दुख की बात है।

आप सांसद राघव चड्ढा राज्यसभा से निलंबित

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को शुक्रवार को विशेषाधिकार के उल्लंघन के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। चार सांसदों की शिकायत के बाद यह कदम उठाया गया है। सांसदों ने सभापति को शिकायत में कहा था कि आप सांसद राघव चड्ढा ने उनकी अनुमति के बिना प्रस्ताव में नाम जोड़ा था। राघव चड्ढा के खिलाफ अब सदन की विशेषाधिकार समिति जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट व सिफारिश देगी। इसके आने तक राघव चड्ढा सदन से निलंबित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में दिल्ली सर्विस बिल से जुड़ी विधाई प्रक्रिया के दौरान राघव चड्ढा की ओर से एक प्रस्ताव लाया गया था। इसमें प्रस्ताव प्रवर समिति में नाम जोड़े जाने संबंधित है।

इसमें 4 सदस्यों का उनकी अनुमति के नाम बिना नाम जोड़ा गया था। इन सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि प्रस्ताव में उनके हस्ताक्षर नहीं है।

मप्र गृह मंत्री की चेतावनी- 'सिर तन से जुदा..' के नारे लगाने वालों पर होगी रासुका की कार्रवाई

भोपाल, (हि.स.)। रतलाम में पुलिस चौकी के सामने प्रदर्शन कर 'सिर तन से जुदा..' के नारे लगाए जाने की घटना को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसे लोग किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। अपराधी चिह्नित हो गए हैं। जल्द ही वे पुलिस हिरासत में होंगे और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) एनएसए तक की कार्रवाई की जाएगी। गृहमंत्री डॉ. मिश्रा शुक्रवार को भोपाल में अपने निवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग यह समझ लें कि यह राजस्थान नहीं है और न ही यहां

कांग्रेस की सरकार है। ये मध्य प्रदेश है और ऐसे आतंकी नारे लगाने वालों को चौबीस घंटे में पता चल जाएगा। संभल जाएं, नहीं तो क्या-क्या जुदा हो जाएगा, उनको समझ नहीं आएगा। रतलाम में सिर तन से जुदा के नारे लगाने वाले अपराधी चिन्हित हो गए हैं। पुलिस जल्द उन्हें हिरासत में लेकर कड़ी कार्रवाई करेगी। दरअसल, 9 अगस्त को एक युवती ने सोशल मीडिया पर इस्लाम को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की थी। इसकी खबर फैलने से मुस्लिम समाज के लोगों में रोष फैल गया था। बड़ी संख्या में आक्रोशित लोग बुधवार रात करीब 10 बजे हाट रोड़ स्थित पुलिस चौकी पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कुछ ही देर में वहां भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने पोस्ट करने वाली लड़की को गिरफ्तार करने तथा उसका मकान तोड़ने की मांग को लेकर चौकी का घेराव कर दिया। वहां जमा भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने "सिर तन से जुदा" के नारे लगाए लगाए थे। इस मामले में गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने सिर तन से जुदा के नारे लगाने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए उन पर रासुका की कार्रवाई करने की बात कही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रगति मैदान से हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अजय त्यागी

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को दिल्ली के प्रगति मैदान से हर घर तिरंगा' बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस रैली में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, अनुराग ठाकुर, अश्विनी चौबे, मीनाक्षी लेखी, अर्जुन राम मेघवाल, शोभा करंदलाजे ने भी हिस्सा लिया। हर घर तिरंगा' बाइक रैली में भाग लेने के बाद केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आह्वान किया कि आने वाले 15 अगस्त को देश के नागरिक अपने घरों पर तिरंगा लगाएं। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' का समापन कार्यक्रम है और हर किसी को इसका हिस्सा बनना चाहिए। हर घर तिरंगा' बाइक

रैली में भाग लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को 15 अगस्त और 26 जनवरी को अपने घरों में तिरंगा प्रदर्शित करना चाहिए। यह नागरिकों का कर्तव्य है। इस साल 15 अगस्त इसलिए खास है। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' के समापन का प्रतीक है। उल्लेखनीय है आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर "हर घर तिरंगा" अभियान की शुरूआत की गई थी। संसद सदस्यों की दिल्ली में एक बाइक रैली के साथ फिर से शुरू हुआ जिसमें जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सांसद और मंत्री अपनी बाइक पर तिरंगे झंडे लेकर प्रगति मैदान में जुटे।

श्रीनगर के पंथा चौक से अमरनाथ गुफा की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए श्रद्धालु

श्रीनगर, (हि.स.)। श्रद्धालुओं का एक नया जत्था शुक्रवार सुबह कडी सुरक्षा के बीच अमरनाथ गुफा की तीर्थयात्रा के लिए श्रीनगर के पंथा चौक आधार शिविर से रवाना हुआ। यह श्रद्धालु बालटाल और पहलगाम मार्गों से गुफा जाने के लिए रवाना हुए हैं। इस दौरान श्रद्धालु अमरनाथ गुफा की ओर जाते समय बम-बम भोले के नारे लगाते रहे। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से शुक्रवार को किसी भी जत्थे को रवाना नहीं किया गया है। जम्मू में श्रद्धालुओं की संख्या कम होने के चलते आज यात्रा को स्थगित रखा गया है। एक दिन बाद यानि शनिवार को जम्मू से श्रद्धालुओं के एक नये जत्थे को रवाना किया जाएगा। 1 जुलाई को 62 दिवसीय यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 4.28 लाख से अधिक श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचे अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री के भाषण के बीच विपक्ष के वॉकआउट पर भाजपा का निशाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के बीच विपक्ष के वॉकआउट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को आईना दिखाया तो वो भाग खड़ी हुई। कांग्रेस

ने जब पूर्वोत्तर में अपना काला इतिहास देखा तो वह भाग गई। जब उसने प्रधानमंत्री मोदी का पूर्वोत्तर के लिए, मणिपुर के लिए संकल्प और प्यार देखा तो वह भाग गई। इससे पता चलता है कि 'घमंडिया' गठबंधन क्या कर सकता है? ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने अपने आरोपों की सच्चाई नहीं सुनी और वह भाग गई। उनका अहंकार ऐसा है कि उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को बोलने नहीं दिया। हमने उन्हें बोलने की अनुमति दी तो उन्होंने गुड़ का गोबर कर दिया।

वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक विकास सिन्हा का निधन

कोलकाता, (हि.स.)। पद्म पुरस्कार से सम्मानित परमाणु वैज्ञानिक विकास सिन्हा (78 वर्ष) का शुक्रवार सुबह कोलकाता के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को अस्पताल से मिंटो पार्क स्थित उनके आवास पर लाया जा रहा है, जहां अंतिम दर्शन के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। वर्ष 2010 में पद्म भूषण से सम्मानित विकास सिन्हा, विकास साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स में निदेशक के पद पर तैनात थे। उन्होंने "वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर" के "होमी भाभा प्रोफेसर" का पद भी संभाला

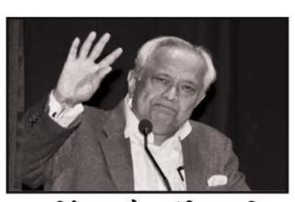

था। मुर्शिदाबाद के कांदी राजपरिवार में जन्मे सिन्हा को परमाणु अनुसंधान और विज्ञान संस्थानों के प्रशासक के रूप में देश-विदेश में सम्मान मिला। विकास सिन्हा के पिता बिमल चंद्र सिन्हा और दादा आतिश सिन्हा पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री थे। पूर्व सांसद आतिश राज्य में नेता प्रतिपक्ष के पद पर भी रहे। 1945 में जन्मे विकास सिन्हा प्रेसिडेंसी कॉलेज से स्नातक के बाद कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए। शिक्षा पूरी करने के बाद देश लौट कर वे भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में शामिल हो गए। उन्होंने कोलकाता में वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर की स्थापना और इसे विश्व स्तरीय अनुसंधान संस्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोध के अलावा इस प्रतिष्ठित वैज्ञानिक ने लोगों में वैज्ञानिक चेतना फैलाने का भी काम किया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद ममता बनर्जी सरकार ने उन्हें पाठ्यक्रम समिति का सलाहकार नियुक्त किया था।

ईडी की याचिका पर न्यूजक्लिक और प्रवीर पुरकायस्थ को दिल्ली हाई कोर्ट का नोटिस, 6 सितंबर को सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यूजक्लिक वेबसाइट के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ की विदेशों से मिले धन के मामले में संरक्षण के आदेश को वापस लेने की मांग करने वाली ईडी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की। हाई कोर्ट ने इस मामले में प्रबीर पुरकायस्थ और न्यूजक्लिक को नोटिस जारी किया है। जस्टिस सौरभ बनर्जी ने मामले की अगली सुनवाई 6 सितंबर को करने का आदेश दिया। ईडी ने याचिका दायर कर प्रबीर पुरकायस्थ को हाई कोर्ट से मिले संरक्षण के आदेश को वापस लेने की मांग की है। ईडी ने दिल्ली हाई कोर्ट के 21 जून 2021 और 20 जुलाई 2021 को न्यूजक्लिक और प्रबीर पुरकायस्थ को संरक्षण देने के आदेश को वापस लेने की मांग की है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि ये पेड न्यूज की आपराधिक साजिश है, जिसमें 38 करोड़ रुपये नियमों का उल्लंघन कर हासिल किए गए। ईडी ने कहा कि उसे मनी लांड्रिंग के अतिरिक्त साक्ष्य मिले हैं। सात जुलाई 2021

को कोर्ट ने प्रबीर पुरकायस्थ की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। उसके बाद से कोर्ट प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी पर लगी रोक लगातार बढ़ाता रहा है। पुरकायस्थ पर आरोप है कि उनकी कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्रा.लि. ने वित्त वर्ष 2018-19 में अमेरिका की कंपनी वर्ल्डवाईड मीडिया होल्डिंग्स कंपनी से 9 करोड़ 59 लाख रुपये की एफडीआई हासिल की। ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि ये एफडीआई कानून का उल्लंघन कर हासिल की गई। सुनवाई के दौरान प्रबीर पुरकायस्थ की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि कंपनी ने जब एफडीआई हासिल की, उस समय एफडीआई पर कोई सीमा नहीं लगाई गई थी। सिब्बल ने कहा था कि प्रबीर पुरकायस्थ एक महशूर पत्रकार हैं और डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म चलाते हैं। डिजिटल मीडिया को देश के बाहर से पैसा लाने की अनुमति थी। उसके बाद के साल में डिजिटल मीडिया के लिए एफडीआई में सीमा तय कर दी गई। उन्होंने कहा था कि आरोपित ने धन की कोई हेराफेरी नहीं की है। एफडीआई से मिले धन का इस्तेमाल कर्मचारियों को सैलरी देने में किया गया और ये कानून का कोई उल्लंघन नहीं है। सुनवाई के दौरान ईओडब्ल्यू की ओर से पेश वकील मनजीत एस ओबेराय ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि आरोपित सीधे हाई कोर्ट आ गए हैं। एफआईआर में कहा गया है कि एफडीआई कंपनी के शेयरों का ज्यादा मूल्यांकन कर हासिल किया गया ताकि 26 फीसदी एफडीआई के कानून से बचा जा सके। एफआईआर में कहा गया है कि एफडीआई से मिली रकम का 45 फीसदी हिस्सा सैलरी देने, किराया और दूसरे खर्चों में दिखाया गया है। गौरतलब है कि 21 जून 2021 को हाई कोर्ट ईडी की ओर से दर्ज मनी लांड्रिंग के एक मामले में पुरकायस्थ की गिरफ्तारी पर पहले ही रोक लगा चुकी है।

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध पर समिति ने सौंपी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को रिपोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय समिति ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा को रिपोर्ट सौंपी। इस संबंध में जे पी नड्डा ने ट्वीट करके कहा कि यह रिपोर्ट प्रदेश में व्याप्त जंगलराज, गहलोत सरकार की संवेदनहीनता और निरंतर हो रहे महिलाओं के उत्पीड़न को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के भीलवाड़ा में नाबालिग बच्ची के अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और जघन्य हत्या की जांच के लिए गठित भाजपा महिला सांसदों की समिति से घटनाक्रम के संदर्भ में

विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त की। यह चिंताजनक है कि महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में राजस्थान देशभर में शीर्ष पर है। नारी शक्ति के सम्मान व सुरक्षा के लिए भाजपा का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि जेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखते हुए सांसद सरोज पांडेय की अध्यक्षता में चार सदस्यीय महिला समिति का गठन किया था। इस समिति में रेखा वर्मा, लॉकेट चटर्जी और कांता कर्दम भी सदस्य थी।

भाजपा नेता की हत्या में ब्लॉक प्रमुख के पति, बेटे समेत चार पर केस दर्ज

मुरादाबाद, (हि.स.)। भाजपा नेता एवं संभल के असमौली ब्लॉक से पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी रहे अनुज चौधरी की गोली मारकर हत्या के आरोप में असमोली ब्लॉक प्रमुख संतोष सिंह के पति, उनके बेटे समेत चार के खिलाफ शुक्रवार को हत्या का केस दर्ज कराया है। गुरुवार की शाम भाजपा नेता अनुज चौधरी अपने दोस्त पुनीत के साथ पार्क में टहल रहे थे। इसी दौरान रामगंगा विहार निवासी असमोली ब्लॉक प्रमुख संतोष सिंह के पति प्रभाकर चौधरी, उनके बेटे बेटा अनिकेत चौधरी, संभल के थाना एचौड़ा कम्बोह के भवालपुर निवासी अमित कुमार, पुष्पेंद्र और अन्य बदमाश आए और अनुज की गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि पुनीत को गोली मारकर घायल कर दिया। प्रभाकर चौधरी मूल रूप से थाना एचौड़ा कम्बोह के हाजीबेड़ा के निवासी हैं। थाना मझोला इंस्पेक्टर विप्लव शर्मा ने बताया कि अनुज चौधरी की हत्या के आरोप में चार आरोपितों के विरुद्ध केस दर्ज कराया हैं। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है, जल्दी उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी विस मानसून सत्र : प्रत्येक गांव तक बस सेवा पहुंचाएगा परिवहन निगम : दयाशंकर सिंह

– प्रदेश के 88 हजार गांवों तक बस सेवा मुहैया करा रहा यूपीएसआरटीसी, बाकी बचे 12200 गांवों तक भी जल्द शुरू होगी बस सेवा

लखनऊ, (हि. स.)। योगी सरकार प्रदेश के हर गांव तक परिवहन निगम की बस सेवा को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवहन निगम के माध्यम से सरकार अब तक प्रदेश के 88 हजार गांवों तक बस सेवा मुहैया करा चुकी है और बाकी बचे 12200 गांवों तक भी बस सेवा जल्द मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश विधान सभा में एक सवाल का जवाब देते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि इसके लिए सरकार ने अनुबंधित बसों के माध्यम से लक्ष्य को पूर्ण करने की योजना बनाई है। शुक्रवार को विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में सरकार की ओर से इस्की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में यूपीएसआरटीसी के एक कार्यक्रम में स्वयं सीएम योगी ने मंच से प्रदेश के प्रत्येक गांव तक बस सेवा मुहैया कराने की अपील की थी।

बढ़ाई जाएगी अनुबंधित बसों की संख्या – समाजवादी पार्टी के सदस्य फहीम इरफान के प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार मुहिम के तहत कार्य कर रही है और जल्द ही प्रदेश का एक भी गांव ऐसा नहीं होगा जहां परिवहन निगम की बस सेवा न उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगों को रोजगार देने के लिए अनुबंधित बसों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि हर गांव तक बस सेवा को पहुंचाया जा सके। परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में परिवहन निगम की कुल 110118 बसें संचालित हैं। इनमें 81070 निगम की बसें हैं और 29048 अनुबंधित बसें हैं। यानी 26 प्रतिशत बसें अनुबंधित हैं और 74 प्रतिशत बसें रोडवेज की हैं। परिवहन मंत्री ने इस दौरान परिवहन निगम की आय से संबंधित सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पहले जहां परिवहन निगम को प्रतिदिन 11 से 12 करोड़ की आमदनी हो रही थी तो अब यह 18 करोड़ से 21 करोड़ प्रतिदिन के बीच तक पहुंच गई है।

उत्तर प्रदेश में एक भी बस डग्गामार नहीं – प्रदेश में डग्गामार बसों से संबंधित प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री ने जोर देकर कहा कि एक भी डग्गामार बस प्रदेश में संचालित नहीं हो रही है। उन्होंने डग्गामार शब्द पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रदेश में एक भी बस ऐसी नहीं मिलेगी जो बिना नेशनल परमिट के चल रही हो। हर बस को इंश्योरेंस और फिटनेस टेस्ट के बाद ही चलाने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि जो लोग नियमों का उल्लंघन करके बसें चला रहे हैं, उनके खिलाफ परिवहन विभाग कड़ी कार्रवाई कर रहा है।

इस मामले में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार हर गांव तक बसें चलाना चाहती है, लेकिन नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एयरपोर्ट की तर्ज पर बन रहे बस अड्डे – परिवहन मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताया कि उत्तर प्रदेश में बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरह आधुनिक बनाने का काम शुरू हो चुका है। इसके लिए 05 बस अड्डों (गाजियाबाद, कौशांबी, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ) के विभिन्न बस अड्डों के कायाकल्प के लिए एमओयू हो चुका है और जल्द ही सीएम इसका शिलान्यास करेंगे। इसके अतिरिक्त 08 बस अड्डों के आधुनिकीकरण के लिए एमओयू साइन होने हैं और 18 के लिए टेंडर जारी करने जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को निशुल्क यात्रा की योजना मुख्यमंत्री के संकल्प में है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हाथीबाजार में वेंटिलेटर क्रियाशील : सीएमएस

—गम्भीर मरीजों को उनके आवश्यकतानुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा रही

वाराणसी, (हि.स.)। शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय के अपर निदेशक/प्रमुख अधीक्षक ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश शासन की ओर से समय-समय पर उपलब्ध कराये गये 20 वेंटिलेटर को चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों एवं ऑपरेशन कक्ष में लगाया गया है। साथ ही चिकित्सालय सुदृढ़ीकरण के कार्यक्रम के अन्तर्गत 08 बेड के एक हाईडिपेन्डेन्सी यूनिट (एच०डी०यू०) की स्थापना कर दी गयी है, जहां पर गम्भीर मरीजों को उनके आवश्यकतानुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। उन्होंने बताया कि मानक के अनुरूप मानव संसाधन उपलब्ध न होने के कारण सभी सुविधाएं सुचारू रूप से मरीजों को उपलब्ध कराने में समस्या आ रही है। मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए समय-समय पर उच्चाधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया गया है। वही, अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हाथीबाजार ने बताया कि 30 जुलाई से 05 अगस्त तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मेजर एवं माइनर सर्जरी, ऑपरेशन प्रसव, मिनी लैप विधि महिला नसबन्दी-19, हाइड्रोसिल-85, हार्निया-14, आर्थो सर्जरी-10, अन्य 94 सर्जरी एवं आकस्मिक सेवा दी गई है। चिकित्सालय में वेंटिलेटर क्रियाशील हैं, जिसका आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत नौ सितंबर को, अधिकारी कराएंगे प्रचार-प्रसार

मीरजापुर, (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आगामी नौ सितंबर को सुबह 10 बजे दीवानी न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनमोल पाल ने शुक्रवार को यह बताया कि आगामी नौ सितंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर, परिवार न्यायालय, मोटर वाहन दुर्घटना अधिकरण न्यायालय, बाह्य न्यायालय चुनार, बाह्य न्यायालय मड़िहान एवं सभी तहसील प्रागंण में किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए समस्त न्यायिक अधिकारी, राजस्व विभाग के समस्त प्रशासनिक अधिकारी (नोडल) एवं बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया, ताकि प्रत्येक विभागों में लंबित मुकदमों अथवा बैंक ऋण प्री-लिटिगेशन समेत अन्य मामलों का निस्तारण कर अधिक से अधिक वादकारियों एवं बकाएदारों को लाभान्वित किया जा सके। राष्ट्रीय लोक अदालत में आर्बीट्रेशन मामले, पारिवारिक-वैवाहिक मुकदमों, बटवारा मुकदमों, चेक बाउंस के मुकदमों, लघु आपराधिक मुकदमों व ई-चालान मुकदमों का सुलह-समझौता के आधार पर निस्तारण कराकर वादकारियों को लाभ पहुंचाया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी व अपर जनपद न्यायाधीश वायुनंदन मिश्र ने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मुकदमों का निस्तारण कराने को लेकर समस्त संबंधित न्यायालय, समस्त तहसील न्यायालय व जनपद के सभी विभागाध्यक्ष को पत्र जारी कर आदेशित किया गया है। पक्षकार अपने मुकदमों के निस्तारण के लिए संबंधित न्यायालय व विभागीय अधिकारी से व्यक्तिगत संपर्क कर मामलों का निस्तारण करा राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जनपद न्यायाधीश लालबाबू यादव ने समस्त अधिवक्ता व वादकारियों से कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मुकदमा, ई-चालान का निस्तारण करावें। साथ ही पति-पत्नी के विवाद जो अभी तक न्यायालय में दाखिल नहीं हुए हैं जैसे- बैंक ऋण वसूली (एनपीए खाता), अन्य विभागों के प्रकरण एवं वैवाहिक प्री-लिटीगेशन स्तर के सभी मामलों को निस्तारित कराने का प्रयास किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में पक्षकार व्यक्तिगत उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चंदन डैम से गोड्डा को पानी मुहैया कराने के मामले में बिहार सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने के निर्देश

रांची , (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने बिहार के बांका के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका मामले में बिहार सरकार को चार सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने बिहार सरकार से पूछा है कि चंदन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गया है, उसे हटाने के लिए क्या किया जाएगा। इससे पहले सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि चंदन डैम में 75 प्रतिशत गाद भर गया है। इससे इस डैम की पानी की जमा रखने क्षमता मात्र 25 प्रतिशत ही रह गई है। बिहार सरकार ने चंदन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जताई है। झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने पैरवी की। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में छह कैनाल सिस्टम हैं, जिनमें चार कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं। यह स्ट्रक्चर डैमेज हो चुका है, जिसका रिपेयर करना जरूरी है ताकि गोड्डा जिला में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। याचिकाकर्ता निशिकांत दुबे ने गोड्डा में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के लिए चंदन डैम के कैनाल सिस्टम को रिपेयर करने का आग्रह करते हुए 2016 में जनहित याचिका दाखिल की थी।

भाजपा ने शुरू किया मेरी माटी-मेरा देश अभियान

भागलपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने देश में मेरी माटी मेरा देश अभियान प्रारंभ किया है, जो 15 अगस्त तक चलेगा। दूसरा चरण 15 के बाद प्रारंभ होगा। इसकी तैयारी और रुपरेखा तैयार करने के लिए शुक्रवार को भाजपा नेताओं की बैठक जिलाध्यक्ष संतोष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी ने बताया की आज की बैठक में जिला कमेटी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक अपेक्षित थे। सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानी सेना के जवान, सेंट्रल पुलिस फोर्स, राज्य पुलिस फोर्स के कर्मचारी जो दिवंगत हुए हैं, उनके नाम पर मोदी जी के संदेश के साथ जो शीलापट लगाया जाएगा उसमें बीजेपी कार्यकर्ता कार्य करेंगे। स्वतंत्रता सेनानी, रिटायर्ड सेना कर्मचारी, रिटायर्ड राज्य पुलिस कर्मचारी या जो शहीद हैं, प्रत्येक मंडलों में उनके परिवार के सदस्य को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही अमृत वाटिका निर्माण के तहत प्रत्येक गांव में 75 पेड़ किसान मोर्चा के द्वारा लगाने का निर्णय लिया गया है। गांव की मिट्टी हाथ में लेकर सामूहिक एवं व्यक्तिगत पंचप्रण लेने का निर्णय लिया गया है। 13 अगस्त को भागलपुर में तिरंगा यात्रा निकाला जायेगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तहत मौन जुलूस निकालकर संगोष्ठी का आयोजन किया जाना है। 15 अगस्त के मौके पर भाजपा की ओर से पूरे जिला के प्रमुख सेवा बस्ती में राष्ट्रीय ध्वजारोहण का कार्यक्रम करेगी। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पवन मिश्रा, सुधांशु तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, बिपुल सिंह, रोशन सिंह, प्राणिक वाजपेयी, रितेश घोष आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर हादसे में हुई जनहानि पर दुख जताया

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कुशीनगर जनपद की नहर में कार गिरने से हुई जनहानि पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि जिले के रामकोला-नौरंगिया मार्ग पर गुरुवार की आधी रात को कार बेकाबू होकर मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के दमोदरी पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार मनोज यादव (30), गुड्डू यादव (30), भीम सिंह (25) की मृत्यु हुई है। जबकि कार से निकले सुबोध मणि ने लोगों को जानकारी दी थी।

झारखंड के विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का मौका, मुख्यमंत्री 11 को 25 छात्रों को सौंपेंगे प्रमाण पत्र

रांची, (हि.स.)। झारखंड के 25 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा पाने के लिए विदेश में पढ़ने का मौका मिलेगा। राज्य सरकार के द्वारा शुरू की गई मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत 2023-24 के लिए चयनित इन विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 11 अगस्त को प्रमाण पत्र सौंपेंगे। झारखंड मंत्रालय में अपराह्न तीन बजे आयोजित कार्यक्रम में कल्याण मंत्री चंपई सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता और कला संस्कृति एवं खेल मंत्री हफिजुल अंसारी मौजूद रहेंगे। चयनित 25 छात्रों में से अनुसूचित जाति से पांच, पिछड़ा वर्ग से सात और अल्पसंख्यक समुदाय से तीन छात्रों का चयन किया गया है जबकि शेष 10 छात्र अनुसूचित जनजाति से हैं। 2023-24 के लिए चयनित इन विद्यार्थियों को आयरलैंड और ब्रिटेन के नामचीन विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने के लिए अवसर मिलेगा। इस योजना के तहत राज्य सरकार पढ़ाई के दौरान होने वाले सभी खर्च का वहन करती है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से 2021 में शुरू की गई इस योजना के तहत पहले आदिवासी बच्चों को ही विदेशों में पढ़ाई के लिए भेजा जाता था लेकिन बाद में सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए दलित पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए भी दरवाजे खोल दिए। कल्याण विभाग के अनुसार इस साल मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृति योजना के तहत 25 विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का अवसर मिलेगा, जिसकी चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। विभाग के द्वारा इसके लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन मांगे गए थे। अर्हता पूरी करने वाले विद्यार्थियों के नामों की मंजूरी दी गई है।

सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी 13 अगस्त को आयेंगे फारबिसगंज

अररिया (हि.स.)। फारबिसगंज तेरापंथ भवन में विभा 2025 की ओर से बिहार के पिछड़ेपन के कारणों को तलाशने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सारण के सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी शिरकत करेंगे इसकी जानकारी विभा 2025 के संस्थापक सदस्य शंकर झा आजाद, विनोद सम्राट और धर्मेंद्र चौहान ने आयोजित प्रेस वार्ता में दी। आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि विवाह 2025 एक गैर राजनीतिक मंच है जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा एवं प्रचुर श्रम शक्ति के बावजूद बिहार के पिछड़ेपन को तलाशते हुए जातिवाद क्षेत्रवाद की राजनीति के चक्रव्यूह को तोड़ बिहार को आगे ले जाने का एजेंडा लेकर चल रही है। शंकर झा आजाद ने बताया कि विषय वस्तु पर परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा और जिला सहित बिहार के विकास के मानचित्र पर नहीं उभर पानी के कारणों की तलाश की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के लिए आज पलायन को मजबूर है। जबकि प्राचीन काल से ही बिहार ने लोकतंत्र, शिक्षा, राजनीति, धर्म एवं ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में देश ही नहीं बल्कि दुनिया को मार्गदर्शन देने का काम किया है। विभा 2025 बिहार का पिछड़ापन, बिहार, बिहारी और उनके विकास के मुद्दे पर चर्चा के लिए राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों और देश विदेश में बसे बिहार की प्रतिभा को अपने मंच पर आमंत्रित कर बिहार की सियासत में एक एजेंडा स्थापित करने के लिए संकल्पित है। मौके पर मौजूद धर्मेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बिहार काफी पिछड़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार कई स्तरों पर देश का सबसे पिछड़ा राज्य है। बिहार के गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित करने के लिए यह मंच तैयार किया गया है। विनोद सम्राट ने राजीव प्रताप रूढ़ी को विविध प्रतिभाओं से संपन्न राजनेता बताते हुए लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल एकमात्र सांसद होने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजीव प्रताप रूढ़ी सांसद के अलावा व्यवसायिक लाइसेंसधारक पायलट, कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक, पटना उच्च न्यायालय में पंजीकृत वरिष्ठ अधिवक्ता है, जो विषय वस्तु पर अपनी बात रखेंगे। मौके पर शंकर झा आजाद, धर्मेंद्र सिंह चौहान, विनोद सम्राट, उपनेश सिंह, सुजीत कुमार आदि मौजूद थे।

खिलाड़ी अपने परिवार, स्कूल राज्य और देश का नाम रोशन करते हैं: जिलाधिकारी

मुरादाबाद, (हि.स.)। क्रिप्टान पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ दो दिवसीय जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरुण कुमार दुबे, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, भाजपा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता रहीं। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि दो दिवसीय जिला योगासन खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे सभी प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाएं। पढ़ाई के साथ -साथ खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों का सभी को उत्साहवर्धन करना चाहिए। खिलाड़ी अपने माता-पिता, अपने स्कूल, अपने शहर के साथ अपने प्रदेश ओर अपने देश का नाम रोशन करते हैं। प्रतियोगिता में जिले के कुल 14 विद्यालयों के बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं, जिसमें सेंट मेरी सिविल लाइन, स्प्रिंग फील्ड, आएसडी एकेडमी, एस.एस चिल्ड्रन, ग्रीन मिडोज, क्रिप्टान पब्लिक स्कूल, पीएमएस, आर्यंस इंटरनेशनल, सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल, चमेरी विद्यालय डिलारी, सेंट मेरी भारत योग एकडमी, हिन्दू कालेज मुरादाबाद, जूनियर हाईस्कूल सिरसवां गौड़ भगतपुर टांडा शामिल रहे। वंदना पांडेय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर संरक्षक अनिल कुमार अग्रवाल, जिला ओलंपिक संघ के सचिव डा. अजय विक्रम पाठक, एसोसिएशन के जिला सचिव महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष खिलेन्द्र सिंह, केपीएस विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य डा. एस के सिंघल एवं प्रधानाचार्या माला पाठक, उपप्रधानाचार्या संगीता सिन्हा, एसोसिएशन के आब्जर्बर अमित गर्ग एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। साथ ही नगर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

जमीन घोटाला मामले में प्रेम प्रकाश ईडी के पांच दिनों की रिमांड पर

रांची, (हि.स.)। रांची जमीन घोटाले मामले में ईडी कोर्ट ने शुक्रवार को प्रेम प्रकाश को पांच दिनों की रिमांड की मंजूरी दी है। रिमांड अवधि 12 अगस्त से शुरू होगी। अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोप में जेल में बंद प्रेम प्रकाश को ईडी ने जमीन घोटाले मामले में रिमांड पर लिया है। प्रोडक्शन वारंट जारी होने के बाद शुक्रवार को ईडी ने प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में पेश किया गया। साथ ही ईडी की ओर से सात दिन की रिमांड की मांग की गई है। रिमांड पिटीशन पर सुनवाई करने के बाद ईडी कोर्ट ने पांच दिनों की रिमांड को मंजूरी प्रदान की है। इससे पूर्व चेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री फर्जी डीड के जरिए कराने के मामले में ईडी प्रेम प्रकाश को मास्टरमाइंड मानता है। अपनी जांच में ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में प्रेमप्रकाश की गिरफ्तारी के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। इसपर तीन दिनों तक बहस चली थी। बहस के बाद गुरुवार ईडी कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट जारी करने की अनुमति दी। इसी वारंट के आधार पर रांची जमीन घोटाले मामले में ईडी ने दोबारा प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि प्रेमप्रकाश को ईडी ने एक हजार करोड़ के अवैध खनन घोटाले मामले में करीब एक साल पूर्व गिरफ्तार किया था।

केंद्र सरकार का मीडिया पर कब्जा : नीतीश

पटना, (हि.स.)। शहीद दिवस पर शुक्रवार को 11 अगस्त, 1942 को आजादी के मतवाले सात अमर शहीद को सीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार का मीडिया पर कब्जा है। सब जगह घटनाएं घट रही हैं लेकिन उनका कोई बयान नहीं आता है। नीतीश ने कहा कि वे लोग अपने ढंग से जो अच्छा लगता है उसको बोलते हैं। उनको काम करना चाहिए लेकिन काम नहीं हो रहा है। हाऊस चलता है फिर भी वे लोग चुप रहते हैं। जब अटल बिहारी की सरकार थी तो हर बात का जवाब दिया जाता था। अब केवल एकतरफा बातें छपती हैं। इधर के लोग जो बोलते हैं उनकी बातों को नहीं छापा जाता है। अब उसे देखने की क्या जरूरत है। ऐसे भी हम टीवी देखना बहुत कम कर दिए हैं। सीएम ने कहा कि अपनी बात रखने का विपक्ष को अधिकार है। अब हमलोगों की तरफ बहुत पार्टियां आ गई हैं और एकजुट हो गई हैं। पटना से ही विपक्षी एकता की शुरूआत हुई है। हमलोग सभी पार्टियां मिलजुलकर तय करेंगे कि किस तरह से आगे देश का विकास करना है। इससे उन लोगों को परेशानी हो रही है। वर्ष 2024 में भाजपा बिहार से खत्म हो जाएगी पत्रकारों के इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हां, बिल्कुल। इसीलिए वे लोग घबराहट में हैं। हमलोगों की एकजुटता का नतीजा अच्छा निकलेगा। वे लोग केवल प्रचार-प्रसार करते हैं। बिहार में जो भी काम हुआ सब हमलोगों ने किया है। हमलोगों ने विशेष राज्य के दर्जे की मांग की लेकिन क्या हुआ ? यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाता तो हमलोग कितना आगे पहुंच जाते। वे लोग बिहार को भूल जाते हैं। यह सबसे पौराणिक स्थल है। इसके इतिहास को उठाकर देख लीजिए। नीतीश ने कहा कि जदयू के बारे में कुछ लोग बयान देते हैं कि वो तीसरे नंबर पर है लेकिन वर्ष 2005 में जब हमलोग चुनाव जीते तो हमलोग कितने नंबर पर थे, कितना वोट आया था हमलोगों को और भाजपा वालों को कितना वोट आया, देख लीजिए। वर्ष 2010 में क्या हुआ हमलोगों को 118 सीटें आईं और उन लोगों को कितनी सीटें आईं, हमसे कम सीटें आईं। इस बार के चुनाव में हमलोगों को हराने का काम किया गया। एजेंट के तौर पर अन्य लोगों को खड़ा कर हमलोगों को हराया गया। जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 के चुनाव के बाद हम मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे और हमने इसके लिए मना कर दिया था लेकिन वे लोग बोलने लगे तो हम उन लोगों की बात मान लिए। सीएम ने कहा कि वर्ष 2009 में हमलोग लोकसभा का चुनाव साथ लड़े थे। हमलोग 25 सीट पर लड़े तो उसमें 20 पर जीते और भाजपा वाले 15 पर लड़े तो 12 जीते, ये सब बातें वो लोग भूल रहे हैं। हर चीज वे लोग भूल रहे हैं। नीतीश ने कहा कि हमलोग काम करना जानते हैं और इन लोगों को सिर्फ बोलना है। वे लोग जो घोषणा किए थे उसमें एक भी पूरा नहीं किए। हम देश के हित में काम करते हैं और राज्य के हित में यहां काम करते हैं। सब लोगों को एकजुट होना चाहिए, यह देश के हित में है। कोई इतिहास न बदले। आजादी की लड़ाई को न भुला दें इसीलिए हमलोग सबको एकजुट करने का काम कर रहे हैं। जब चुनाव की सरगर्मी शुरू होगी तो और पार्टियां भी हमलोगों के साथ आ जाएंगी।

संपादकीय

भारत की हत्या संभव नहीं

प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए, क्योंकि वह मणिपुर को हिन्दुस्तान का हिस्सा नहीं मानते। उन्होंने मणिपुर को दो भागों में बांट दिया है। मणिपुर में भारत की हत्या कर दी है...भारत माता की हत्या की गई है...मेरी मां की हत्या की गई है, क्योंकि मणिपुर की सरजमीं ही मेरी मां है। यही भारत माता है। यही हिन्दुस्तान है, जिसे मारा जा रहा है। सत्ता-पक्ष की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा-ये देश के रखवाले नहीं, हत्यारे हैं। ये देशद्रोही हैं, देशभक्त और देशप्रेमी नहीं हैं। कांग्रेस सांसद का यह अत्यंत गंभीर आरोप था कि सरकार पूरे देश में केरोसिन (मिट्टी का तेल) फेंक रही है। फिर चिंगारी देकर आग लगा रही है। मणिपुर को जलाने के बाद इन्होंने हरियाणा में भी आग लगाई। ये पूरे देश को जला देना चाहते हैं।'' अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वक्तव्य का यह आक्रामक, आवेशी, अभूतपूर्व और एंग्री यंगमैन वाला अंदाज था। भाषण की शब्दावलि ऐसी नहीं थी कि वह संसद के सदन में बोली जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी उन्हें दो-तीन बार टोका कि सदस्य संयम से बोलें। भारत माता हम सब की मां है, लेकिन राहुल गांधी के आक्रोशी, तीखे तेवर बरकरार रहे। सांसदी बहाल होने के बाद यह उनका पहला वक्तव्य था। वह इस नाजुक मौके को भुना सकते थे। उन्होंने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया, जिसमें करीब 15 मिनट तक उनके तेवर बेहद आक्रामक रहे। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के कुछ संस्मरणों से वक्तव्य की शुरुआत की। बेहद संयत और शांत अंदाज में बोलते रहे। सदन को विश्वास दिलाया कि आज आप आराम से बैठें। वह ऐसा कुछ नहीं बोलेंगे, जो आपको चुभे। यह उनकी रणनीति हो सकती थी, क्योंकि वह अचानक मणिपुर पर आए। अपने प्रवास के दौरान जिन दो महिलाओं से मिले, उनकी पीड़ा, दुख, मुश्किलों के बारे में सदन को बताते रहे। अचानक आक्रामक हो गए। फिलहाल यह जानकारी नहीं मिल पाई कि राहुल गांधी के भाषण का कितना अंश 'रिकॉर्ड' से बाहर निकाल दिया गया है। राहुल ने संसद में भावुक और उत्तेजित भाषण दिया और अपने पक्षधर समर्थक-समूह को संबोधित कर संदेश दे दिया। दरअसल राहुल का भाषण लाक्षणिक भी था। जिस तरह भारत को एक 'आवाज' मानते हुए उन्होंने 'लक्षणा' शब्द-शक्ति का प्रयोग किया, उसी तरह उन्होंने मणिपुर को 'जीवंत प्राणी' माना, जिसकी हत्या की गई। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रही हैं और 2019 के आम चुनाव में वह विजयी रही थीं। राहुल अब केरल के वायनाड से सांसद हैं। भाजपा ने पलटवार के लिए स्मृति को ही उतारा। उन्होंने भी आक्रामक जवाब में हुंकार भरी कि भारत कभी भी खंडित नहीं किया जा सकता, लिहाजा उसकी हत्या का प्रश्न ही नहीं उठता। मणिपुर भारत का अभिन्न अंग है। हमारा भी यही मानना है कि भारत या भारत माता की हत्या असंभव है। राहुल कुछ और शब्दों का इस्तेमाल कर सकते थे। भारत माता तो अखंड, अजर, अमर, अविभाजित है। बहरहाल स्मृति ईरानी ने आपातकाल, सिख-विरोधी दंगों, कश्मीरी पंडित महिलाओं का सामूहिक बलात्कार और बर्बर हत्याएं, राजस्थान में 14 साल की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म के बाद उसे भ_ी में जला देने की दरिंदगी और बंगाल में औरतों के साथ अमानवीय अत्याचार आदि घटनाओं का जिक्र कर स्थापित करने की कोशिश की कि इतिहास खून से सना है, फिर भी भारत मां का अस्तित्व यथावत, जिंदा मौजूद है। बीते संपादकीय में हमने विश्लेषण किया था कि अविश्वास प्रस्ताव खासकर मणिपुर के हालात पर है, लेकिन 2024 के मद्देनजर सियासत ज्यादा खेली जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने घर, बिजली, गैस, पानी, शौचालय, मुफ्त अनाज, बैंक खातों में नकदी पैसा, किसान सम्मान राशि से लेकर दलित, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, नौजवानों तक मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के ब्योरे भी पेश किए। ये ब्योरे कमोबेश अविश्वास प्रस्ताव के दौरान अप्रासंगिक थे। अब अविश्वास प्रस्ताव के परिणाम पर नजर है।

कांग्रेस सांसद का यह अत्यंत गंभीर आरोप था कि सरकार पूरे देश में केरोसिन (मिट्टी का तेल) फेंक रही है। फिर चिंगारी देकर आग लगा रही है। मणिपुर को जलाने के बाद इन्होंने हरियाणा में भी आग लगाई। ये पूरे देश को जला देना चाहते हैं।'' अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वक्तव्य का यह आक्रामक, आवेशी, अभूतपूर्व और एंग्री यंगमैन वाला अंदाज था। भाषण की शब्दावलि ऐसी नहीं थी कि वह संसद के सदन में बोली जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी उन्हें दो-तीन बार टोका कि सदस्य संयम से बोलें। भारत माता हम सब की मां है, लेकिन राहुल गांधी के आक्रोशी, तीखे तेवर बरकरार रहे। सांसदी बहाल होने के बाद यह उनका पहला वक्तव्य था। वह इस नाजुक मौके को भुना सकते थे। उन्होंने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया, जिसमें करीब 15 मिनट तक उनके तेवर बेहद आक्रामक रहे। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के कुछ संस्मरणों से वक्तव्य की शुरुआत की। बेहद संयत और शांत अंदाज में बोलते रहे। सदन को विश्वास दिलाया कि आज आप आराम से बैठें।

कुछ अलग

सियासी खामियों के ढेर

हिमाचल में राजनीति हमेशा अस्थिर होकर अपना भविष्य खोजती रही है और यही इतिहास प्रदेश के नेतृत्व में बेडियां खोजता रहा है। हो सकता है छोटे प्रदेश की सियासी निशानियों में ऐसा स्वाभाविक दोष रहता है, फिर भी हिमाचल राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में फंसा नहीं। कम से कम इसका आकार, जनता का आधार और सामाजिक निगरानी की परंपराओं ने प्रदेश को अस्थिर राजनीति का शिकार नहीं होने दिया। बेशक सियासी नेतृत्व ने एक हद तक जिम्मेदारी ओढ़ी या लगातार प्रभुत्व में बने रहने के संस्कारों ने नेताओं के खास सरोकार पैदा किए, फिर भी पूरे प्रदेश की परिपाटी में कमोबेश हर सरकार में कुछ नेता नगीने, तो कुछ बेगाने हो जाते हैं। हमेशा सत्तारूढ़ दल की निगाहों में कुछ इलाके खास, तो कुछ आम भी नहीं रह पाते। दरअसल हर सत्ता के शीर्ष से दुआएं मांगती जनता जब फरमाबरदारी में विभक्त हो जाती है, तो उसका सबसे बड़ा आधार सरकार के भीतर चहेते विधायकों का राजपाठ होने लगा है। तमाम सत्ता के पद और सत्ता के लाभ जिस तरह अपने खास पसंद के लोगों में बंटते हैं या सियासी दोस्तियों में सरकारें चलने लगी हैं, उसके कारण खामियों की विरासत का भी ढेर लग जाता है। यह सत्ता और विपक्ष के बीच भी आपसी प्रहार का अवसर बन जाता है, जहां विरोध के लिए ऐसी खामियों के ढेर कुरेदे जाते हैं। विडंबना यह कि हर सरकार की खामियों का ढेर कांगड़ा की नसीहतों में पलने लगा है और हर बार का विपक्ष इसे कुरेदता है। कुछ इसी तरह वर्तमान सत्ता की सीढियों पर जहां कांग्रेस का सूरज चमक रहा है, वहीं कांगड़ा में सरकार की पैमाइश विपक्ष कर रहा है। इस बहाने कांगड़ा को तपाया जाने लगा है, फिर भी प्रश्न यह कि क्या इस भूगोल को तपाना इतना आसान है या यह भी कि हमेशा सरकार बनाने वाला यह इलाका अपने ही नेताओं की दुर्गति का मजाक देख कर संयम की राजनीति परोसता रहेगा। भाजपा की ओर से कांगड़ा की कमान थामे पूर्व मंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष रहे विपिन सिंह परमार, पार्टी के महामंत्री त्रिलोक कपूर व कांगड़ा के विधायक पवन काजल ने एक अभियान के तहत क्षेत्र की अनदेखियों को लेकर सीधा हमला बोला है। ये नेता कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र की संवेदना पर अगर सरकार से सवाल पूछ रहे हैं, तो यह आगामी चुनाव का मसाला व बहाना भी हो सकता है, लेकिन इस राजनीतिक गणना में कहीं सुरों का मसला तो कहीं लय का प्रश्न तो उठेगा ही। भाजपा के सवालों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, कांगड़ा से कम मंत्रियों की पड़ताल और धर्मशाला सचिवालय की अहमियत में आया रिसाव भी है, लेकिन यह रूठी घंटियों का ऐसा व्यवहार है जो हर सरकार में यहां के राजनीतिक किरदार को नीचा दिखाता है। बेशक पिछली सरकार में मंत्रियों की संख्या मात्रात्मक दृष्टि से बेहतर थी, लेकिन दिग्गज नेताओं से सरदारी छीनी जरूर गई थी। रमेश धवाला, किशन कपूर व विपिन सिंह परमार का मंत्री पद पर न होता, कुछ तो सालता रहा होगा। इस बार भी सुधीर शर्मा का मंत्रिमंडल में न होना, इज्जतबख्श फैसला कतई नहीं माना जाएगा। हो सकता है शिकवे हों, लेकिन क्षेत्रीय मलाल में अगर नेताओं की हैसियत व हसरत डूब जाए तो राजनीतिक पाप को पुण्य तो नहीं बताया जा सकता। कहना न होगा कि राजनीति की रिवायतों में अगर प्रदेश अपनी सत्ता की महत्त्वाकांक्षा में कांगड़ा के नेताओं को माइनस करके खुश है, तो भाजपा नेताओं की हलचल केवल कांग्रेस से ही नहीं पूछ रही, बल्कि सवाल तो भाजपा की सीढियों और पीढियों से भी हैं।

'अंतरिक्ष को ऐसे क्षेत्र में रूप में देखते हैं जिसमें भारत उनके परस्पर प्रतिद्वंद्वी चीन को बराबर की टक्कर दे सकता है'

भारत का चंद्रयान-3 मिशन रचेगा इतिहास

सुनील कुमार महला

यह संपूर्ण भारत देश और सभी भारतवासियों/भारतीयों के लिए बहुत ही गौरवान्वित करने वाली बात है कि विश्व के पावरफुल कहलाने वाले देश अमेरिका ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की सराहना की है। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में, अमेरिकी अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम की सराहना करते हुए यह बात कही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से स्टार्ट-अप विकसित हो रहे हैं और संकेत दे रहे हैं कि वह इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला सकता है। अखबार ने यहां तक कहा है कि अमेरिका और भारत दोनों 'अंतरिक्ष को ऐसे क्षेत्र में रूप में देखते हैं जिसमें भारत उनके परस्पर प्रतिद्वंद्वी चीन को बराबर की टक्कर दे सकता है।' बताता चलूं कि भारत ने वर्ष 1963 में अपना पहला राकेट अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया था। उस समय वह दुनिया की सबसे अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने वाला लेकिन विश्व का एक गरीब देश माना जाता था। जानकारी देना चाहूंगा कि इसरो वर्ष 1969 में स्थापित किया गया था। वास्तव में, इसरो देश के अंतरिक्ष अनुसंधान, विकास और उपग्रह कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार है। इसका मुख्यालय कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में स्थित है। इसरो उपग्रह संचार, रिमोट सेंसिंग, मौसम पूर्वानुमान और आपदा प्रबंधन में भी शामिल रहा है। इसरो की प्रमुख उपलब्धियों में चंद्रयान-1 व 2 का प्रक्षेपण, मार्श आर्बिटर मिशन, भारतीय क्षेत्रीय नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली, जीएसएलवीएमके आदि प्रमुख रहे हैं। आज भारत अंतरिक्ष की दौड़ में सोवियत रूस, अमेरिका, चीन, जर्मनी, फ्रांस, जापान जैसे देशों को एक बड़ी टक्कर दे रहा है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज शायद ही उसका कोई सानी है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय है कि अखबार ने 'विश्व के अंतरिक्ष व्यवसाय में आश्चर्यजनक प्रयासकर्ता' शीर्षक से छपे एक लेख में खुलासा करते हुए यह बात कही है कि भारत में कम से कम 140 (एक सौ चालीस) पंजीकृत अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप हैं जिसमें 'एक स्थानीय अनुसंधान क्षेत्र भी शामिल है और यह इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला सकता है।' आज भारत संपूर्ण विश्व में एक वैज्ञानिक शक्ति के केन्द्र में लगातार उभर रहा है। सच तो यह है कि भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों ने संपूर्ण विश्व को अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को लेकर लोहा मनवाया है, जिसके लिए इसरो शानदार बधाई का पात्र भी है। इसरो ने अपने शुरुआती दिनों में बहुत संघर्ष किया था और यह इसरो व इसके वैज्ञानिकों का ही संघर्ष है कि आज हमारा देश अंतरिक्ष कार्यक्रम के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में गिना जाता है। पाठकों को यह जानकर शायद आश्चर्य होगा कि भारत के पहले रॉकेट की लान्चिंग से

पहले, उसके कुछ हिस्सों को साइकिल पर ले जाया गया था। यह इसरो के वर्षों के लंबे सफर का ही नतीजा है कि आज इसरो चंद्रमा, और मंगल पर अपने रॉकेट लॉन्च कर रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि सबसे कम खर्च में भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है और विश्व को चौंकाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बहुत ही कम समय में बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे तथा अन्य जगहों पर समूहों में करीब 400 निजी कंपनियां बनाईं हैं और प्रत्येक कंपनी अंतरिक्ष के लिए विशेष स्क्रू, सीलेंट और अन्य उत्पाद बनाने के लिए समर्पित है। जानकारी देना चाहूंगा कि हैदराबाद स्थित स्काई रूट और ध्रुव स्पेस मिलकर भारत के आठ प्रतिशत अंतरिक्ष व्यवसाय में योगदान करतीं हैं। आज भारत के पास बहुतायत में किफायती इंजीनियर हैं, वैज्ञानिक हैं। यहां अपने पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अब भारत बहुत जल्द ही चांद पर उतरने वाली एक और शक्ति बनने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आने वाली 14 जुलाई 2023 को दोपहर बाद 2.35 बजे सतीश धवन केन्द्र श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) से चंद्रयान-3 मिशन के लिए प्रक्षेपण किया जाएगा। लॉन्चिंग के लिए जिस रॉकेट का इस्तेमाल किया जा रहा है, उसका नाम जीएसएलवी-एम के 3 रखा गया है। यह मिशन 75 करोड़ रुपए का है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो (इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन) के प्रमुख सोमनाथ ने बताया हैं कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत इसरो 23 या 24 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करने जा रहा है। ऐसे में भारत चीन जैसे देश को अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक बड़ी टक्कर देगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहले चन्द्र मिशन को 22 अक्टूबर 2008 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी सी-11 द्वारा लॉन्च किया गया था। इसे 8 नवंबर 2008 को चंद्रमा की ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया था और इसी मिशन के बाद दुनिया ने भारत का लोहा माना था। आज पूरी दुनिया की नजरें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम (चंद्रयान -3) पर टिकी हुई हैं। यदि भारत का यह प्रयास सफल रहता है तो भारत चांद पर उतरने में कामयाब होने वाली विश्व की चौथी बड़ी शक्ति हो जाएगा। यहां बताता चलूं कि रूस और चीन ने भी कम लागत में रॉकेट लॉन्च करने का ऑफर पेश किया था, लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण रूस का अंतरिक्ष कार्यक्रम ठप पड़ गया और इससे ब्रिटेन के वनवेब को भी 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ। इसके बाद वनवेब इसरो (इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन) के पास भेजा गया था। यहां जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सभी प्रकार के निजी उद्यमों को खोलने की घोषणा की थी और भारत ने पिछले साल अंतरिक्ष स्टार्टअप के नए निवेश में 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। अब भारत अपने चंद्रयान मिशन को अंजाम तक पहुंचाने जा रहा है। पाठकों बताता चलूं कि इससे पहले चंद्रयान-2 मिशन में आखिरी वक्त पर गड़बड़ी आ गई थी। वास्तव में, जब लैंडर विक्रम चंद्रमा की सतह तक पहुंचने से केवल 2.1 किलोमीटर की दूरी पर था, उसका संपर्क ग्राउंड स्टेशन या यूं कहें कि कंट्रोल रूम से उसका संपर्क टूट गया था, लेकिन इसरो के वैज्ञानिकों ने इस पर भी हिम्मत नहीं हारी और 'बार-बार कोशिश करो, एक दिन सफलता जरूर मिल जाएगी' का पालन करते हुए इस पर अथक काम किया। इसरो अब श्रीहरिकोटा से चंद्रयान- 3 का मिशन को लांच करने जा रहा है। वास्तव में, यह चंद्रयान-2 का ही फालोअप मिशन है। चंद्रयान-3 मिशन में लैंडर तथा रोवर को चंद्रकक्षा के सौ किलोमीटर दायरे तक ले जाया जाएगा। इसके साथ एक वैज्ञानिक उपकरण भी है जिसे लेंडर मॉड्यूल के अलग होने के बाद संचालित किया जाएगा। चंद्रयान-3 के लैंडर में चार पेलोड हैं, जबकि छह चक्कों वाले रोवर में दो पेलोड हैं। आपको बताता चलूं कि चंद्रयान के लैंडर का नाम विक्रम ही होगा, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है। इस रोवर का नाम प्रज्ञान होगा। चंद्रयान-3 मिशन सबसे अलग और अपने आप में सबसे खास और महत्वपूर्ण इसलिए है, क्यों कि अब तक दुनिया के जितने भी देशों ने अभी चंद्रमा पर अपने यान भेजे हैं, उन सभी की लैंडिंग चांद के उत्तरी ध्रुव पर हुई है, लेकिन चंद्रयान-3 चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरे वाला पहला अंतरिक्ष मिशन होगा। चांद के दक्षिणी ध्रुव को टारगेट करने के कारणों की अगर यहां बात करें तो इसके पीछे कारण यह है कि यहां उत्तरी ध्रुव के मुकाबले एक बड़ा छायादार क्षेत्र मौजूद है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की सतह के इस क्षेत्र में पानी के स्थायी स्रोत पाए जाने की संभावनाएं बहुत अधिक हैं।

इसरो उपग्रह संचार, रिमोट सेंसिंग, मौसम पूर्वानुमान और आपदा प्रबंधन में भी शामिल रहा है। इसरो की प्रमुख उपलब्धियों में चंद्रयान-1 व 2 का प्रक्षेपण, मार्श आर्बिटर मिशन, भारतीय क्षेत्रीय नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली, जीएसएलवीएमके आदि प्रमुख रहे हैं। आज भारत अंतरिक्ष की दौड़ में सोवियत रूस, अमेरिका, चीन, जर्मनी, फ्रांस, जापान जैसे देशों को एक बड़ी टक्कर दे रहा है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज शायद ही उसका कोई सानी है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय है कि अखबार ने 'विश्व के अंतरिक्ष व्यवसाय में आश्चर्यजनक प्रयासकर्ता' शीर्षक से छपे एक लेख में खुलासा करते हुए यह बात कही है कि भारत में कम से कम 140 (एक सौ चालीस) पंजीकृत अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप हैं जिसमें 'एक स्थानीय अनुसंधान क्षेत्र भी शामिल है और यह इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला सकता है।'

सिलिकॉन घाटी बैंगलुरु में बाढ़ की तबाही

जल निकासी मार्गों पर अनियोजित निर्माण की अनुमतियां शासन-प्रशासन द्वारा ही दी गई हैं। इसकी परिणति यह निकली कि 13 से 18 सेंटीमीटर की बारिश में ही बैंगलुरु तालाब की शक्ल में आ गया। इसके पहले यह संकट हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, इंदौर, भोपाल और गुरुग्राम में भी देख चुके है। उत्तराखंड की तबाही और कश्मीर में आई बाढ़ इसी औद्योगिक विकास का परिणाम रही है। अब बैंगलुरु के लोग सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि ओला जैसी सुविधा उपलब्ध कराने वाली कार कंपनियां नावों की सुविधा दें तो बहतर होगा। क्योंकि यहां की रिंग रोड पर बहते पानी में लोगों के प्राण बचाने के लिए नौकाओं और ट्रेक्टरों का उपयोग किया जा रहा है।

सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बैंगलुरु जैसा हाईटेक शहर बारिश एवं बाढ़ की चपेट में हैं। आफत की बारिश के चलते डूब में आने वाले इस शहर ने संकेत दिया है कि तकनीकि रूप से स्मार्ट सिटी बनाने से पहले शहरों में वर्षा जल के निकासी का समुचित ढांचा खड़ा करने की जरूरत है। लेकिन हमारे नीति नियंता हैं कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े संकेतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नतीजतन बैंगलुरु की सड़कों और गलियों में कारों की जगह नावें और ट्रेक्टरों से जान बचाने की नौबत आई हुई है। इस स्थिति ने प्रशासन की अकर्मण्यता और अदूरदर्शिता जताते हुए महानगरों के आवासीय नियोजन पर सवाल खड़े कर दिए है। जल निकासी मार्गों पर अनियोजित निर्माण की अनुमतियां शासन-प्रशासन द्वारा ही दी गई हैं। इसकी परिणति यह निकली कि 13 से 18 सेंटीमीटर की बारिश में ही बैंगलुरु तालाब की शक्ल में आ गया। इसके पहले यह संकट हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, इंदौर, भोपाल और गुरुग्राम में भी देख चुके है। उत्तराखंड की तबाही और कश्मीर में आई बाढ़ इसी औद्योगिक विकास का परिणाम रही है। अब बैंगलुरु के लोग सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि ओला जैसी सुविधा उपलब्ध कराने वाली कार कंपनियां नावों की सुविधा दें तो बहतर होगा। क्योंकि यहां की रिंग रोड पर बहते पानी में लोगों के प्राण बचाने के लिए नौकाओं और ट्रेक्टरों का उपयोग किया जा रहा है। स्कूल बंद कर दिए गए हैं और सॉफ्टवेयर कंपनियों ने कर्मचारियों को घर से ऑनलाइन काम करने की मंजूरी दे दी है। बैंगलुरु मानसूनी बारिश की सबसे ज्यादा चपेट में है। वर्तमान मुसीबत का वजह कम समय में ज्यादा बारिश होना तो है ही, जल निकासी के इंतजाम नाकाफी होना भी है। दरअसल औद्योगिक और प्रौद्योगिक विकास के चलते शहरों के नक्षे निरंतर बढ़े हो रहे हैं। बैंगलुरु की सिलिकॉन सिटी तो भूमंडलीकरण के दौर में ही एक मामूली गांव से महानगर के रूप में विकसित हुई है। इस विकासक्रम में गांव से शहर बनते सिलिकॉन के नदी-नाले और ताल-तलैयों को समतल कर सीमेंट-कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए। अनियोजित शहरीकरण में बरसाती पानी के निकासी के रास्तों का ख्याल ही नहीं रखा गया। यही कारण है कि बैंगलुरु में गगनचुंबी इमारतें और मोबाइल टावर तो दिखाई देते हैं, लेकिन धरती पर कहीं ताल-तलैया और नाले दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह रही कि औसत से महज 259 मिलीमीटर बारिश ज्यादा होने से यह औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक स्मार्ट शहर 2 से लेकर 4 फीट तक पानी में डूब गया। मिलेनियम सिटी के नाम से विख्यात बैंगलुरु में वह टेक्नोलॉजी तत्काल कोई काम नहीं आई, जिसे वाई-फाई जोन के रूप में विकसित किया गया था। साफ है, शहरों की बुनियादी समस्याओं का हल महज तकनीक से निकलने वाले नहीं हैं। इसके सामाधान शहर बसाते समय पानी निकासी के प्रबंध करने से ही निकलेंगे। भारी बारिश के सिलसिले में मौसम विभाग का कर्त है कि समुद्र की सतह से कुछ किमी की ऊंचाई पर ऐसे सघन बादल बने जो अतिवृष्टि का कारण बन गए। यह स्थिति गर्म हवाओं के झुकाव और इन्हीं के निकट जलभराव के कारण बादलों के निर्माण की प्रक्रिया में मदद करती है। नतीजतन भारी बारिश की संभावना बढ़ जाती है। यही हश्र साइबर सिटी बैंगलुरु को पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण झेलना पड़ा है। नतीजतन यहां हालात इतने बद्तर हो गए कि सुरक्षा दलों को सड़कों व गलियों में नावें चलाकर लोगों के प्राण बचाने पड़े हैं। यहां बाढ़ इतनी थी कि कई लोगों ने भोजन के लिए जाल बिछाकर मछलियां तक पकड़ने का काम किया। दरअसल ऊंचाई पर बसा बैंगलुरु तीस साल पहले तक तालाबों का शहर हुआ करता था। लेकिन आज तालाबों को कूड़े-कचरे से भरकर बहुमंजिला इमारतों की बस्तियां तो बना दी गईं, लेकिन जल निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। एक तरह से कहा जा सकता है कि तालाबों को आईटी पार्कों में बदलने का जो काम नौकरशाहों और बिल्डरों के गठजोड़ ने किया है, उसका बदला प्रकृति ले रही है। आफत की यह बारिश इस बात की चेतावनी है कि हमारे नीति-नियंता, देश और समाज के जागरूक प्रतिनिधि के रूप में दूरदृष्टि से काम नहीं ले रहे हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मसलों के परिप्रेक्ष्य में चिंतित नहीं हैं। 2008 में जलवायु परिवर्तन के अंतरसकारी समूह ने रिपोर्ट दी थी कि घरती पर बढ़ रहे तापमान के चलते भारत ही नहीं दुनिया में वर्षा चक्र में बदलाव आने वाले हैं। इसका सबसे ज्यादा असर महानगरों पर पड़ेगा। इस लिहाज से शहरों में जल-प्रबंधन व निकासी के असरकारी उपायों की जरूरत है। इस रिपोर्ट के मिलने के तत्काल बाद केंद्र की तत्कालीन संप्रग सरकार ने राज्य स्तर पर पर्यावरण संरक्षण परियोजनाएं तैयार करने की हिदायत दी थी। लेकिन देश के किसी भी राज्य ने इस अहम्सलाह पर आज तक गौर नहीं किया। इसी का नतीजा है कि हम जल त्रासदियां भुगतने को विवश हो रहे हैं। यही नहीं शहरीकरण पर अंकुश लगाने की बजाय, ऐसे उपायों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे उत्तरोत्तर शहरों की आबादी बढ़ती रहे।

दृष्टिकोण

गुणीजनों का गुण है चापलूसी

चमचागिरी का गुण आज की आवश्यकता बन गया है। मैं खुद इस गुण को मुफीद मानता हूं, लेकिन पता नहीं क्यों अभी तक चमचा बन नहीं पा रहा हूं। दफ्तर में पूरा काम समय पर करने के बावजूद मुझे अफसर व्हाइट एलीफैंट मानता है। जबकि सच यह है कि सफेद हाथी वह स्वयं है। सारे दिन स्टेनो से बतियाना और उसके साथ कॉफी-चाय पीने के अलावा वह करता ही क्या है? हमेशा गोपनीय रिपोर्ट खराब जाने से मेरे प्रमोशंस भी ठण्ड में लगा दिये गये हैं। जबकि जो काम के अलावा और सब कुछ करते हैं, उनके धड़ाधड़ प्रमोशन हो रहे हैं। हालांकि वह भली प्रकार से जानता है कि मैं काम का आदमी हूं, इसीलिए तो वह मेरा ट्रांसफर नहीं करवाता।

परन्तु मेरी आदत चमचागिरी की नहीं होने के कारण मैं निरंतर पिछड़ रहा हूं। दरअसल वो चापलूसों और चापलूसी को पसंद करता है। वो हमेशा सर आप कितने काइंड नेचर के हैं, आप सबका ध्यान रखते हैं, आपके बच्चे की फीस जमा करा आऊं, आप कहें तो घर सब्जी-फल रख आऊं, सर आपका जैसा इनसान आज के जमाने में मिलना कठिन है, सर आपने कभी किसी का बुरा नहीं किया जैसे जुमले रात-दिन सुनना चाहता है। मुफीद मानने के बावजूद मैं चमचागिरी को नहीं अपना सका, इसका मुझे खेद तो है लेकिन खुद्दारी के अपने मजे हैं, जिसके मद में चूर मैं अपने आपको सबसे अलग कर लेता हूं।

मोहल्ले की विकास समिति के अध्यक्ष कई बार मुझसे कह चुके हैं कि मैं उनसे मिला करूं। एक बार तो उन्होंने साफ तौर पर मुझसे कहा भी कि यार पता नहीं तुम किस मिट्टी के बने हो। अपने आपको अफलातून समझते हो। इसका प्रचार उन्होंने पूरे मोहल्ले में कर दिया है, जिससे मैं वहां भी अलोकप्रिय हो गया हूं। मोहल्ले वाले मुझे घमण्डी कहते हैं। जबकि मैं न किसी को अदाता हूं, न सताता हूं, लेकिन मेरी जान के दुश्मन बन गये हैं लोग। चमचागिरी में एक तरह अपने आपको गिराना होता है, जो मैं नहीं कर पाता हूं।

पत्नी भी मेरे स्वभाव को लेकर कहती रहती है कि मोहल्ले में बनाकर रखो। सभी से मिलो-जुलो, हमारे काम कैसे होंगे। मेरी पत्नी से मोहल्ले की औरतें कहती रहती हैं कि आपके 'वो' तो अलग ही हैं, पता नहीं आपकी (पत्नी की) उनसे कैसे पटती होगी। थोड़ा लिखने-पढने का शौक है तो लेखक भी खिंचे-खिंचे रहते हैं। वे एक-दूसरे से मेरे गर्वोन्मत्त होने की बात करते हैं। किसी सभा-संगोष्ठी, लोकार्पण, सम्मान समारोह में न जाने से अब लोगों ने आमंत्रण देना ही बंद कर दिया है। राज्य अकादमी मुझसे जूनियर्स का सम्मान इसी चापलूसी निपुणता गुण के कारण कर चुकी है, लेकिन मेरा हमेशा अपमान ही होता है। सम्पादकों में भी मैं आलोकप्रिय हूं। उनका कहना है कि न मिलना न जुलना, फिर रचनाओं का प्रकाशन किस आधार पर करें।

सच कहूं तो चमचागिरी के गुण के अभाव के कारण मेरा हर क्षेत्र में नुकसान हो रहा है, लेकिन मैं कोशिशों के बावजूद भी अपना मूल स्वभाव नहीं बदल पा रहा हूं। इसके अभाव में यों कहा जा सकता है कि मैं असामाजिक प्राणि होकर रह गया हूं। मुझे कोई घास नहीं डालता, लेकिन मैंने पता नहीं कौनसे जीवन मूल्यों को चुन लिया है, जिससे नुकसान ही नुकसान हो रहा है।

मेरे घर कोई आता नहीं और मैं किसी के घर जाता नहीं, अब आप ही बताइये इससे गुजारा होगा कैसे? काश, मैं भी चापलूस बन पाता, कई बार सोचता हूं। आज के युग में बिना चमचागिरी के कहीं दाल नहीं गलती। इसलिए ज्यादातर लोगों ने अपने तमाम स्वार्थ पूरे करने का साधन बना लिया है। चापलूसी की माया अद्भुत और अपरम्पार है। इसलिए इसे तत्काल अपनाइये और अपना जीवन सुखी बनाइये। आजकल चापलूसी गुणीजनों का गुण है।

देश दुनीया से

गृह मंत्रालय के सीधे हस्तक्षेप से ही सामने आएगा मणिपुर हिंसा का सच

केंद्र सरकार को मणिपुर में हिंसा भड़काने के मामले में चीन पर अंकुश लगाने के लिए एक नई रणनीति बनानी होगी। दरअसल पूर्व सैन्य प्रमुख एमएम नरवाणे ने खुलासा किया है कि मणिपुर में हिंसा भड़काने के लिए विभिन्न विद्रोही गुटों की सहायता करने में चीन की भागीदारी की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। मणिपुर म्यांमार के साथ 400 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जो राजनीतिक उथल-पुथल की चपेट में है, इसलिए हथियार एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए वहां से संचालित विद्रोही गुटों का झुकाव चीन की तरफ है। आतंकी समूहों को तस्करी के जरिये हथियार मुहैया कराने का चीन का इतिहास रहा है, जिसके बारे में सैन्य जनरलों ने चार साल पहले कहा था। विश्लेषकों का कहना है कि गृह मंत्रालय को मणिपुर की स्थिति संभालने के लिए सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए और पूर्व सैन्य प्रमुख ने जिस तरह से इसके पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जताई है, उसकी जांच करनी चाहिए। उनकी आशंका को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता के अलावा उनका कोई निहित स्वार्थ नहीं हो सकता। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने भी सीमा पार से शत्रुओं के घुसपैठ की आशंका जताई है। ध्यान रखना चाहिए कि म्यांमार से घुसपैठियों के प्रवेश को विपक्ष हमारे सुरक्षा बलों की विफलता बता रहा है। भारत को चीन की संदिग्ध भूमिका की जांच अवश्य करनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्व सेना प्रमुख के पास म्यांमार से संचालित होने वाले विद्रोही समूहों के माध्यम से चीनी सहायता के बारे में कुछ सुराग हो सकते हैं। चीन हमेशा शांतिपूर्ण सीमावर्ती राज्यों, जैसे-मणिपुर, अरुणाचल आदि को अस्थिर करने का प्रयास करेगा, जो रणनीतिक रूप से उसके लिए उपयुक्त है। यहां तक कि म्यांमार की सेना ने भी चीन पर आतंकी समूहों की मदद करने का आरोप लगाया है। म्यांमार के सैन्य जनरलों ने अराकन आर्मी (एए) और अराकन रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) जैसे आतंकवादी संगठनों को आपूर्ति किए जा रहे हथियारों के बारे में म्यांमार की चिंताओं को उजागर किया था, जो चीन की सीमा से लगे पश्चिमी म्यांमार के रखाइन प्रांत में सक्रिय थे। सैन्य अधिकारियों ने चीन निर्मित हथियारों का हवाला दिया था, जिनका इस्तेमाल आतंकवादी समूहों ने 2019 में सेना पर किए गए बारूदी हमलों में किया था। इस पृष्ठभूमि में चीन म्यांमार में सैन्य शासन के तहत दबाव महसूस करने वाले विद्रोहियों का समर्थन करने के लिए म्यांमार सीमा का उपयोग करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगा। चूंकि दुनिया का ध्यान अभी यूक्रेन युद्ध की तरफ है, इसलिए म्यांमार का सैन्य शासन आंग सान सू की के नेतृत्व वाले लोकतांत्रिक ताकतों पर ज्यादती कर रहा है और भारत तटस्थ रुख अपनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जो महंगा साबित हो रहा है, क्योंकि म्यांमार की सेना और आम लोगों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि म्यांमार के सैन्य जनरलों को सत्ता से चिपके रहने से मतलब है, इसलिए उन्हें घुसपैठ और मणिपुर के हिंसक विद्रोही गुटों को सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति की कोई चिंता नहीं है। मणिपुर में लगातार गृहयुद्ध जैसी स्थिति पड़ोसी राज्यों में भी 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित कर सकती है, जहां भाजपा का वर्चस्व है। इस वर्ष के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होंगे, जो 2024 में केंद्र में सत्ता में बने रहने की खातिर भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। मणिपुर में शांति की स्थापना भाजपा के लिए अनिवार्य है, क्योंकि वहां की सरकार को 'डबल इंजन' की सरकार कहा जाता है।

मणिपुर म्यांमार के साथ 400 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जो राजनीतिक उथल-पुथल की चपेट में है, इसलिए हथियार एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए वहां से संचालित विद्रोही गुटों का झुकाव चीन की तरफ है। आतंकी समूहों को तस्करी के जरिये हथियार मुहैया कराने का चीन का इतिहास रहा है, जिसके बारे में सैन्य जनरलों ने चार साल पहले कहा था। विश्लेषकों का कहना है कि गृह मंत्रालय को मणिपुर की स्थिति संभालने के लिए सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए और पूर्व सैन्य प्रमुख ने जिस तरह से इसके पीछे विदेशी हाथ होने की आशंका जताई है, उसकी जांच करनी चाहिए।

ईरान 49 हजार करोड़ के बदले छोड़ेगा 5 अमेरिकी कैदी : जेल से निकालकर हाउस अरेस्ट में रखे गए; कतर कराएगा फंड्स की डील

तेहरान।
ईरान की कैद से अपने 5 नागरिकों को छुड़वाने के बदले अमेरिका ने एक डील की है। इसके तहत अमेरिका अपने नागरिकों के बदले साउथ कोरिया में सीज किए गए ईरान के 49 हजार करोड़ रुपए रिलीज करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस डील के तहत ईरान ने अपनी कुख्यात एविन जेल से अमेरिकियों को निकाल दिया है और उन्हें एक होटल में शिफ्ट किया गया है। ईरान में अमेरिकी-ईरान मूल के लोगों की हिरासत का मुद्दा काफी सालों से दोनों देशों के बीच विवाद की वजह बना हुआ था। ईरान में कैद किए गए अमेरिकियों के परिवार के लोग काफी समय से बाइडेन सरकार पर उन्हें छुड़वाने के लिए दबाव बना रहे थे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही ईरान उन्हें अमेरिका को सौंप सकता है। फिलहाल उन्हें 24 घंटे की कैद में रखा गया है।

कतर के जरिए ईरान को दिए जाएंगे 49 हजार करोड़ – रिपोर्ट के मुताबिक 49 हजार करोड़ रुपए सीधे ईरान को नहीं दिए जाएंगे। उन्हें कतर के सेंट्रल बैंक में ट्रांसफर किया जाएगा। इसमें काफी हफ्तों का समय लग सकता है। अमेरिकी पाबंदियों से जूझ रही ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए 49 हजार करोड़ रुपए के फंड का रिलीज होना बड़ी राहत होगी। ईरान के 41 लाख करोड़ रुपए का फंड अमेरिकी पाबंदियों के चलते दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रुका हुआ है। वहीं, अमेरिका ने इस डील पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि ये ईरान में कैद लोगों के परिवार वालों के लिए कोई बुरा सपना खत्म होने जैसा है। उन्होंने ये भी कहा है कि अमेरिकी लोगों को पूरी तरह से रिहा किया जाना चाहिए। ईरान ने इन्हें गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया था। इस डील के तहत अमेरिका भी उनकी जेल में बंद कुछ ईरानी कैदियों को छोड़ सकता है।

क्या है वो न्यूक्लियर डील जिसके रद्द होने से ईरान पर लगी अमेरिकी पाबंदियां – 2015 में ईरान ने चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन, जर्मनी और अमेरिका के साथ एक परमाणु समझौता किया। ये समझौता इसलिए हुआ क्योंकि पश्चिम देशों को डर था कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है या फिर वो ऐसा देश बन सकता है जिसके पास परमाणु हथियार भले ही ना हों, लेकिन उन्हें बनाने की सारी क्षमताएं हों और कभी भी उनका इस्तेमाल कर सके। ईरान के साथ परमाणु समझौता कर न्यूक्लियर कैपिसिटी बढ़ाने के उसके शोध कार्यक्रम को काफी नियंत्रित किया गया। ईरान को परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर जोर देने वाली अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के जरिए अंतरराष्ट्रीय निगरानी में लाया गया। इसके बदले परमाणु कार्यक्रम के चलते ईरान के पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाए गए। हालांकि, 8 मई 2018 को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका को ईरान न्यूक्लियर डील समझौते से बाहर कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका से 60 चिनूक खरीदेगा जर्मनी: मिलिट्री हेलिकॉप्टर बेड़े वाला नाटो का दूसरा सबसे पावरफुल देश होगा, 72.75 हजार करोड़ में डील

वॉशिंगटन। जर्मनी के पास नाटो का दूसरा सबसे बड़ा मिलिट्री हेलिकॉप्टर बेड़ा होगा। पिछले महीने जर्मनी ने

दुनिया के सबसे तेज 60 चिनूक हेलिकॉप्टर खरीदने की घोषणा की थी। जर्मनी के एयरफोर्स चीफ इंगो गेरहार्ट्ज ने बताया कि वो 72.75 हजार करोड़ में बोइंग कंपनी से ये हेलिकॉप्टर खरीद रहे हैं। इससे अमेरिका के बाद जर्मनी नाटो का सबसे ज्यादा मिलिट्री हेलिकॉप्टर रखने वाला देश बन जाएगा। इनमें से 50 हेलिकॉप्टर ईस्ट जर्मनी के होल्जडॉर्फ साइट पर तैनात रहेंगे। यहां 1 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों की नियुक्ति भी की जाएगी। गेरहार्ट्ज ने बताया- शोएनेवाल्डे साइट एयरफोर्स, पूरे बुंडेसवेहर आर्म्ड फोर्स और जर्मनी की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फिलहाल ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स दूसरी सबसे बड़ी चिनूक ऑपरेटर है, लेकिन जल्द ही उसके बेड़े में एयरफ्रेम्स की संख्या 60 से घटकर 51 होने वाली है। वहीं साउथ कोरिया तीसरा सबसे बड़ा ऑपरेटर है। उसके पास 43 एयरक्राफ्ट हैं। अमेरिका के पास सबसे ज्यादा चिनूक हेलिकॉप्टर हैं, इनकी संख्या 400 है। साथ ही वो नाटो देशों में सबसे ज्यादा मिलिट्री हेलिकॉप्टर वाला देश है। 2027 के बाद ब्लॉक-आई चिनूक हेलिकॉप्टर की मैन्यूफैक्चरिंग रुकने वाली है। हालांकि, एच-47 ब्लॉक प्रोग्राम के जरिए चिनूक को अपग्रेड करने का काम जारी रहेगा। पिछले साल अगस्त में अमेरिकी आर्मी ने अपनी सीएच-47 चिनूक हेलिकॉप्टर्स की पूरी फ्लीट के उड़ान भरने पर रोक लगा दी थी। अमेरिकी आर्मी ने बताया था कि कुछ चिनूक हेलिकॉप्टर्स में फ्यूल लीक की वजह से आग लगने के मामले सामने आए थे। इसके बाद यह कदम उठाया गया था।

बंदूकधारियों ने सीरियाई सैनिकों को ले जा रही एक बस पर घात लगाकर किया हमला, 20 की मौत, कई अन्य घायल

बेरूत। विपक्षी कार्यकर्ताओं ने कहा कि तड़के बंदूकधारियों ने देश के पूर्वी हिस्से में सीरियाई सैनिकों को ले जा रही एक बस पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। ऐसा माना जाता है कि यह हमला इस्लामिक स्टेट समूह के सदस्यों द्वारा किया गया है। सीरिया के कुछ हिस्सों में आईएस स्लीपर सेल 2019 में अपनी हार के बावजूद अभी भी घातक हमले कर रहे हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इराक की सीमा से लगे डेर अल-जौर प्रांत के पूर्वी शहर मयादीन के पास एक रेगिस्तानी सड़क पर हुए हमले में 23 सीरियाई सैनिक मारे गए और 10 घायल हो गए। वहीं, पूर्वी सीरिया में समाचार कवर करने वाले एक अन्य कार्यकर्ता समूह ने कहा कि 20 सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमले पर सीरियाई सेना या सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। आईएस ने पहले सीरिया और इराक के बड़े हिस्से को नियंत्रित किया था, जहां उन्होंने जून 2014 में खिलाफत की घोषणा की थी। इसके बाद सालों से वे अपनी जमीन खोते गए और 2017 में इराक में और दो साल बाद सीरिया में हार गए। एक साल में अपने सबसे घातक हमलों में से एक में, आईएस के स्लीपर सेल ने फरवरी में केंद्रीय शहर सुखना के पास ट्रफल इकट्ठा करने वाले श्रमिकों पर हमला किया था। इस हमले में कम से कम 53 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर श्रमिक लेकिन कुछ सीरियाई सरकारी सुरक्षा बल के लोग भी शामिल थे। जिहादी समूहों पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या हमलों का नया दौर सीरिया और इराक में लाखों लोगों पर आतंक के साथ शासन करने वाले चरमपंथियों के एक नए पुनरुत्थान का प्रतीक है।

सिख कर्मी को पुलिस ने दाढ़ी रखने से रोका था, भारतीय दूतावास ने बाइडन सरकार के सामने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक सिख पुलिसकर्मी को दाढ़ी रखने से रोकने पर विवाद हो गया

है। जिस पर वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने आपत्ति जताई है। अमेरिका के सांसदों ने भी इस घटना पर चिंता जाहिर की है और इसे धार्मिक भेदभाव करार दिया है। बता दें कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के कर्मी चरणजोत तिवाना ने बीते साल मार्च में अपनी शादी के लिए दाढ़ी बढ़ाने की मांग की थी। हालांकि विभाग ने उसकी इस मांग को यह कहकर खारिज कर दिया था कि दाढ़ी बढ़ाने से गैस मास्क लगाने के दौरान उसकी सुरक्षा से समझौता हो सकता है। इस पर भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने इस मामले को न्यूयॉर्क स्टेट गवर्नर के सामने उठाया। वहीं भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने इस मामले को बाइडन सरकार के शीर्ष स्तर के अधिकारियों के सामने उठाया है। मामला बढ़ने पर न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस और गवर्नर ऑफिस ने बयान जारी कर कहा कि वह इस मामले पर काम कर रहे हैं।

इमरान सरकार गिराने में यूएस का हाथ होने का दावा

लीक डॉक्यूमेंट के मुताबिक- खान के रूस दौरे से नाराज थी बाइडेन सरकार

वॉशिंगटन।
एक अमेरिकी मीडिया हाउस ने लीक डॉक्यूमेंट के हवाले से दावा किया है कि अप्रैल 2022 में इमरान खान की सरकार अमेरिकी दबाव के चलते गिराई गई थी। इमरान खुद भी सरकार गिरने के बाद कई रैलियों में यह आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी सरकार को अमेरिका के इशारे पर पाकिस्तान की फौज ने गिराया था। हालांकि, वो खुद अब इस आरोप को वापस ले चुके हैं। दावा किया है कि पिछले साल इमरान सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव या नो कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया था, उसके पीछे जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की नाराजगी थी। इस नाराजगी की वजह खान का मॉस्को दौरा बताया गया है, जो उन्होंने 24 फरवरी 2022 को किया था। इसी दिन रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था और यह जंग आज भी जारी है। इमरान इस वक्त जेल में हैं और पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस मामले में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

पाकिस्तान के ऐंबैस्डर से मिले थे दो अमेरिकी अफसर – इस मामले की तह तक जाने के लिए सबसे पहले 'साइफर गेट' स्कैंडल को समझना होगा। दरअसल, कुर्सी गंवाने के बाद इमरान हर रैली में एक कागज लहराते थे। उनका आरोप था कि इस कागज में अमेरिकी साजिश का जिक्र है। खान के मुताबिक-यह लेटर या कागज उन्हें अमेरिका में पोस्टेड पाकिस्तानी ऐंबैस्डर असद मजीद खान ने भेजा था। इसमें कहा गया था कि अमेरिकी सरकार इमरान खान से सख्त नाराज है, क्योंकि उन्होंने सस्ता क्रूड ऑयल खरीदने के लिए रूस जाकर प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की थी। अब साइफर को भी समझ लीजिए। दरअसल, किसी देश में मौजूद ऐंबैस्डर जब अपने देश को कोई सीक्रेट लेटर लिखता है तो उसे डिप्लोमैटिक नोट या साइफर कहा जाता है। आमतौर पर इसका रंग पिंक यानी गुलाबी होता है। खास बात ये भी है कि यह नेशनल सीक्रेट होता है और इसे किसी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर न तो दिखाया जा सकता और न इसके कंटेंट का जिक्र किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक 7 मार्च 2022 को अमेरिकी अफसरों ने वॉशिंगटन में उस वक्त के पाकिस्तानी ऐंबैस्डर असद मजीद खान से मुलाकात की थी। इनमें से एक डोनाल्ड लू थे। इमरान भी कई बार लू का नाम ले चुके हैं।

बीजिंग में की थी रूस दौरे की प्लानिंग – इंटरसेप्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उसे यह कथित साइफर पाकिस्तानी फौज में अपने एक सोर्स से हासिल हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड लू ने पाकिस्तानी ऐंबैस्डर से कहा था कि अमेरिका और यूरोप के लोग यूक्रेन पर पाकिस्तानी रवैये से नाराज हैं। वो इस मामले पर न्यूट्रल कैसे रह सकता है। अगर इमरान के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन कामयाब हो जाता है तो अमेरिका पाकिस्तान को माफ कर सकता है। अमेरिका यह मानता है कि इमरान ने रूस का दौरा अपनी जिद की वजह से किया था। रिपोर्ट के मुताबिक लू ने पाकिस्तानी ऐंबैस्डर से ये भी कहा था कि इमरान के रूस दौरे की प्लानिंग बीजिंग ओलिंपिक के दौरान हुई थी। इमरान की जब बीजिंग में पुतिन से मुलाकात नहीं हो सकी तो उन्होंने मॉस्को जाकर रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात का फैसला किया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तानी ऐंबैस्डर ने डोनाल्ड लू को बताया था कि इमरान तो कई साल से रूस दौरे की प्लानिंग कर रहे थे और यूक्रेन पर हमले से इसका कोई ताल्लुक नहीं है। अमेरिका की इमरान के बारे में सोच गलत है और यह एक तरह से पाकिस्तान की सियासत में दखलंदाजी की कोशिश है।

अब इमरान का पक्ष जानिए – इमरान ने पिछले महीने रूस दौरे और इसके बाद अपनी सरकार गिरने से जुड़े सवाल का जवाब दिया था। खान ने कहा था- जब मैं रूस से पाकिस्तान लौटा तो उस वक्त के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा मेरे पास आए। उन्होंने मुझसे कहा कि आप यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करें और उसे गलत ठहराएं। मैंने बाजवा से कहा कि पाकिस्तान को किसी का फेवर नहीं करना चाहिए। हम न्यूट्रल रहेंगे। सरकार गिरने के बाद भी इमरान ने कई रैलियों में साइफर लहराया और कहा- जनरल बाजवा ने अमेरिका से मिलकर साजिश रची और मेरी सरकार गिरा दी। अवाम बताए कि क्या हम किसी के गुलाम या नौकर हैं पाकिस्तान आजाद मुल्क है और आजाद ही रहेगा। उनसे सरकार गिराने में अमेरिकी साजिश के बारे में सवाल हुआ। इस पर खान ने पुराने बयान से पलटी मारी और कहा- वो बात पुरानी हो चुकी है। मैं उसे भूल चुका हूं और आप भी भूल जाइए। अब अमेरिका को पाकिस्तान में डेमोक्रेसी की बहाली के लिए हमारी मदद करनी चाहिए। मेरी पार्टी के नेता अमेरिकी सांसदों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। इमरान जब प्रधानमंत्री थे, तब आजम खान उनके प्रिंसिपल या चीफ सेक्रेटरी थे। पिछले दिनों आजम ने एक बयान जारी किया था। इसमें कहा- खान का यह दावा झूठा और मुल्क के खिलाफ साजिश है कि उनकी सरकार को अमेरिका ने गिराया था। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट रिजवान रजी ने कुछ महीने पहले एक आर्टिकल लिखा था। रजी के मुताबिक साइफर झूठ के सिवाय कुछ नहीं था।

रूस ने 47 साल बाद लॉन्च किया मून मिशन

चांद पर पानी खोजने की होड़; चंद्रयान-3 से 2 दिन पहले उतर सकता है लूना-25

मॉस्को।
रूस ने 47 साल बाद चांद पर अपना मिशन लूना-25 लॉन्च कर दिया है। ये चांद के साउथ पोल पर उतरेगा। इस मिशन का मकसद चंद्रमा पर पानी की खोज करना है। 1976 के बाद रूस ने अब मून पर यान भेजा है। इसे अमूर ओब्लास्ट के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया। यह जगह मॉस्को से करीब 5,550 किमी ईस्ट में है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के मुताबिक, लूना-25 चांद की ओर निकल चुका है। ये 5 दिन तक चांद की तरफ बढ़ता रहेगा। इसके बाद यह उसकी ऑर्बिट में 7-10 दिन चक्कर लगाएगा। 21 या 22 अगस्त को लूना-25 चांद की सतह पर उतर सकता है। वहीं, भारत ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 लॉन्च किया था, जो 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा। लूना- 25, चांद की मिट्टी के नमूने लेगा और उसका एनालिसिस करेगा लूना- 25 में लैंडर हैं। चार पैरों वाला लैंडर 800 किलोग्राम का है। लूना-25 सॉफ्ट लैंडिंग की प्रैक्टिस करेगा। यह चांद की मिट्टी के नमूने लेने और उनका एनालिसिस करने का काम करेगा। साथ ही लंबे समय तक चलने वाले रिसर्च करेगा। यान को सोयुज 2.1बी रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। यह रॉकेट करीब 46.3 मीटर लंबा है। इसका डायमीटर 10.3 मीटर है। इसका वजन 313 टन है। चार स्टेज के इस रॉकेट ने लूना-25 लैंडर को धरती के बाहर एक गोलाकार ऑर्बिट में छोड़ दिया है।

पहली बार चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग होगी

रूस इससे पहले 1976 में चांद पर मिशन लूना-24 उतार चुका है। अभी तक जितने भी मून मिशन हुए हैं वो चांद के इक्वेटर पर पहुंचे हैं, यह पहली बार होगा कि कोई मिशन चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग करेगा। 2018 में कहा था कि चांद के साउथ पोल पर पानी है। रोस्कोस्मोस ने बताया कि इस मिशन का मकसद सॉफ्ट-लैंडिंग टेक्नोलॉजी को डेवलप करना है। साथ ही चंद्रमा की आंतरिक संरचना पर रिसर्च करना और पानी समेत दूसरी जरूरी चीजों की खोज करना है।

हवाई के जंगलों में आग से 53 लोगों की मौत: हजार से ज्यादा बिल्डिंग्स जलीं, ये राज्य में अब तक की सबसे बड़ी आपदा

होनोलुलु।
अमेरिका के हवाई स्टेट के जंगलों में लगी आग की वजह से अब तक 53 लोगों की मौत हो गई। ये हवाई में अब तक की सबसे बड़ी आपदा है। इस आग में करीब एक हजार बिल्डिंग्स जल चुकी हैं। वहीं स्टेट में कई लोग बेघर चुके हैं। इस आग में अमेरिका का सबसे बड़ा और 150 साल पुराना बरगद का पेड़ भी जल गया।

हवाई के पश्चिमी तट पर माउई आइलैंड में यह आग तेज हवा की वजह से फैल गई। आग इतनी तेज फैली कि कई लोग इसकी चपेट में आ गए। कुछ लोगों को अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगानी पड़ी। माउई से अब तक हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। अभी 1400 लोग बाहर निकलने की कोशिश में एयरपोर्ट पर इंतजार में है। इनमें से ज्यादातर टूरिस्ट हैं।

गवर्नर बोले- शहरों को फिर से बसाने में लगेंगे अरबों रुपए

हवाई के गवर्नर जॉश ग्रीन ने बताया- लहायना शहर में मची तबाही के बाद इसे फिर से खड़ा करने में कई साल और अरबों रुपए लग जाएंगे। गवर्नर के मुताबिक, 1961 में एक समुद्री लहर में 61 लोगों की मौत के बाद यह सबसे बड़ी दुर्घटना है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने

इसे आपदा घोषित कर राहत कार्यों के लिए फंड जारी किया। अमेरिकी कोस्ट गार्ड कमांडर एजा किरक्सके ने कि अपनी जान बचाने की कोशिश में 100 से ज्यादा लोगों के समुद्र में कूदने की आशंका है। किरक्सके ने कहा- आग से उठने वाले धुएं के कारण हेलिकॉप्टर पायलट्स को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद एक कोस्ट गार्ड वेसल ने 50 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया है।

मई में कनाडा के जंगल में भी लगी थी आग

मई में कनाडा के जंगलों में अब तक की सबसे भयानक आग लगी थी। यहां करीब सभी 10 प्रांतों और शहरों में इसका असर देखा गया था। इसमें करीब 33 हजार स्क्वायर किमी का क्षेत्र जल गया था।

भारत से फेक सर्टिफिकेट लेकर चीन पढ़ने गए नेपाली सांसद: एमबीबीएस की डिग्री भी ली; जांच एजेंसी ने गिरफ्तार किया

काठमांडू।
नेपाल में एक सांसद को जाली एजुकेशन सर्टिफिकेट बनवाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सांसद सुनील कुमार शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने बिहार से फेक डिग्री खरीदकर उसका इस्तेमाल चीन में हायर स्टडीज के लिए किया। इसके बाद नेपाल की सेंट्रल इवेस्टिगेशन ब्यूरो ने शर्मा को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

वो मोरांग 3 क्षेत्र से नेपाली कांग्रेस पार्टी के सांसद हैं। कुछ डॉक्टरों ने भारत से फर्जी अकैडमिक सर्टिफिकेट जमा करके नेपाल मेडिकल काउंसिल से रेजिस्ट्रेशन करवाया। सांसद शर्मा का इंटरमीडिएट ऑफ साइंस का सर्टिफिकेट सनोथिमी भक्तपुर के नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन से वेरिफाई नहीं किया गया था। इसी सर्टिफिकेट के आधार पर उन्होंने एमबीबीएस की डीग्री भी हासिल की थी।

कई मेडिकल और प्राइवेट कॉलेज के मालिक हैं सांसद शर्मा

सांसद शर्मा खुद कई मेडिकल और प्राइवेट कॉलेजों के मालिक हैं। पिछले महीने 100 किलो सोने की तस्करी के मामले में उन्होंने गृह मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ और वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत का इस्तीफा मांगा था। दरअसल, 18 जुलाई कोसोना त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चेकिंग को पार करते हुए 100 किलो सोने की तस्करी की गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक भारतीय और एक चीनी नागरिक सहित 18 लोगों को गिरफ्तार किया था।

4 और डॉक्टर्स गिरफ्तार

चीफ ने नेपाल की संसद के स्पीकर को चिट्ठी लिखकर शर्मा की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्हें शेखर कोइराला खेमे का करीबी माना जाता है। शर्मा के अलावा मामले में 4 डॉक्टरों को भी गिरफ्तार किया गया है। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने की वजह से अक्सर तस्करी के मामले सामने आते रहते हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर से गायब हुआ था 11 किलो सोना

इससे पहले जुलाई में नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर से 11 किलो सोना गायब हो गया था। इसके बाद एंटी करप्शन यूनिट ने इस मामले की जांच की थी, जिसकी वजह से मंदिर को करीब 24 घंटों के लिए बंद कर दिया गया था। नेपाल की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रधानमंत्री प्रचंड ने जांच एजेंसी को आदेश दिया था कि मंदिर में शिवलिंग और बाकी प्रतिमाओं पर चढ़ाए गए तमाम आभूषणों की लिस्टिंग और वजन किया जाए। मंदिर में करीब 100 किलोग्राम की जूलरी है।

सितंबर में पाकिस्तान लौटेंगे नवाज शरीफ

पीएम शाहबाज बोले- पार्टी जीती तो नवाज ही बनेंगे प्रधानमंत्री; चुनाव कैंपेन को भी लीड करेंगे

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सितंबर में लंदन से इस्लामाबाद लौट आएंगे। अगले चुनाव में वो ही पाकिस्तान की पार्टी का नेतृत्व करेंगे और जीत मिलने पर प्रधानमंत्री भी बनेंगे। उन्होंने कहा- चुनाव से जुड़े सारे कैंपेन और प्लानिंग नवाज के हिसाब से ही होगी और वहीं पार्टी लीड करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवाज पाकिस्तान के चीफ जस्टिस के रिटायर होने का इंतजार कर रहे हैं। बंदियाल का 17 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। इसके बाद नवाज पाकिस्तान लौटेंगे, जहां उन्हें पनामा पेपर लीक केस में राहत मिलने की उम्मीद है।

शाहबाज ने कहा था- चुनाव जीके तो बच्चों को लैपटॉप देंगे

इससे पहले लाहौर में एक प्रोग्राम के दौरान पीएम शाहबाज ने कहा था- नवाज की लीडरशिप में हम पाकिस्तान के लाखों बच्चों को लैपटॉप देंगे, ताकि वो मॉडर्न तालीम हासिल कर सकें। इसके अलावा एग्रीकल्चर सेक्टर को बहुत तेजी से प्रमोट किया जाएगा। 2017 में मुल्क बिल्कुल सही रास्ते पर था, लेकिन उस वक्त नवाज को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। यह साजिश उस वक्त के चीफ जस्टिस ऑफ पाकिस्तान साकिब निसार ने रची थी।

3 दिन पहले भंग हुई पाकिस्तान की संसद

कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान की संसद यानी नेशनल असेंबली कार्यकाल खत्म होने से 3 दिन पहले भंग कर दी गई थी। इसके बाद से केयरटेकर पीएम को लेकर बैठक जारी हैं। शाहबाज शरीफ

और विपक्ष के नेता राजा रियाज केयरटेकर पीएम का नाम तय करने के लिए चर्चा करेंगे। अगर इन दोनों में संसद भंग होने के 3 दिनों के भीतर सहमति नहीं बनी तो मामला संसदीय कमेटी के पास चला जाएगा। अगर यहां भी सहमति नहीं बनी तो इलेक्शन कमीशन फैसला करेगा। नेशनल असेंबली का टेन्योर 12 अगस्त तक था। इसे 3 दिन पहले 9 अगस्त को ही भंग कर दिया गया।

पाकिस्तान का संविधान कहता है कि अगर टेन्योर खत्म होने के पहले असेंबली डिजॉल्व की जाती है तो इलेक्शन 90 दिन के अंदर कराए जाएं। अगर नेशनल असेंबली अगर तय वक्त पर भंग की जाती है तो इलेक्शन 60 दिन के भीतर कराने पड़ते।

संसद ने आजीवन अयोग्यता वाला कानून बदला

2 महीने पहले पाकिस्तान में शाहबाज सरकार ने संसद ने 'लाइफटाइम डिस्क्वॉलिफिकेशन' को रद्द कर दिया था। नए कानून के तहत किसी भी सांसद को अब 5 साल से ज्यादा के लिए अयोग्य करार नहीं दिया जा सकेगा। इस फैसले का फायदा सीधे तौर पर नवाज शरीफ को मिलेगा। दरअसल, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में नवाज शरीफ को पनामा पेपर्स मामले में अयोग्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद उन्हें किसी भी पार्टी में शामिल होने से रोक दिया गया था। लाहौर हाईकोर्ट ने 2019 में नवाज को इलाज कराने के लिए चार हफ्ते के लिए विदेश जाने की इजाजत दी थी। 19 नवंबर, 2019 को नवाज लंदन गए थे और तब से देश वापस नहीं लौटे हैं।

कोर्ट ने 2018 में नवाज को अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। वहीं एवनफील्ड प्रॉपर्टी मामले में उन्हें 11 साल की सजा सुनाई गई थी और 80 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। 16 नवंबर 2019 को लाहौर हाई कोर्ट ने नवाज की सजा सस्पेंड करते हुए उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत दी।

जनता सरकार रिपीट करवाकर भाजपा को सबक सिखाएगी : मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत के साथ 156 सीट का लक्ष्य हासिल करने करने का दावा करते हुए कहा कि इस चुनाव के नतीजे देश का भविष्य तय करेंगे। हमने सरकार गिराने के षड्यंत्र के बावजूद सरकार गिरने नहीं दी। प्रदेश की जनता ने कोरोना के समय हमारा साथ दिया, अब वही जनता सरकार रिपीट करवाकर भाजपा को सबक सिखाएगी। मुख्यमंत्री गहलोत शुक्रवार को कांग्रेस वॉर रूम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त लोकसभा पर्यवेक्षकों तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पोलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। टिकट बंटवारे की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने स्पष्ट किया कि राजस्थान में कर्नाटक का मॉडल अपनाया जाएगा और टिकट वितरण के लिए सिलेक्शन प्रोसेस जल्दी शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सितंबर के आखिर या अक्तूबर के शुरुआत में कांग्रेस पार्टी अपने टिकट की पहली सूची जारी कर दे। सीएम गहलोत ने कहा कि

आज की बैठक में यह तय हुआ है कि लोकसभा के आधार पर लगाए गए सभी 25 पर्यवेक्षक 17 अगस्त को अपनी-अपनी लोकसभा में कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ बैठक करेंगे। राजस्थान में हर विधानसभा में पर्यवेक्षक लगाए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश इलेक्शन कमेटी के सदस्यों को भी जिलों में भेजा जाएगा। ये सदस्य हर जिले के प्रमुख कांग्रेस के नेताओं से बात कर रायशुमारी करें कि टिकट के लिए योग्य उम्मीदवार कौन है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस पार्टी को बहुमत नहीं, बल्कि भारी बहुमत मिलेगा। हम लक्ष्य 156 सीट जीतने का है। पार्टी में मतभेद की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में कोई मनमुटाव या मतभेद नहीं है। छोटे-मोटे मतभेद हिंदुस्तान की किस राजनीतिक पार्टी में नहीं होते, लेकिन सबकी मंशा चुनाव जीतने और सरकार बनाने की है। मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में सरकार गिराने के बाद राजस्थान में सरकार गिराने का उनका प्लान फेल हुआ, इसके कारण इनके दिलों में बदला लेने की आग लगी हुई है। इसी के चलते पीएम नरेंद्र मोदी के छह बार राजस्थान के दौरे हुए और अमित शाह ने भी कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरे पास जानकारी है कि गृह मंत्रालय में षड्यंत्र किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान का चुनाव केवल राजस्थान के इंटरेस्ट में नहीं है, इन चुनाव के नतीजे देश का भविष्य तय करेंगे। हमने सरकार गिराने के षड्यंत्र के बावजूद सरकार गिरने नहीं दी। प्रदेश की जनता ने कोरोना के समय हमारा साथ दिया, अब वही जनता सरकार रिपीट करवाकर भाजपा को सबक सिखाएगी। कांग्रेस विधायक गोपाल मीणा पर लगे आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि तथ्यों के आधार पर सबको खबर चलानी चाहिए। शाम तक पूरी रिपोर्ट मेरे पास आ जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोदी सरकार के उसे फैसले पर सवाल खड़े किए जिसके अनुसार अब मुख्य चुनाव आयुक्त के चुनाव में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करते थे, लेकिन अब सीजेआई को इस प्रक्रिया से हटाया गया है जो बड़ा संदेह पैदा करता है। इससे पूर्व कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा टिकट वितरण में जिताऊ और टिकाऊ का फार्मूला होगा। फिल्ड में काम करने के आधार पर जो उम्मीदवार जिताऊ होगा, उसे टिकट दिया जाएगा। हम सब बैठकर सामूहिक रूप से टिकट वितरण पर फैसला करेंगे और एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

अग्निवीर वायु भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन 17 अगस्त से शुरू

बीकानेर (हिंस)। भारतीय वायु सेना में अग्निपथ स्कीम के तहत अग्निवीर वायु भर्ती के लिए 17 अगस्त से 23 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन करवा सकते हैं। भर्ती से संबंधित सभी नियमों की विस्तार से जानकारी भारतीय वायु सेवा की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं। आवेदक की जन्म तिथि 27 जून 2003 से 27 दिसंबर 2006 तक (दोनों दिनांक सहित) के बीच जन्मे अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्र होंगे। 12वीं कक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा विज्ञान संकाय में गणित, भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ एवं कला तथा वाणिज्य संख्या में किसी भी विषय के साथ 50 फीसदी अंकों के साथ अंग्रेजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है या तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक या 2 वर्ष वोकेशनल कोर्स पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

हिंदू रीति-रिवाजों से रूस की सैनिया ने बीकानेर के मयंक से की शादी

बीकानेर (हिंस)। विदेशी बाला को राजस्थान की संस्कृति इतनी ज्यादा पसंद आ गई कि वह यहीं की होकर रह गई। मिली जानकारी के मुताबिक बीकानेर निवासी मयंक और रूस की सैनिया में प्यार परवान चढ़ा और दोनों ने हिंदू रीति-रिवाजों से शादी कर ली। बीकानेर का मयंक बेंगलूरु में आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ा हुआ है और वहीं शिवरात्रि पर उसकी मुलाकात रूसी युवती सेनिया से हुई। दोनों में प्यार हुआ और मास्को में इसी सात अगस्त को सगाई की और शुक्रवार को दोनों ने हिंदू रीति-रिवाजों से शादी कर ली। बीकानेर के सादुलगंज स्थित इस्कॉन मंदिर के पुजारी ने फेरे करवाए। इस शादी में इस्कॉन मंदिर से जुड़े कृष्ण भक्त शामिल हुए और फेरों के दौरान हरे कृष्णा का जाप चलता रहा।

पार्षद ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे नहीं लगाए तो जान से मारने की दी धमकी

सोनीपत (हिंस)। कुंडली नगर पालिका वार्ड-5 के पार्षद ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे नहीं लगाए तो उसे सोशल मीडिया पर कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई। पार्षद को यह धमकी टेलीग्राम पर कॉल करके दी गई। हिंदूवादी संगठन का नाम लिख कर पार्षद को इसका सदस्य बता कर गालियां दी गईं। कुंडली थाना पुलिस को यह शिकायत पीड़ित की ओर से दी गई है। पुलिस ने धमकी देने का केस दर्ज कर जांच शुरू की दी है। कुंडली निवासी वार्ड-5 से पार्षद निरंजन ने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसको टेलीग्राम पर कॉल आई। कॉल अटेंड करते ही दूसरी ओर से उन्हें गालियां दी जाने लगीं। जान से मारने की धमकी दी गई। धार्मिक उन्माद पैदा करने के लिए अशोभनीय टिप्पणी की गई। कॉल को डिस्कनेक्ट करना शुरू किया तो उनके नंबर को एक ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप का नाम डॉट था। उसमें पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने का दबाव बनाया जाने लगा। निरंजन ने पुलिस को बताया कि परेशान होकर उसने मोबाइल का

इंटरनेट का डाटा बंद कर दिया। उनके मोबाइल पर हिंदूवादी संगठन का नाम लिख कर गालियां व धमकी दी गईं। उन्होंने इससे परेशान होकर पुलिस को शिकायत दी। इस पर पुलिस ने उनके बयान पर धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है। आरोप है कि कॉल करने वाले ने कहा कि वह पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से बोल रहा है। आरोपी हरियाणवी भाषा में बोल रहा था।

भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाल शहीदों को किया नमन

सोनीपत (हिंस)। भाजपा के पन्ना प्रमुख सम्मेलन की कामयाबी के बाद गुरुवार की रात को तिरंगा यात्रा पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शहर की व्यापारिक, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का आभार व्यक्त किया गया है। तिरंगा यात्रा की कामयाबी से देशवासियों में शहीदों के प्रति श्रद्धा भाव एवं देश प्रेम की भावना पूरी तरह से कायम है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से राजीव जैन एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कविता जैन पूरे शहर में पांच घंटे तक चली यात्रा का प्रतिनिधित्व कर रही थी। शहर में उमड़ता जोश और जूनून देखते ही बन रहा था। शहर के बाजार बंद हो चुके थे।

विधायक ने शिलाफलक पर अंकित शहीदों को किए श्रद्धासुमन अर्पित

पलवल (हिंस)। मेरी माटी-मेरा देश के दृष्टिगत नगर परिषद व खंड पलवल द्वारा शुक्रवार को पलवल में शहीद स्मारक स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक दीपक मंगला ने शिलाफलक पर अंकित शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए । इस अवसर पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान किया गया। इस मौके पर नगर परिषद के चेयरमैन डॉ. यशपाल व डीएसपी शाकिर हुसैन व गणमान्य लोग मौजूद थे। विधायक दीपक मंगला ने कहा कि देश की आजादी को 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में शहीद स्मारक स्थल पर मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दीपक मंगला ने कहा कि यह राष्ट्र को समर्पित कार्यक्रम है, कार्यक्रम को लेकर लोगों में भारी जोश और उत्साह बना हुआ है। मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तर व ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर मिट्टी को नमन करना तथा वीरों

को वंदन जैसे कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत गांवों से मिट्टी को एकत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रत्येक गांव व शहर में शिला फलक भी तैयार करके स्थापित किए जा रहे हैं, जिस पर उस संबंधित गांव अथवा शहर के स्वतंत्रता सेनानी, सेना के शहीद जवानों, पैरामिलिट्री फोर्स के शहीद, पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए जवानों के नाम अंकित है। इसके अलावा ग्राम स्तर पर शहीदों के परिजनों के साथ-साथ राज्य व केंद्र की पैरामिलिट्री फोर्स, पुलिस, आर्मी से सेवानिवृत अधिकारियों को सम्मानित भी किया जा रहा है। विधायक ने शहीद ज्ञानचंद की धर्मपत्नी गंगारती निवासी प्रकाश कालोनी पलवल तथा कारगिल शहीद श्रवण कुमार के पुत्र रवि कुमार निवासी गांव रायपुर को शॉल भेट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में लोगों को पंच प्राण प्रतिज्ञा की शपथ भी दिलवाई।

राज्य कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के जन घोषणा पत्र-2018 में कर्मचारियों से किए वादों को पूरा नहीं करने के विरोध में प्रदेश के हजारों राज्य कर्मचारियों ने शुक्रवार को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के आव्हान पर शहीद स्मारक पर धरना- प्रदर्शन कर आक्रोश रैली निकाली। आक्रोश रैली सिविल लाइंस के लिए रवाना होने से पहले ही पुलिस ने बल प्रयोग कर रैली को शहीद स्मारक पर ही रोक दिया। इस दौरान कर्मचारियों और पुलिस के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में 17 सूत्री मांगों को लेकर बड़ी संख्या में कर्मचारी शहीद स्मारक पर एकत्रित हुए। इसके बाद रैली के रूप में सिविल लाइन फाटक की तरफ कूच करने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सचिव आरती डोगरा से मुलाकात कर ज्ञापन दिया गया। महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि आचार संहिता

से पूर्व राज्य सरकार ने जन घोषणा पत्र- 2018 में कर्मचारियों से किए वादों को पूरा नहीं किया तो आगामी विधानसभा चुनाव में कर्मचारी और उनके परिवार सरकार के खिलाफ मतदान करेंगा। इसके लिए राठौड़ ने सभी कर्मचारियों को शपथ भी दिलाई। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आंदोलन के प्रथम चरण में 2 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम के ज्ञापन सौंपा गया था। दूसरे चरण में राजधानी जयपुर में एक प्रदेशव्यापी रैली निकाली गई है। फिर भी सरकार नहीं मानती है तो आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहे। राठौड़ ने कहा कि सरकार ने जन घोषणा पत्र 2018 में राज्य कर्मचारियों से वेतन विसंगतियों को दूर करने का वादा किया था, लेकिन आज तक अपने उस वादे को पूरा नहीं किया है। वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए डी सी सामंत और खेमराज चौधरी की अध्यक्षता में गठित समितियों की रिपोर्ट सरकार के पास है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर्मचारी हित में वेतन संशोधन की रिपोर्ट को शीघ्र सार्वजनिक करें और उसे कर्मचारियों की सलाह से लागू करें। उन्होंने बताया कि घोषणापत्र में संविदा कर्मियों सहित अन्य सभी अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का भी वादा किया गया था, लेकिन इस वादे को भी सरकार ने पूरा नहीं किया है। सरकार ने संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करने के बजाए संविदाकरण कर दिया है। इस सरकार ने चुनाव से पहले कई तरह के वादे कर्मचारियों से किए, जिसकी बदौलत कांग्रेस सरकार बना पाई, लेकिन सरकार बनने के बाद घोषणा पत्र में किए वादे गहलोत सरकार भूल गई।

यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए : अमित यशवर्धन

फरीदाबाद (हिंस)। डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन ने शुक्रवार को बाटा चौक, मेवला महाराजपुर फ्लाईओवर, खेड़ीपुल, बड़ल चौक इत्यादि एरिया में ट्रैफिक का निरीक्षण कर संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उक्त स्थान पर कई बार सड़क दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं, जिसकी वजह से कई व्यक्तियों की जान भी चली जाती है। कुछ लोग गलत दिशा में वाहन चलाते हैं, जिसकी वजह से इस प्रकार की दुर्घटनाएं घटित होती हैं और फ्लाईओवर पर गलत लेने में वाहन चलाने के कारण भी वाहन आपस में टकरा जाते हैं। इसके साथ-साथ उक्त स्थानों पर अक्सर जाम भी लगता है, जिसके कारण वाहन बहुत धीमी गति में आगे बढ़ते हैं।

हरियाणा बोर्ड ने 12वीं कक्षा की एक दिवसीय परीक्षा का परिणाम किया घोषित

भिवानी (हिंस)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जुलाई-2023 में आयोजित करवाई गई हरियाणाा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की कंपार्टमैंट, अतिरिक्त विषय, आंशिक अंक सुधार की एक विषय की एक दिवसीय परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया है। परीक्षा का परिणाम 47.38 फीसदी रहा है। यह परिणाम हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट बीएसईएच डॉट ओआरजी डॉट इन पर शुक्रवार से देखा जा सकता है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव ने बताया कि 12वीं कक्षा की एक दिवसीय परीक्षा में 35 हजार 980 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे, जिसमें 20 हजार 535 छात्र तथा 15 हजार 445 छात्राएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा प्रदेशभर में 128 केंद्रों पर 26 जुलाई को संचालित करवाई गई थी। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में प्रविष्ट हुए 35 हजार 980 परीक्षार्थियों में से 17 हजार 49 उत्तीर्ण हुए उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में 20 हजार 535 छात्रों में से 9 हजार 467 छात्र पास हुए तथा 9 हजार 511 छात्रों की कंपार्टमेंट रही, जिनकी पास प्रतिशतता 46.10 रही। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 15 हजारर 445 प्रविष्ट छात्राओं मे से 7 हजार 582 पास हुई व 7 हजार 328 छात्राओं की कंपार्टमेंट रही, जिनकी पास प्रतिशतता 49.09 रही। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका की पुर्नजांच या पुनर्मुल्यांकन निर्धारित शुल्क सहित परिणाम घोषित होने की तिथि से 20 दिन तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

अब जींद के लोगों को मिलेगा भाखड़ा का नीला पानी

जींद (हिंस)। भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जींद के लोगों के लिए भाखड़ा पानी आधारित पेयजल परियोजना उनके ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल थी। कई राजनीतिक और प्रशासनिक अड़चनों को दूर करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस परियोजना को प्रशासनिक अनुमति दे दी है। इस परियोजना पर लगभग 388 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। परियोजना की शुरुआत अक्तूबर और नवंबर माह में शुरुआत कर दी जाएगी। भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 24490 घोषणा कोड के अनुरूप हांसी ब्रांच नहर और सुंदर ब्रांच नहर से आधारित प्रोजेक्ट को जींद की जनता के लिए तैयार किया गया था। वर्ष 2019 के उप चुनाव के बाद बतौर विधायक जब उन्होंने बैठक में हिस्सा लिया तो उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा था कि जींद की जनता को भाखड़ा आधारित पेयजल सप्लाई चाहिए। यह वादा उन्होंने जींद की जनता से किया है और इस वादे को वो हर हाल में पूरा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उनकी मांग पर मोहर लगाई और अब जींद को भाखड़ा आधारित पेयजल सप्लाई योजना के लिए 388 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति जन स्वास्थ्य विभाग को मिल गई है। जल्द ही इस परियोजना को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी और उम्मीद है कि अक्तूबर-नवंबर में इस परियोजना पर कार्य शुरू हो जाएगा। भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि जींद की जनता को भाखड़ा के पानी पर आधारित पेयजल सप्लाई योजना की प्रशासनिक स्वीकृति लेना आसान नहीं रहा।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिया किया ढेर

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर शुक्रवार को एक ऑपरेशन के तहत भारतीय सीमा में दाखिल हुए पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। इस कार्रवाई के बाद बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजरों को सूचित कर दिया है। बीएसएफ के जवान शुक्रवार की सुबह तरनतारन के सीमावर्ती गांव थेहकलां में गश्त पर थे। इसी दौरान कंटीली तार से पार से एक व्यक्ति ने भारतीय सीमा में दाखिल होने का प्रयास किया। बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को कई बार चेताया, लेकिन वह आगे बढ़ता रहा। इसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग करके उसे वहीं पर ढेर कर दिया। ढेर किए गए घुसपैठिए की शिनाख्त नहीं हो सकी है। बीएसएफ ने शव को अपने कब्जे में लेकर पाकिस्तानी रेंजरों को इस बारे में सूचित कर दिया है। पाकिस्तानी रेंजरों की तरफ से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। एक दिन इंतजार के बाद पाकिस्तान के आला अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया जाएगा। इसके बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में महिलाओं के लिए खुला शराब का ठेका, कांग्रेस व भाजपा ने आप सरकार को घेरा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव सड़कर सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पंजाब में महिला विशेष शराब ठेका खोल दिया है। पंजाब में यह पहला मौका है, जब महिलाओं के लिए अलग से शराब ठेका खोला गया है। सरकार की इस कार्रवाई के बाद कांग्रेस व भाजपा ने आक्रामक होकर सरकार को घेर लिया है। यह वूमेन फ्रेंडली ठेका जालंधर के लंबा पिंड चौक पर खोला गया है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इसे शर्मनाक बताया है। वड़िंग ने कहा कि नशे ने पंजाब की जवानी को बर्बाद कर दिया। मान सरकार अब घर-घर बर्बाद करने पर आमादा है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने महिलाओं के लिए शराब का ठेका खोलने को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि तीन महीने में पंजाब को नशा मुक्त करने वाले अब महिलाओं को भी शराब का आदि बनाने की तैयारी कर चुके हैं। नशा पहले ही पंजाब की कई पीढ़ी निगल चुका है। राजा वड़िंग ने पूछा कि अब महिलाओं के लिए शराब के ठेके खोलकर सरकार क्या करना चाहती हैं। इस बीच पंजाब भाजपा के प्रदेश मीडिया इंचार्ज जनार्दन शर्मा ने कहा कि पंजाब पहले ही नशे की गर्त में समा रहा है। अब रही-सही कसर सरकार ने महिलाओं के लिए शराब के ठेके खोलकर पूरी कर दी। राज्य सरकार अब लोगों की गृहस्थी बर्बाद करने पर तुली है।

आयुर्वेद को दैनिक जीवन में अपनाना हितकर : पूर्णिमा

जम्मू (हिंस)। भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उप महापौर पूर्णिमा शर्मा ने कहा है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें आम जनता को सर्वोत्तम और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बात शुक्रवार को यहां आयुष चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करने के बाद व्यक्त की। मेडिकल कैंप का आयोजन ऑटो स्टैंड यूनियन, शहीदी चौक द्वारा राजिंदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। दैनिक जीवन में आयुर्वेद का पालन करने पर जोर देते हुए पूर्णिमा ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा की सदियों पुरानी प्रणाली प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का उपयोग करके और शरीर की जरूरतों के आधार पर जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद का विज्ञान ऋषियों द्वारा विकसित किया गया है और यह स्वास्थ्य को बनाए रखने के साथ-साथ उपचार, मालिश, हर्बल दवाओं, आहार नियंत्रण और व्यायाम के माध्यम से बीमारियों से लड़ने के तरीके पर मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा, आयुर्वेद समग्र जीवन को बढ़ावा देता है जो प्रकृति के अनुरूप है और इस विज्ञान के निर्धारित सिद्धांतों का पालन करके हम रोग मुक्त जीवन जी सकते हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने इस चिकित्सा शिविर के आयोजन और उनके दरवाजे पर स्वास्थ्य जांच सुविधा प्रदान करने के लिए ऑटो स्टैंड यूनियन, शहीदी चौक और राजिंदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि निकट भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किये जायेंगे। पार्षद गोपाल गुप्ता और राजिंदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता और उनके एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

ग्यारह साल से बाल विवाह का दंश झेल रही कंचन हुई आजाद

जोधपुर (हिंस)। देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 11 साल से बाल विवाह का दंश झेल रही कंचन को सारथी ट्रस्ट के संबल से बाल विवाह निरस्त होने से असली आजादी मिल गई। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या एक ने कंचन के बाल विवाह निरस्त का ऐतिहासिक फैसला सुनाया जिसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती ने देश के पहले बाल विवाह निरस्त से लेकर अब तक लगातार 50 मासूम जोड़ों का बाल विवाह निरस्त करवाने का भी अनूठा कीर्तिमान रच दिया। जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के एक दुकान संचालक की पुत्री कंचन 11 साल पहले महज सात साल की उम्र में बाल विवाह की बेडियों में जकड़ गई थी। कंचन को बड़ी होने पर ही खुद के बाल विवाह के बारे में पता चलने पर

अवसादग्रस्त हो गई। इस दौरान ससुराल वालों ने कंचन का गौना करवाने का दबाव बना दिया। कंचन के भाई को वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट और बीबीसी 100 इंस्पिरेशनल वूमन सूची में शुमार सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में पता चला। कंचन और उसके भाई ने डॉ. कृति भारती से मुलाकात कर खुद की पीड़ा बयां की जिसके बाद डॉ. कृति भारती की मदद से कंचन के बाल विवाह निरस्त का वाद जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 में दायर किया गया। कंचन के पारिवारिक न्यायालय में बाल विवाह निरस्त का वाद दायर करना कुछ जाति पंचों को नागवार गुजरा। जाति पंचों ने कंचन, उसके परिजनों और कुछ सहयोगियों को जाति बाहर करने का फरमान सुना दिया। वहीं लाखों का अर्थ दंड भी लगा दिया। कंचन व परिजनों पर जाति पंचों के सितम के बीच सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती की काउंसलिंग के बाद कई जाति पंच कंचन के पक्ष में आ गए और कंचन के परिजनों को बिरादरी में वापस शामिल कर दिया। वहीं कंचन के बाल विवाह निरस्त पर भी सहमति जता दी। पारिवारिक न्यायालय संख्या एक में कंचन की ओर से चाइल्ड एंड वूमेन राइट्स एक्टिविस्ट एवं एडवोकेट डॉ. कृति भारती ने पैरवी कर बाल विवाह और आयु संबंधी तथ्यों से अवगत करवाया। इस बीच डॉ. कृति की काउंसलिंग और वर पक्ष के वकील प्रकाश पंवार के सकारात्मक सहयोग से दोनों पक्षों में सहमति भी बन गई। जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या एक के न्यायाधीश मुज्जफर चौधरी ने कंचन के महज 7 साल की उम्र में 11 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाया। न्यायाधीश चौधरी ने समाज को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि बाल विवाह का दंश कई पीढ़ियों तक झेलना पड़ता है। मासूमों पर बाल विवाह के सितम को रोकने में सबको समेकित जिम्मेदारी निभानी होगी।

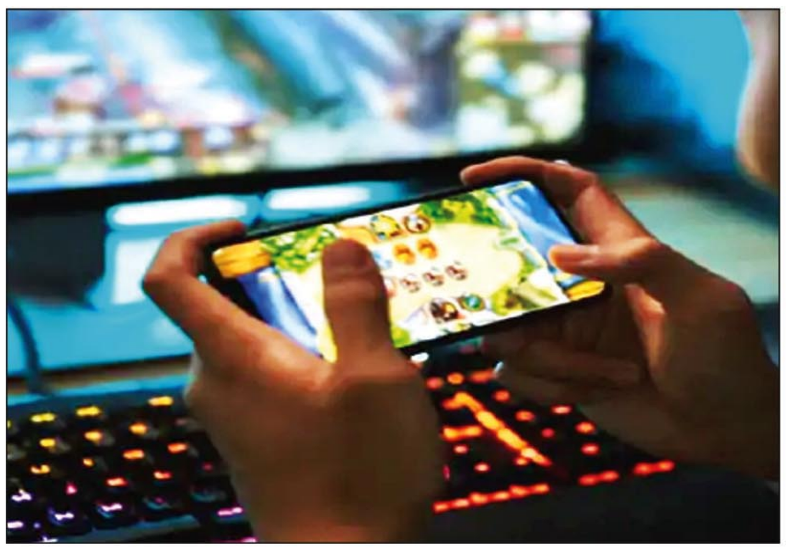

ऑनलाइन गेमिंग पर लगेगा 28प्रतिशत जीएसटी : संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित, 1 अक्टूबर से लागू होगा ; अभी इस पर 18प्रतिशत टैक्स

नई दिल्ली।

लोकसभा से जीएसटी संशोधन विधेयक 2023 पारित हो गया है। यानी अब ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28प्रतिशत जीएसटी लगाने का रास्ता साफ हो गया है। यह अधिनियम 1 अक्टूबर से लागू हो सकता है। 28प्रतिशत जीएसटी लागू होने के 6 महीने बाद इसकी समीक्षा की जाएगी।

जीएसटी बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कसीनो पर 28प्रतिशत टैक्स का निर्णय – गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी काउंसिल की 51वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कसीनो पर 28प्रतिशत टैक्स लगाने का अंतिम फैसला किया गया था। इन पर अब तक 18प्रतिशत टैक्स लगता था। सरकार ने गेम ऑफ स्किल और गेम ऑफ चांस को एक जैसा माना। वहीं कैंसर की दवा डिनुटूक्सिमैब के इम्पोर्ट पर लगने वाले जीएसटी को भी हटाने की मंजूरी दी थी। सिनेमा हॉल में खाने-पीने की चीजों के बिल पर लगने वाले जीएसटी को कम करने की सिफारिश को भी मंजूरी मिली थी। अब इनमें 18प्रतिशत के बजाय 5प्रतिशत जीएसटी लगेगा। रेयर डिजीज में इस्तेमाल होने वाले फूड फॉर स्पेशल मेडिकल पर्पज पर अब जीएसटी नहीं लगाने का फैसला लिया।

जुलाई में 1.65 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन – गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से सरकार ने जुलाई 2023 में 1,65,105 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसमें सालाना आधार पर 11प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। जुलाई 2022 ये 1,48,995 करोड़ रुपए रहा था। जुलाई में लगातार पांचवीं बार ऐसा है कि रेवेन्यू कलेक्शन 1.6 लाख करोड़ से ऊपर गया है। इससे पहले जून में ये 1,61,497 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि अब तक सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2023 में था, जब ये आंकड़ा 1.87 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था। इसके अलावा लगातार 17 महीने से देश का जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से ऊपर बना हुआ है।

6 साल पहले लागू हुआ था जीएसटी – जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स है। इसे वैराइटी ऑफ प्रीवियस इनडायरेक्ट टैक्स (वैट), सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी और कई इनडायरेक्ट टैक्स को रिप्लेस करने के लिए 6 साल पहले 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 28प्रतिशत के चार स्लैब हैं। हालांकि गोल्ड और गोल्ड ज्वेलरी पर 3प्रतिशत टैक्स लगता है।

न्यूज ब्रीफ

पीपीएफ में छोटे निवेश से बनें करोड़पति: लॉन्ग टर्म गोल और बेहतर रिटर्न के लिए सुरक्षित ऑप्शन है पीपीएफ, मिल रहा 7.1प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली। महंगाई के दौर में लोगों के लिए रोज का खर्चा चलाकर भविष्य के लिए सेविंग्स करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। अपने लॉन्ग टर्म गोल को पूरा करने और सेविंग्स को बढ़ाने के लिए पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रॉविडेंट फंड स्कीम आपके लिए सबसे बेहतर साबित हो सकती है। यह स्कीम न सिर्फ एक सुरक्षित सेविंग्स का ऑप्शन देती है, बल्कि इसमें सेविंग्स कर आप करोड़पति भी बन सकते हैं। फिलहाल इसमें 7.1प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। हम इसके बारे में आपको डिटेल में बता रहें हैं पीपीएफ अकाउंट को केवल 500 रुपए की कम राशि मे ओपन किया जा सकता है। अपने पीपीएफ अकाउंट में आप अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक सालाना जमा कर सकते हैं। अगर आप हर महीने अपने पीपीएफ अकाउंट में 12,500 रुपए जमा करते हैं तो मैच्योरिटी पर आपको टोटल 40.68 लाख रुपए मिलेंगे। पीपीएफ अकाउंट 15 साल में मैच्योर होता है। हालांकि, मैच्योरिटी के बाद आप इसे 5-5 साल के लिए बढ़ा भी सकते हैं। यानी आप इस स्कीम में कुल 25 साल के लिए निवेश कर सकते हैं। आप इससे 15, 20 या 25 साल बाद अपना पैसा निकाल सकते हैं। हालांकि, पीपीएफ अकाउंट खोलने वाले साल से अगले 5 साल तक आप अपना पैसा नहीं निकाल सकते हैं। 5 साल पूरा होने के बाद फॉर्म 2 भर कर पैसा निकाला जा सकता है। हालांकि, 15 साल के पहले पैसा निकालने पर आपको 1प्रतिशत की पेनल्टी देनी पड़ेगी। कोई भी व्यक्ति किसी पोस्ट ऑफिस या बैंक में अपने नाम पर यह अकाउंट खोल सकता है। इसके अलावा नाबालिग की तरफ से किसी और व्यक्ति द्वारा भी से खाता खोला जा सकता है।

वीवर्क दिवालिया होने की कगार पर, 85 फीसदी टूटकर जीरो पर आया शेयर

नई दिल्ली। फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस प्रोवाइडर वीवर्क इस समय दिवालिया होने की कगार पर है। रातो-रात कंपनी के शेयर 85 फीसदी टूटकर जीरो पर आ गए हैं। बताया जा रहा है कि एक दौर में 47 बिलियन डॉलर की यह कंपनी अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है। कंपनी ने खुद यह मान लिया है कि कारोबार में बने रहने की क्षमता को लेकर संदेह में है। इस बीच, न्यूयॉर्क हेडक्वार्टर वाली कंपनी वीवर्क ने अपनी दूसरी तिमाही में 397 मिलियन डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया है। हालांकि, कंपनी की ओर से बताया गया है कि उसके भारतीय कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मिली जानकारी के अनुसार बीते तिमाही नतीजों के बाद वीवर्क के शेयरों में 30 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 95 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। सिर्फ 2023 की शुरुआत से वीवर्क का स्टॉक 85 प्रतिशत नीचे है। शेयर लगभग एक चौथाई गिरकर 0.21 पर आ गया। बाजार विशेषज्ञ बताते हैं कि वीवर्क की मुसीबतें कोरोना काल में बढ़ गई। हालांकि आईपीओ लाकर फंड जुटाने की कोशिशों को कोरोना की वजह से झटका लगा। तमाम कोशिशों के बाद 2021 में बहुत कम वैल्युएशन पर कंपनी अमेरिका के शेयर बाजार में लिस्टेड होने में कामयाब रही लेकिन इसने कभी प्रॉफिट नहीं कमाया।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं के कमजोर होने से स्थानीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट के साथ कारोबार देखा गया है। सोने की कीमतों में रेकॉर्ड गिरावट देखने को मिल रही है। सोना जो अभी तक 59 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा था अब 58 हजार रुपए के करीब पहुंच रहा है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सुबह डिलीवरी वाला सोना 58800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह शाम को 58853 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। सोना अब 58 हजार के करीब पहुंच रहा है। चांदी की कीमतों में सुबह गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरावट के साथ 70050 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरकर 71419 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला है।

एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड से कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट : यूपीआई ऐप से लिंक हो जाएगा क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली।

अब आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करके लेनदेन कर सकेंगे। यूपीआई ऐप्स के साथ एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड को रजिस्टर या लिंक करके इस सुविधा का फायदा उठाया जा सकता है। यहां हम आपको एसबीआई के रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने की प्रोसेस बता रहे हैं।

अगर आपके फोन में यूपीआई ऐप नहीं है तो ऐसे लिंक करें

- अगर आपके फोन में यूपीआई ऐप नहीं है तो उसे प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें।
- यूपीआई ऐप पर अपना मोबाइल नंबर वैरिफाई करके रजिस्ट्रेशन करें।
- रजिस्ट्रेशन के बाद, ऐड क्रेडिट कार्ड या लिंक क्रेडिट कार्ड का ऑप्शन चुनें।
- क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं की लिस्ट से एसबीआई क्रेडिट कार्ड चुनें।
- लिंक करने के लिए अपना एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड चुनें।
- इसके बाद अपने क्रेडिट कार्ड के आखिरी 6 अंक और कार्ड की एक्सपायर डेट डालें।
- अपना 6 अंकों का यूपीआई पिन सेट करें। अब आप एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर सकेंगे।
- अगर आपके फोन में यूपीआई ऐप पहले से है तो ऐसे लिंक करें
- ऐसे में आपको सबसे पहले यूपीआई एंड पेमेंट सेटिंग पर जाना होगा।
- यहां आपको लिंए ऐड क्रेडिट कार्ड या लिंक क्रेडिट कार्ड का ऑप्शन चुनना होगा।
- क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं की लिस्ट से एसबीआई क्रेडिट कार्ड चुनें।
- लिंक करने के लिए अपना एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड चुनें।
- इसके बाद अपने क्रेडिट कार्ड के आखिरी 6 अंक और कार्ड की एक्सपायर डेट डालें।
- इसके बाद आप यूपीआई के जरिए रुपे क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर सकेंगे।

भारत का है रुपे कार्ड

रुपे एक घरेलू प्लास्टिक कार्ड है जिसे नेशनल पेमेंट

कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने लांच किया था। इसका उद्देश्य यह है कि देश में पेमेंट सिस्टम का एकीकरण किया जा सके। देश के सभी प्रमुख बैंकों ने रुपे डेबिट कार्ड जारी करते हैं। यह दूसरे कार्ड (यूरो पे, मास्टर कार्ड, वीजा) जैसा ही है और सभी भारतीय बैंक, एटीएम, पीओएस टर्मिनल या ई-कॉमर्स वेबसाइट पर आसानी से चलती हैं।

रुपे कार्ड्स में ट्रांजेक्शन कॉस्ट कम होता है और इससे प्रोसेसिंग तेज होती हैं क्योंकि इसकी प्रोसेसिंग देश में ही होती है। अभी भारत में 1,236 बैंक रुपे कार्ड जारी करते हैं।

21 सितंबर से मिली थी क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने की सुविधा

ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में पिछले महीने यानी 21 सितंबर को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रूपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई नेटवर्क पर लॉन्च किया। इससे पहले तक यूपीआई नेटवर्क से केवल डेबिट कार्ड और अकाउंट लिंक किए जा सकता था। अभी तीन बैंकों पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने इसकी सुविधा दी है।

प्याज की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम, बफर स्टॉक का होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली। टमाटर के बाद अब प्याज की बढ़ती कीमतों पर सरकार सतर्क हो गई है। कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उपभोक्ता मामलों के विभाग ने इस साल बनाए गए 3 लाख मीट्रिक टन प्याज बफर से स्टॉक जारी करने का फैसला किया है। सरकार के अनुसार विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने 10 अगस्त 2023 को नेफेड और एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशकों के साथ बैठक की और निपटान के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया। नाफेड और एनसीसीएफ के जरिए के प्याजा बाजार में आएगा। बता दें कि भारत सरकार प्याज की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड के तहत प्याज बफर स्टॉक बनाकर रखती है। केंद्र सरकार ने पहले फैसला किया था कि वह बफर स्टॉक के रूप में 2023-24 सीजन में तीन लाख टन प्याज बनाए रखेगी। 2022-23 में, सरकार ने बफर स्टॉक के रूप में 2.51 लाख टन प्याज बनाए रखा था। बफर स्टॉक किसी भी आकस्मिक स्थिति में जरूरतों को पूरा करने और मूल्य नियंत्रित रखने के लिए बनाए रखा जाता है। यदि कम आपूर्ति के मौसम के दौरान दरें काफी बढ़ जाएं तो इसका इस्तेमाल किया जाता है।

एथर का सबसे सस्ता इलेक्ट्रिक स्कूटर 450एस लॉन्च

फुल चार्ज पर 115केएम की रेंज का दावा, 450एक्स के दो अपडेटेड वर्जन भी पेश किए

नई दिल्ली।

एथर एनर्जी ने भारत में अपनी एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450एस के साथ टॉप स्पेक 450एक्स को अपडेट कर दो वैरिएंट में पेश किया है। बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी ने 450एस को 2.9 के बैटरी पैक के साथ पेश किया है। कंपनी का दावा है कि ये इलेक्ट्रिक स्कूटर फुल चार्ज पर 115 केएम चलती है।

वहीं, अपडेटेड 450एक्स को 2.9 और 3.7 के बैटरी पैक के साथ पेश किया है। इन बैटरी पैक के साथ 450एक्स अब 111 केएम और 150 केएम की रेंज प्रोवाइड करती है। इस अपडेट के बाद कंपनी के लाइन अप में शामिल इलेक्ट्रिक स्कूटरों की कीमत अब 1.30 लाख रुपए से शुरू होती है। 450एस का मुकाबला आईक्यूब, एम्पीयर प्राइमस और ओला इलेक्ट्रिक की अपकमिंग एस1 एयर से है, जबकि 450एक्स ओला एस1 प्रो को टक्कर देगी।

2500 रुपए में बुकिंग शुरू, इसी महीने से डिलीवरी

बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर एथर 450एस और 450एक्स के लिए बुकिंग पहले ही शुरू कर चुकी है। कस्टमर्स 2500 रुपए टोकन मनी देकर स्कूटर को बुक कर सकते हैं। प्री-बुकिंग अमाउंट रिफंडेबल है। कंपनी तीनों इलेक्ट्रिक स्कूटरों की डिलीवरी स्टेप-बाय-स्टेप करेगी। इसमें अगस्त के तीसरे हफ्ते तक 2.9 बैटरी पैक वाली 450एक्स, अगस्त के अंत तक 450एस और अक्टूबर 2023 में 3.7 बैटरी पैक वाली 450एक्स की डिलीवरी की जाएगी।

एथर 450एस और 450एक्स : परफॉरमेंस

एथर एनर्जी का दावा है कि मार्केट में अवेलेबल ट्रैडीशनल 125 की पेट्रोल स्कूटर की तुलना में एथर 450एस बेहतर परफॉरमेंस और बेहतर राइडिंग एक्सपीरिएंस प्रोवाइड करता है। कंपनी ने एथर 450एस और 450एक्स में इलेक्ट्रिक मोटर दी है, जो 8.58 की पावर और 26 का पीक टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी का दावा है कि 450एस इलेक्ट्रिक स्कूटर 0-40 की स्पीड मात्र 3.9 सेकेंड में हासिल कर लेती है।

ब्रिटेन-ईयू जाने वाले हर्बल फूड सप्लिमेंट का निर्यात संकट में, इस संगठन ने पीएम से मांगी मदद

नई दिल्ली।

भारत से ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन जाने वाले हर्बल फूड सप्लिमेंट का निर्यात अब संकट में फंसा है। बीते 31 जुलाई को नियमों में बदलाव के चलते बीते 10 दिन से दिल्ली, मुंबई और बैंग्लोर के हवाईअड्डों पर पड़ा है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लघु उद्योग भारती संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगते हुए नियमों पर फिर से विचार करने के लिए पत्र लिखा है। संगठन के अनुसार, देश में हर साल 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के हर्बल उत्पादों का निर्यात किया जाता है जिसका बड़ा हिस्सा यूरोप और ब्रिटेन को जाता है।

जानकारी के अनुसार, विदेश व्यापार महानिदेशालय ने भारत से ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन जाने वाले सामान को प्रमाणित करने वाली लैब में बदलाव किया है। मनुष्यों और जानवरों के इस्तेमाल में लाए जाने वाले उत्पादों को निर्यात समीक्षा आयोग यानि ईआईसी स्वीकृत लैब के माध्यम से सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य कर दिया है। पिछले माह तक यह सर्टिफिकेट शेफेक्सिल यानि शेलैक एंड फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की ओर से जारी किए जा रहे थे।

पीएम नरेंद्र मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलदेव भाई प्रजापति ने कहा है कि इस आदेश से ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन के देशों में निर्यात किया जाने वाला सैकड़ों करोड़ रुपए का माल फंस गया है। उन्होंने लिखा है कि सरकार को अपने फैसले पर फिर से विचार करते हुए राहत देने के बारे मे सोचना चाहिए और पुरानी व्यवस्था को ही जारी रखना चाहिए। संगठन ने यह भी कहा है कि अगर सरकार ने जल्द ही कोई फैसला नहीं लिया तो न केवल निर्यातकों बल्कि इस दिशा में लगे कृषि क्षेत्र के लोगों को भी बड़ा नुकसान होने की आशंका है।

कौन हैं 6000 करोड़ की संपत्ति दान करने वाले त्यागराजन उनकी कंपनी बिना सीविल देखे देती है लोन

नई दिल्ली।

श्रीराम समूह के संस्थापक राममूर्ति त्यागराजन ने अपनी 6000 करोड़ रुपए से अधिक की सपंत्ति दान में देने का फैसला किया है। उन्होंने अपने लिए सिर्फ एक छोटा सा घर और 5 हजार डॉलर (4 लाख रुपए) की कार को छोड़कर अपनी लगभग सारी संपत्ति अपने कर्मचारियों के लिए बने ट्रस्ट में देने का एलान कर दिया है। 86 साल के त्यागराजन ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, मैंने 750 मिलियन डॉलर (करीब 6,210 करोड़ रुपए) की संपत्ति दान कर दी है। हालांकि, उन्होंने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि उन्होंने संपत्ति कब दान की है।

मैं लोगों की जिंदगी से बुरा दौर खत्म करना चाहता हूं – एक साक्षात्कार में त्यागराजन ने कहा- मैं थोड़ा वामपंथी हूं, लेकिन मैं उन लोगों की जिंदगी से कुछ थोड़ी परेशानी कम करना चाहता हूं, जो संघर्ष कर रहे हैं। त्यागराजन ने ये भी कहा कि मैं वित्तीय

सेवाओं के कारोबार में ये साबित करने के लिए आया हूं कि बिना क्रेडिट हिस्ट्री और रेगुलर इनकम वाले लोगों को भी लोन देना उतना जोखिम भरा नहीं है, जितना आमतौर पर समझा जाता है।

बिना क्रेडिट हिस्ट्री देखे ऋण मुहैया कराता है श्रीराम ग्रुप – त्यागराजन ने कहा कि गरीबों को लोन देना समाजवाद का ही एक हिस्सा है। हम कोशिश करते हैं कि लोगों को कम से कम दरों पर लोन मुहैया कराया जाए। त्यागराजन ने कहा कि हमारा ग्रुप लोन देते समय कभी भी ये नहीं देखता कि ऋण लेने वाले का क्रेडिट स्कोर क्या है रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीराम समूह लोन देने से पहले ग्राहकों का सीविल नहीं चेक नहीं करता है।

1937 में पैदा हुए, 1974 में शुरू की कंपनी – आर त्यागराजन श्रीराम समूह के संस्थापक हैं। उनका जन्म 25 अगस्त, 1937 को चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में हुआ था। उन्होंने अप्रैल, 1974 में श्रीराम समूह की नींव डाली थी। उनके साथ सहसंस्थापक के रूप में एवीएस राजा और टी. जयरामन भी जुड़े थे। शुरुआती दौर में समूह बतौर चिटफंड कंपनी काम करता था, लेकिन धीरे-धीरे कंपनी ने ऋण और बीमा कारोबार में भी कदम रख दिया। श्रीराम फाइनेंस भारत की प्रमुख नन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है। श्रीराम समूह कई तरह के ऋण और बीमा से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराता है। वर्ष 2013 में भारत सरकार की ओर से त्यागराजन को पद्मभूषण नवाजा गया था।

एअर इंडिया ने नया लोगो अनवील किया

दिसंबर 2023 तक विमानों पर दिखेगा, अमीरात-कतर एयरवेज जैसे ब्रांड को टक्कर देने का प्लान

नई दिल्ली।

एअर इंडिया ने अपना नया लोगो अनवील किया। टाटा ग्रुप की एयरलाइन 15 महीने से इसपर काम कर रही थी। यह अशोक चक्र से प्रेरित पुराने लोगो की जगह लेगा। नए लोगो में सुनहरे, लाल और बैंगनी रंगों का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी ने कहा, यह लोगो असीमित संभावनाओं और भविष्य के लिए एयरलाइन का बोल्ड, कॉन्फिडेंट आउटलुक दर्शाता है। लंदन बेस्ड ब्रांड और डिजाइन कंसल्टेंसी फर्म फ्यूचर ब्रांड के साथ पार्टनरशिप में इस लोगो को डिजाइन किया गया है। यह दिसंबर 2023 से एअर इंडिया के विमानों पर दिखाई देगा। एअर इंडिया का पहला एयरबस 350 नए लोगो के साथ बेड़े में एंटर होगा। फ्यूचर ब्रांड ने अमेरिकन एयरलाइंस और ब्रिटिश लक्जरी ऑटोमोबाइल ब्रांड बेंटले के साथ ब्रांडिंग पर काम किया है।

अमीरात और कतर एयरवेज जैसे कैरियर्स को टक्कर देने का प्लान – एअर इंडिया अपने नए मेकओवर के साथ अमीरात और कतर एयरवेज जैसे कैरियर्स को टक्कर देना चाहता है।

एअर इंडिया की पहचान उसका महाराजा मैस्कट रहा है। 1946 में इसे डिजाइन किया गया था। एअर इंडिया के तब के कॉमर्शियल डायरेक्टर बॉबी कूका और विज्ञापन एजेंसी जे.वाल्टर थॉम्पसन के आर्टिस्ट उमेश राव ने मिलकर ब्रांड आइकन बनाया था। हालांकि, एअर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल विल्सन ने फरवरी में कहा था कि एअरलाइन के मेगा मेकओवर के बाद भी महाराजा इस ब्रांड का हिस्सा बने रहेंगे। एयरलाइन अपने एयरपोर्ट लाउंज और प्रीमियम क्लास के लिए महाराजा की इमेज का इस्तेमाल करना जारी रख सकती है।

नया लोगो असीमित संभावनाओं का प्रतीक – टाटा संस के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने कहा कि नया लोगो असीमित संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन को वर्ल्ड लेवल पर कॉम्पिटिटिव बनाने के लिए बहुत सारे प्रयासों की आवश्यकता है। कंपनी अब सभी ह्यूमन रिसोर्सेज को अपग्रेड करने पर फोकस कर रही है। मौजूदा बेड़े को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि एअर इंडिया ने विमानों का बड़ा ऑर्डर दिया है, लेकिन नए विमान आने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा, इस बीच, हमें अपने मौजूदा बेड़े को नवीनीकृत करना होगा और उसे स्वीकार्य स्तर पर लाना होगा।

18,000 करोड़ रुपए में खरीदी थी एयरलाइन – जनवरी 2022 में, टाटा ग्रुप ने एयरलाइन का मैनेजमेंट और कंट्रोल अपने हाथ में लिया था। इसे भारत सरकार से 18,000 करोड़ रुपए में खरीदा था। सितंबर 2022 में एयरलाइन ने इंडियन हार्ट केसाथ वर्ल्ड क्लास ग्लोबल एयरलाइन बनने की दिशा में अपने मल्टी स्टेज ट्रांसफॉर्मेशन रोडमैप को अनवील किया था।

बीते दिनों दिया था 470 विमानों का ऑर्डर – एयरलाइन ने बीते दिनों 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिया था। इस डील में एअर इंडिया को फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट मिलेंगे। 31 एयरक्राफ्ट साल के आखिर तक सर्विस में शामिल हो जाएंगे, बाकी विमान 2025 मिड तक आएंगे। इस डील को मंजूरी मिल गई है।

ग्लोबल एविएशन लीडर बनना चाहता है एअर इंडिया – एअर इंडिया नए एयरक्राफ्ट को बेड़े में शामिल कर दुनिया के लंबी दूरी के अन्य डेस्टिनेशन्स तक भी अपनी सर्विस को बढ़ाना चाहता है। यहां अभी विदेशी एयरलाइंस का दबदबा है और वो बड़े आराम से मार्केट के इस बड़े हिस्से को कंट्रोल कर रही हैं। एअर इंडिया के इस मार्केट में उतरने से गल्फ कैरियर्स को सीधे-सीधे भारतीय एयरलाइन से टक्कर मिलेगी।

देवरकोंडा और सामंथा की फिल्म कुशी के ट्रेलर की शानदार झलक आई सामने

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म कुशी का ट्रेलर आखिरकार देश भर में रिलीज हो चुका है। हैदराबाद में हुए एक भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म की कास्ट, क्रू और मीडिया की उपस्थिति के बीच ट्रेलर की झलक दिखाई गई। इस इवेंट में देश भर से 300 से अधिक जर्नलिस्ट शामिल हुए और जो कुशी की खूबसूरत दुनिया के दीवाने हो गए। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को आराध्या और विप्लव की दिल छू लेने वाली दुनिया में ले जाता है, जो रोमांस की एक रिलेटेबल लेकिन खूबसूरत दुनिया बनाते हैं और सभी को अपने प्यार के सफर में ले जाते हैं। हालांकि जिंदगी की तरह इस सफर में भी

उतार-चढ़ाव, संघर्ष और कुछ खट्टे-मीठे पल शामिल हैं। ट्रेलर में विजय और सामंथा की जबरदस्त केमिस्ट्री दर्शकों को इतना भा जाएगी कि उन्हें इस जोड़ी से प्यार होने में जरा भी वक्त नही लगेगा। ये ट्रेलर ह्यूमर, आकर्षक म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स के साथ इंटेंस इमोशन्स का एक आदर्श कॉम्बिनेशन है। इसमें बेहद टैलेंटेड सपोर्टिंग कास्ट में मुरली शर्मा और सचिन खेडेकर जैसे नाम भी नजर आए हैं। कुशी का म्यूजिक पहले ही चार्ट्स में टॉप पर है और प्यार में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति की प्लेलिस्ट का हिस्सा बना हुआ है। शिव निर्वाण द्वारा लिखित और निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में दिलों को खुश करने और प्यार का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

द फ्रीलांसर में अहम भूमिका निभाएंगे नवनीत

बालीवुड अभिनेता नवनीत मलिक एक रोमांचक नए प्रोजेक्ट की शुरूआत करने वाले हैं। एक्टर फिल्म निमार्ता नीरज पांडे की अपकमिंग सीरीज द फ्रीलांसर में नेगेटिव किरदार निभाते नजर आएंगे। नवनीत मलिक ने लव हॉस्टल और हीरोपंती 2 में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। नवनीत पहली बार स्क्रीन पर नेगेटिव किरदार निभा रहे हैं। उसी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहाः द फ्रीलांसर में, मैं मोहसिन का किरदार निभा रहा हूं, जो आलिया का पति है। दोनों प्यार में डूबे कपल है, लेकिन उनके खुशहाल जीवन में एक खतरनाक मोड़ आता है, जो सीरीज की कहानी में ट्विस्ट लाने का काम करता है। मैं एक ग्रे किरदार निभा रहा हूं, जिसका मतलब है कि दर्शकों को मोहसिन के अच्छे और बुरे दोनों पक्ष देखने को मिलेंगे। शो का हिस्सा बनने के अपने फैसले पर, नवनीत ने कहा, जब मुझे पता

चला कि इस सीरीज को नीरज पांडे सर बना रहे है, तो मैं बहुत खुश हुआ और जानता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। और जब मुझे अपने किरदार के बारे में पता चला, ऐसा लगा जैसे यह मेरे लिए ही बनाया गया हो। उन्होंने कहा, मोहसिन का किरदार निभाने से मुझे पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों शेड्स दिखाने का मौका मिलता है और मैं अपने करियर के इस पड़ाव पर इससे बेहतर मौके की उम्मीद नहीं कर सकता। कथानक, कहानी और पात्र बिल्कुल अद्भुत हैं, और मैं कहानी में बड़ा प्रभाव डालूंगा। द फ्रीलांसर में फ्रीलांसर के रूप में मोहित रैना, शानदार एनालिस्ट डॉ. खान के रूप में अनुपम खेर और आलिया के रूप में कश्मीरा परदेसी शामिल हैं। यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है। कहानी युद्धग्रस्त सीरिया में बंदी बनाई गई एक युवा लड़की को बचाने के रेस्क्यू ऑपरेशन के इर्द-गिर्द घूमती है।

ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आयेंगी सुष्मिता

बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक बार फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार हैं। वेब सीरीज ताली में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब वेब सीरीज का दमदार टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में सुष्मिता अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ती नजर आ रही हैं। टीजर की शुरूआत सुष्मिता सेन के लाल बिंदी लगाने से होती है जो उनकी ताकत को दशार्ता है। इस टीजर के वॉइस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, गाली से ताली तक। फिर फ्रेम उसके संघर्ष और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित हो जाता है, जो तीसरे लिंग को पहचानने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म में सुष्मिता का किरदार उग्र लग रहा है और वह श्रीगौरी सावंत के रूप में ऐसी रच

बस गई हैं कि उनकी असली पहचान कहीं नजर नहीं आ रही। यह वेब सीरीज कोई फिक्शन नहीं बल्कि रियल लाइफ पर आधारित है। वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त से जियोसिनेमा पर मुफ्त में होगा। रवि जाधव द्वारा निर्देशित, वेब श्रृंखला क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है और अर्जुन सिंह बारन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला द्वारा समर्थित है। फिल्म का टीजर शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गाली से ताली तक के सफर की ये कहानी। पेश है भारत के तीसरे लिंग के लिए श्रीगौरी सावंत की लड़ाई की कहानी। टालीऑन जियोसिनेमा 15 अगस्त से मुफ्त स्ट्रीमिंग। 2008 में, उनकी मां के एड्स से पीड़ित होने के बाद उन्होंने गायत्री नाम की एक लड़की को गोद लिया। गौरी ने विक्स के एक विज्ञापन में काम किया जिसमें उनकी कहानी और गोद लेने की यात्रा को दशार्या गया था।

डॉन 3 में रणवीर सिंह निभाएंगे नए डॉन का किरदार

रणवीर सिंह ने पहना नए डॉन का ताज, फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित होगी प्रतिष्ठित डॉन फ्रेंचाइजी अपने आकर्षक लुक, बेमिसाल प्रतिभा और यादगार प्रदर्शन देने वाले, रणवीर सिंह 2025 की बहुप्रतीक्षित एक्शन फ्रेंचाइजी में से एक में एक कमाल के किरदार के साथ नई भूमिका में कदम रखने के लिए तैयार हैं। डॉन सीरीज हमेशा दिलचस्प कहानियों, जबरदस्त रोमांचक एक्शन और ना भूलने वाले क्षणों से भरी रही है और रणवीर सिंह की बहुमुखी प्रतिभा इस प्रतिष्ठित भूमिका के लिए बिल्कुल सही चॉइस है। अपने किरदारों में गहराई और तीव्रता लाने की क्षमता के लिए जाने जानें वाले, रणवीर अपने से पहले आए लोगों की विरासत का सम्मान करते हुए, फ्रेंचाइजी पर एक ना मिटने वाली छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। फिल्म डॉन 3

में रणवीर सिंह जाने माने फिल्म निमार्ता फरहान अख्तर के साथ काम करते नजर आएंगे, जो इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बार फिर निर्देशक की कमान संभालेंगे। एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित यह फिल्म 2025 में रिलीज होने वाली है।

हिंदी प्रोडक्शन में नजर आएंगी वामिका गब्बी

-एटली के अगले प्रोडक्शन में वरुण भी होंगे साथ

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी फिल्म निमार्ता एटली की अपकमिंग हिंदी प्रोडक्शन में नजर आएंगी, जिसमें वरुण धवन भी हैं। वर्तमान में अपकमिंग प्रोजेक्ट का टाइटल तय नहीं हो पाया है। फिलहाल, इसे हैशटैग वीडी18 के नाम से जाना जाता है और यह 31 मई, 2024 को रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर रोमांचित और आभारी हूं। वरुण और कीर्ति सुरेश के साथ काम करने का अवसर निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। मैं फुल कर्मिशियल हिंदी प्रोजेक्ट की तलाश में थी और यह बस इतना ही है। मैं मुराद सर और एटली के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। ग्रहण, माई और हाल ही में रिलीज हुई जुबली में शानदार परफॉर्मेंस के साथ इंडस्ट्री में अपनी योग्यता साबित करने के बाद, वामिका इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म की के लिए फेमस टैलेंटेड स्क्रीनराइटर कलीज द्वारा लिखित, यह फिल्म एक रोमांचक सिनेमाई एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। शानदार कलाकारों और सम्मोहक कहानी के ऐसे पावर-पैक कॉम्बिनेशन के साथ, हैशटैग वीडी18 साल 2024 की सबसे सफल फिल्मों

में से एक होने की उम्मीद है। इसके अलावा, वामिका वर्तमान में बुडापेस्ट की अगली फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, और वह विशाल भारद्वाज की पहली ओटीटी सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली और नेटफ्लिक्स के साथ विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म खुफिया में तब्बू सह-कलाकार हैं, का इंतजार है। उन्होंने हिंदी फिल्म जब वी मेट में एक छोटी सी भूमिका के साथ स्क्रीन पर अपनी शुरूआत की। लेकिन उन्हें बड़ी सफलता यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल के साथ फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 (2013) से मिली। फिर उन्होंने इश्क ब्रांडी (2014), निक्का जैलदार 2 (2017), परहुना (2018), दिल दियां गल्लां (2019) और निक्का जैलदार 3 (2019) जैसी कई पंजाबी फिल्मों में अभिनय किया।वामिका ने पंजाबी, हिंदी, तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में काम किया है।

फिल्म मस्ताने का ट्रेलर अब सिनेमाघरों में

पंजाबी फिल्म मस्ताने का ट्रेलर अब सिनेमाघरों में आ गया है। उत्साह से भरपूर, ट्रेलर में एक्शन, ड्रामा और इतिहास के कुछ महत्वपूर्ण पन्नों का सही मिश्रण दिखाया है, जिससे दर्शकों को फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। प्रभावशाली कलाकारों और दिलचस्प कहानी के साथ, मस्ताने ने निस्संदेह पंजाबी सिनेमा प्रेमियों की रुचि बढ़ा दी है। परंपरागत रूप से, फिल्म के ट्रेलर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जारी किए जाते हैं, जिससे प्रशंसकों को देखने और अपना उत्साह साझा करने का मौका मिलता है। मस्ताने और नाटकीय ट्रेलर प्रीमियर से संबंधित हैशटैग ट्विटर पर ट्रेंड कर रहे हैं, प्रशंसकों ने फिल्म की टीम द्वारा अपनाए गए अनूठे दृष्टिकोण के लिए अपनी प्रशंसा और प्रशंसा व्यक्त की है। हालांकि, मस्ताने के निमार्ताओं ने एक नया रास्ता बनाने का फैसला किया और पहले ट्रेलर को विशेष रूप से सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया।

घूमर के निमार्ताओं ने जारी किया टाइटल ट्रैक

घूमर फिल्म के निमार्ताओं ने टाइटल ट्रैक जारी किया है, जिसे ग्लोबल क्रिकेट आइकनों से भी सराहना मिली। घूमर गाना पारंपरिक और कंटेम्परری ट्यून्स को एक साथ लाता है, जो दर्शकों के दिल को छू लेने वाली धुन का वादा करता है। अमित त्रिवेदी द्वारा रचित और कौसर मुनीर के गीतों से सुसज्जित यह गीत भावना और मेलोडी का एक दमदार फ्यूजन प्रस्तुत करता है।दीपाक्षी खलीता और अल्तमश फरीदी की आवाज मंत्रमुग्ध कर देने वाली है और गाने के थीम को सशक्त ढंग से व्यक्त करती है।

घूमर में अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं शबाना आजमी और अंगद बेदी अहम किरदार में हैं। यह अमिताभ बच्चन की एक कमेंटेटर के रूप में पहली फिल्म है। फिल्म का यह गाना विजुअल्स और जीत की एक मानवीय यात्रा का वर्णन करता है।

किम ने लेटेस्ट तस्वीरें हो रही खूब वायरल

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम ब्लैक ब्रालेट में अपनी बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग लैदर जीन्स पहनी हुई है और हाई पोनी से लुक को कंप्लीट किया है। अपनी सेक्सी बैक फ्लॉन्ट करते हुए किम कैमरे के सामने मुड़ मुड़ कर पोज दे रही हैं और फैंस को अपने लुक का दीवाना बना रही हैं। बता दें, किम कार्दशियन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी स्टनिंग तस्वीरें शेयर करती

रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 363 मिलियन फॉलोअर्स हैं। हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन अपने लुक्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोज शेयर कर कहर बरपाती रहती हैं।

सनी देओल इस 1 शर्त पर बनाएंगे गदर 3

-गदर 2 की रिलीज से पहले ही किया बड़ा खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स, दिल को छू लेने वाले पिता-पुत्र के बंधन के अलावा गदर 2 का पूरा एल्बम अपनी रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। फिल्म और इसके चार्टबस्टर गानों का जश्न मनाने के लिए, निमार्ताओं ने बीते दिनों उत्तर प्रेदश के गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम में फैंस के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें चकाचौंध और ग्लैमर था, जिसमें फिल्म की पूरी स्टार कास्ट- सनी देओल, अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा, गौरव चोपड़ा, सिमरत कौर और निर्देशक अनिल शर्मा शामिल थे। कार्यक्रम में गायक उदित नारायण और संगीत निर्देशक-गायक मिथुन भी मौजूद थे, जिन्होंने गदर 2 के गाने गाकर हजारों की संख्या पर मौजूद फैंस का दिला जीत लिया। इसके अलावा सनी देओल और अमीषा पटेल ने गदर 2 के दोनों पॉपुलर गाने उड़ जा काले और मैं निकला।.. पर डांस भी करते नजर आए और अपने फैंस से फिल्म देखने की अपील भी की। इस दौरान सनी

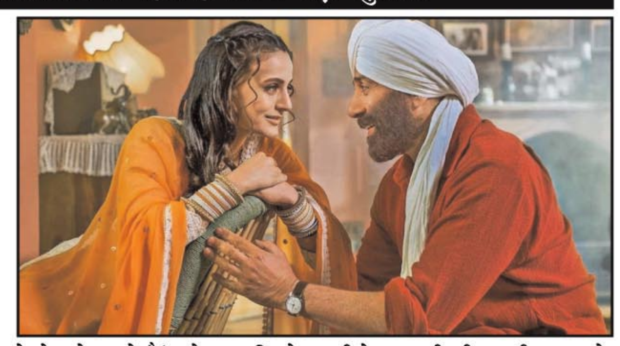

देओल ने अपने फैंस से कहा कि वे उनकी जान हैं और उन्होंने पूरी उम्मीद है कि इस बार भी गदर मचेगा। वहीं, कार्यक्रम के लास्ट में सनी ने लोगों के सामने एक शर्त रखा। उन्होंने कहा कि अगर गदर 2 सफल होती है, तो वो गदर 3 भी लाएंगे। इसका मतलब ये हुआ कि अगर बॉक्स ऑफिस पर गदर 2 सफल साबित होती है तो सनी इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी लेकर आएंगे। बता दें कि अभिनेता सनी देओल और मशहूर एक्ट्रेस अमीषा पटेल इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म गदर 2 को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं। तारा सिंह और सकीना की प्रेम कहानी की वापसी गदर 2 के निर्माण की शुरूआत से ही चर्चा का विषय रही है। पहली फिल्म गदर ने बड़ी छाप छोड़ी, और अब गदर 2 के लिए जबरदस्त उत्साह है। निमार्ताओं ने दर्शकों को इसके लोकप्रिय गीतों की याद दिलाना तय किया है, जैसे घर आजा परदेसी के तेरी मेरी एक जिंदरी और मैं निकला गड्डी लेके की पुरानी यादों को जगाने के लिए इन्हें नई धुनों से सजाई गई है। वहीं, फिल्म के नए गाने कहानी को आगे ले जाते हैं, क्योंकि तारा पाकिस्तान में अपने बेटे जीते को खोजने की यात्रा पर निकलता है।

यौन शिक्षा पर प्रकाश डालने वाली फिल्म 'ओएमजी 2' से पंकज-यामी ने जीता दिल

अक्षय कुमार, यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी स्टारर 'ओएमजी 2' आज रिलीज हो गई है। आइए जानते हैं आखिर क्या है इस फिल्म की कहानी। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म आज 11 अगस्त को रिलीज हो गई और फिल्म की कहानी सभी को पसंद आ रही है। आइए जानते हैं "ओएमजी 2" में आखिर क्या देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी कांति शरण मुद्गल यानी पंकज त्रिपाठी के इर्द-गिर्द घूमती है। कांति के बेटे का स्कूल के टॉयलेट में मास्टरबेट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शुरू में कांति लड़के को दोषी ठहराती है और समाज में उसके साथ भेदभाव किया जाता है। कांति के बेटे को स्कूल से निकल दिया जाता है। कांति को महाकाल पर भरोसा है। वे भगवान से सबकुछ ठीक होने की प्रार्थना करते

हैं। उस वक्त अक्षय कुमार ने महादेव बनकर एंट्री की थी। फिर उसके बेटे ने ऐसा क्यों किया? इस बात का कांति को एहसास होता है और फिल्म की कहानी में ट्विस्ट आ जाता है। कांति बच्चे के केस लेकर कोर्ट जाता है। कांति इस बात पर जोर देता हैं कि उनके बेटे ने स्कूलों में यौन शिक्षा की कमी के कारण यह कदम उठाया। उन्होंने अदालत में स्वीकार किया कि इस मामले में कांति की भी गलती है। साथ ही यामी गौतम कांति के खिलाफ केस लड़ती नजर आ रही हैं। अब अदालत में कांति और यामी के बीच वास्तव में क्या बातचीत हुई, भगवान शिव के रूप में अक्षय कुमार कैसे कांति की मदद करते हैं, यह फिल्म में देखने को मिलेगा। फिल्म 'ओएमजी 2' का सकारात्मक पहलू यह है कि फिल्म में यौन शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा कुछ अन्य छोटी-छोटी बातों पर भी प्रकाश डाला गया है। फिल्म की शुरूआत में ही यह पश्चिमी संस्कृति के रिश्तों पर निशाना साधती है। फिल्म के शुरूआती दृश्यों में ही डॉक्टर कांति के बेटे के बारे में खुलकर कुछ नहीं बोलता, कुछ और शब्दों का इस्तेमाल करते हुए घूमता नजर आता है। इससे यह भी पता चलता है कि अगर परिवार में उचित संवाद न हो तो चीजें किस हद तक जा सकती हैं। जहां तक तकनीकी पहलुओं की बात है तो बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा बनाया गया है। कैमरा-एडिटिंग और सिनेमेटोग्राफी बेहतर की जा सकती थी। फिल्म की कहानी कहीं-कहीं बोरिंग लगती है तो कहीं दिलचस्प मोड़ लेती है। अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम तीनों कलाकारों की एक्टिंग शानदार है।

सूडोकु नवताल- 6520

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6519 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्दजाल - 7267

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आगरा, अलीगढ़, इलाहबाद, आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ

शब्दजाल - 7266 का हल

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	जीं
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मों	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6220

	6		3		2	5
	32	2	31		32	
2		5			7	
	27		26	1	39	6
	1	3			6	
7	33		32	7	38	
3		1		5		2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6219 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	25	1	28	6	41	6
3	7	6	1	2	4	5
4	38	4	24	4	29	4
5	7	2	4	1	6	3
6	45	7	33	7	25	2
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशियाड टीम में सिलेक्शन न होने पर बोले धवन : खुद का नाम न देखकर मैं हैरान था, वापसी के लिए तैयार हूं

नई दिल्ली ।
भारत के अनुभवी ओपनर शिखर धवन ने एशियन गेम्स खेलने वाली भारतीय क्रिकेट टीम में खुद चयन न होने पर प्रतिक्रिया दी है। इस लेफ्टी ओपनर ने कहा है कि मैं हैरान था, लेकिन मैं आने वाले समय में नेशनल टीम में वापसी करने के लिए दृढ़ निश्चय हूं। 37 साल के इस लेफ्टी ओपनर ने कहा– टीम देखकर पहले हैरान था, फिर मुझे लगा कि सिलेक्टर्स की सोचने की प्रोसेस अलग होगी और इसे स्वीकार करना होगा। एशियन गेम्स का आयोजन चीन के हांगझोऊ शहर में सितंबर–अक्टूबर में होना है। खुश हूं कि ऋतुराज टीम लीड करेगा धवन ने कहा– 'खुश हूं कि ऋतु (गायकवाड़) टीम की अगुआई करेगा। इसमें सभी युवा खिलाड़ी हैं, मुझे पूर भरोसा हे कि वे अच्छा करेंगे। मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन अगर कोई मौका मिलता है तो मैं इसके लिए तैयार रहूंगा। मौका हमेशा रहता है, भले ही 1प्रतिशत हो अपनी वापसी पर धवन ने कहा– मैं निश्चित रूप से तैयार रहूंगा (वापसी के लिए)। इसलिए मैं खुद को फिट रखे हूं (ताकि जब भी मौका मिले मैं तैयार रहूं)। हमेशा मौका रहता है, भले ही एक प्रतिशत हो या फिर 20 प्रतिशत। मुझे अब भी ट्रेनिंग में मजा आता है और मुझे खेल में आनंद मिलता है, ये चीजें मेरे कंट्रोल में हैं, जो भी फैसला हुआ, मैं उसका सम्मान करता हूं।

एशियन गेम्स की टीम में धवन का नाम नहीं

भारत के टॉप क्रिकेटर इन दिनों अपने घर में होने जा रहे वर्ल्ड कप की तैयारियों में लगे हैं। बीसीसीआई ने कुछ दिन पहले एशियाड में हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया है। टीम के चयन पर धवन को नजरअंदाज किया गया, जबकि ऋतुराज गायकवाड को युवा टीम की कप्तानी सौंपी गई है। इस टीम में धवन को कप्तान बनाने की उम्मीद की जा रही थी, क्योंकि वे 10 महीने पहले तक युवा टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें नहीं चुना और गायकवाड को कप्तान बनाया।

8 महीने पहले खेला था आखिरी मैच

शिखर धवन ने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 8 महीने पहले 10 दिसंबर 2022 को खेला था। यह मुकाबला चटोग्राम में बांग्लादेश के खिलाफ खेला गया था।

क्या धवन को पीछे छोड़ चुके हैं सिलेक्टर्स

पिछले 8 महीने से धवन का चयन न होने पर सवाल उठने लगा है कि क्या भारतीय टीम धवन को पीछे छोड़ चुकी है, क्योंकि वे दिसंबर 2022 में बांग्लादेश दौरे के बाद से वनडे टीम से बाहर किये जाने तक एक दिवसीय प्रारूप के खिलाड़ी बन गए थे। पिछले दशक से भारत के शीर्ष वनडे बल्लेबाजों में शुमार धवन की जगह कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर में पारी की शुरुआत कर रहे हैं, हालांकि धवन अब भी केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर हैं और काफी समय नेशनल क्रिकेट अकादमी में बिताते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टीम इंडिया में चयन के बारे में नहीं सोच रहा: पृथ्वी शॉ बोले- इंग्लैंड का डोमेस्टिक क्रिकेट एंजॉय करना चाहता हूं

नई दिल्ली । एक दिन पहले इंग्लैंड के वनडे कप टूर्नामेंट में नॉर्थम्पटनशायर के लिए रिकॉर्ड 244 रन की पारी खेलने वाले पृथ्वी शॉ ने कहा है– मैं इस समय नेशनल टीम में सिलेक्शन के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं इंग्लैंड का डोमेस्टिक क्रिकेट एंजॉय करना चाहता हूं। 23 साल के शॉ ने समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टी–20 सीरीज से बाहर रखा गया। वे आयरलैंड सीरीज और एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। मैच के बाद शॉ ने कहा कि नॉर्थम्पटनशायर ने मुझे यहां खेलने का मौका दिया है और मैं अनुभव लेना चाहता हूं। मौका देने के लिए टीम का धन्यवाद। टीम मेरा बहुत ख्याल रख रही है। शॉ ने अपनी पारी के बाद कि मैच की शुरुआत से ही मैं बेहतर महसूस कर रहा था। मौसम साफ था और भारत की तरह ही नॉर्थम्पटनशायर मैदान पर अच्छी धूप निकली हुई थी। बल्लेबाजी करने के लिए यह बेस्ट समय था। मुझे पता था कि मैं आसानी से आउट नहीं होने वाला। जब मैंने 150 रन बनाए तब मुझे लगा कि मैं गेंद को अच्छे से टाइम कर रहा हूं और यह मेरे लिए बड़ी पारी खेलने का दिन हो सकता है। पृथ्वी शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट ए मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी। 2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर–19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्नीक कमजोर नजर आई। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके।

पूर्व भारतीय कप्तान सरदार और रानी सब-जूनियर टीमों के कोच: हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट दिलीप तिर्की ने फैसला लिया

नई दिल्ली । हॉकी टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सरदार सिंह और रानी रामपाल को भारतीय सब जूनियर टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। हॉकी इंडिया की 100वीं एग्जक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इन दोनों दिग्गजों को सब जूनियर टीम का कोच नियुक्त करने की घोषणा की। सरदार सिंह अंडर–17 बॉयज और रानी रामपाल अंडर–17 गर्ल्स टीम की हेड कोच होंगी। सरदार सिंह 2008 से 2016 तक हॉकी टीम के कप्तान रहे। इन्हें सरदारा सिंह के नाम से भी जाना जाता है। सरदार मिडफील्डर थे। भारत सरकार ने साल 2012 में सरदार को अर्जुन पुरस्कार से और 2015 में पद्म श्री से भी सम्मानित किया था। हॉकी टीम को एक लंबा वक्त देने के बाद सिंह ने साल 2018 में संन्यास लिया था। रानी रामपाल की कप्तानी में विमेंस टीम टोक्यो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। रानी रामपाल साल 2010 वर्ल्ड कप में भाग लेने वाली भारतीय हॉकी टीम की सबसे कम्र उम की खिलाड़ी थीं। 15 साल की उम्र में उन्होंने वर्ल्ड कप खेला। रानी ने 14 साल की उम्र में अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेला। साल 2009 में रानी ने भारत को एशिया कप के दौरान सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स और 2010 के एशियन गेम्स खेलने वाली टीम की हिस्सा रही थीं।

रानी रामपाल

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए पाक टीम में अशरफ और शकील की वापसी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अफगानिस्तान के खिलाफ 22 अगस्त से श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। श्रीलंका में खेली जाने वाली इस एकदिवसीय सीरीज के लिए पाक की 18 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर फहीम अशरफ और सऊद शकील को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही पाक चयनकर्ताओं ने तैयब ताहिर को भी टीम में जगह दी है। ताहिर इस सीरीज से एकदिवसीय पदार्पण करेंगे। यह सीरीज अफगानिस्तान में होनी थी पर राजनीतिक तनावों के कारण दोनों बोर्ड ने श्रीलंका के तटस्थ स्थल पर ही सीरीज कराने का फैसला किया। अशरफ ने पाकिस्तान की ओर से अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला जुलाई 2021 में खेला था। वहीं शकील ने इस प्रारूप में अंतिम मुकाबला मार्च 2022 में खेला था।

रोहित बोले– नंबर–4 पोजिशन बड़ी समस्या

युवी के बाद कोई टिका ही नहीं ; श्रेयस फिट नहीं हुए तो वर्ल्ड कप में दिक्कतें आएंगी

नई दिल्ली ।
भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, एशिया कप और वर्ल्ड कप से पहले नंबर–4 की पोजिशन हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या है। युवराज (सिंह) के रिटायरमेंट के बाद से इस पोजिशन पर कोई खिलाड़ी अपनी जगह पक्की नहीं कर सका। अगर श्रेयस अय्यर समय पर फिट नहीं हुए तो हमें एशिया कप और वर्ल्ड कप में बहुत दिक्कतें आएंगी। 36 साल के रोहित ने मुंबई में ला लीगा के स्पेशल इवेंट में रिपोर्टर्स के सवालों के जवाब दिए। रोहित फुटबॉल लीग ला लीगा के नए ब्रांड एम्बेसडर बनाए गए हैं। स्पेनिश लीग 11 अगस्त से स्पेन में शुरू हो रही है।

श्रेयस ने नंबर-4 पर अच्छा किया, लेकिन उनकी फिटनेस बड़ी समस्या

नंबर–4 पोजिशन लम्बे समय से हमारे लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। युवी (युवराज सिंह) के रिटायरमेंट के बाद से इस पोजिशन पर कोई भी टिक नहीं सका। श्रेयस (अय्यर) ने पिछले कुछ समय में इस पोजिशन पर अच्छा परफॉर्म किया है। उनके स्कोर भी अच्छे हैं, लेकिन इंजरी के कारण बहुत परेशानी हुई। इंजरी के चलते उन्होंने कई मैच मिस किए। सच कहूं तो इंजरी ने पिछले 4–5 साल में टीम को बहुत परेशान किया। इंजरी की वजह से जब प्लेयर्स अवेलेबल नहीं रह पाते तो नए खिलाड़ियों को मौका मिलता है। लेकिन इंजरी या फॉर्म के कारण नंबर–4 की पोजिशन पर कोई खिलाड़ी टिक ही नहीं पाया।

श्रेयस और राहुल की इंजरी बड़ी, उनका फॉर्म बहुत जरूरी

श्रेयस (अय्यर) और केएल (राहुल) इंजरी और सर्जरी के कारण 4 महीने से क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। दोनों की सर्जरी हुई। मेरी भी सर्जरी हुई थी, मुझे पता है इसके बाद कैसा महसूस होता है। फॉर्म में आना (सर्जरी के बाद) मुश्किल रहता है, लेकिन हम देखेंगे कि दोनों प्लेयर्स कैसा रिस्पॉन्ड कर रहे हैं। इसके बाद ही उनके सिलेक्शन पर विचार होगा।

वर्ल्ड कप टीम में किसी का सिलेक्शन तय नहीं

सिलेक्शन मीटिंग कुछ ही दिनों में होगी। हम इंजरी से वापसी कर रहे खिलाड़ियों पर बात करेंगे। लेकिन सच कहूं तो किसी के भी सिलेक्शन की गारंटी नहीं है, सभी को टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए परफॉर्म करना ही होगा। हम देखेंगे कि वर्ल्ड कप और एशिया कप से पहले टीम का कॉम्बिनेशन किस तरह जा रहा है, उसी हिसाब से टीम चुनेंगे। हम किसी भी खिलाड़ी के लिए नहीं कह सकते कि आपकी जगह टीम में तय है। हां, कुछ खिलाड़ियों को जरूर पता है कि वे खेलेंगे ही। वेस्टइंडीज में 3 वनडे खेलने से हमें कुछ नए खिलाड़ियों के बारे में पता चला। आगे एशिया कप भी है, जहां अच्छे लेवल की टीमों से सामना होगा। एशिया कप वर्ल्ड कप से ठीक पहले खेला जाएगा। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में होगा। एशिया कप के बाद 5 अक्टूबर से भारत में वनडे वर्ल्ड कप भी शुरू हो जाएगा।

एशिया कप में खिलाड़ी प्रेशर में परफॉर्म करना सीखें

हम एशिया कप जीतने के लिए ही खेलेंगे, लेकिन वर्ल्ड कप से पहले कई सवालों के जवाब भी चाहिए। एशिया कप में मैं चाहूंगा कि हमारे बैटर्स क्वालिटी टीमों के खिलाफ प्रेशर में परफॉर्म करना सीखें। हमारे पास कई खिलाड़ी हैं, मैं देखना चाहूंगा कि कौन प्रेशर में अच्छा परफॉर्म करता है। एक या 2 नाम होने से तो अच्छा है ज्यादा खिलाड़ियों के ऑप्शन होना। मैं फिर भी चाहूंगा कि इंजर्ड खिलाड़ी फिट हो जाएं। वो (राहुल और श्रेयस) एनसीए में पिछले 4 महीने से अपनी फिटनेस पर मेहनत कर रहे हैं। दोनों में अच्छा प्रोग्रेस हुआ है, उम्मीद तो यही है कि दोनों फिट हो जाएं।

युवराज ने 2017 में रिटायरमेंट लिया

रोहित शर्मा ने युवराज सिंह की बात की, जिन्होंने 2011 के वर्ल्ड कप में भारत के लिए नंबर–4 पर बैटिंग की थी। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने टीम के लिए इस पोजिशन पर 113 मैचों में 3384 रन बनाए हैं। इनमें 6 सेंचुरी और 17 फिफ्टी भी शामिल हैं। उन्होंने टीम के लिए ओवर ऑल 304 वनडे खेले, उन्होंने 2017 में चैंम्पियंस ट्रॉफी खेलने के बाद रिटायरमेंट ले लिया। युवी ने वनडे में 8701 रन बनाए हैं।

भारत ने नंबर-4 पर 3 प्लेयर्स आजमाए

युवी के रिटायरमेंट के बाद से वनडे में नंबर–4 की पोजिशन भारत के लिए हमेशा से एक समस्या रही। टीम ने इस पोजिशन पर श्रेयस अय्यर के साथ विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत, केएल राहुल, संजू सैमसन और ईशान किशन को भी आजमाया। अय्यर ने इस पोजिशन पर 805 रन बनाए, लेकिन बाकी बैटर कुछ खास नहीं कर सके। अय्यर फिलहाल इंजर्ड हैं, अगर वह वर्ल्ड कप के लिए फिट नहीं हुए तो इस पोजिशन पर भारत की समस्या आखिर तक समस्या ही रहेगी। पंत कार एक्सीडेंट में चोटिल होने का बाद रिकवरी कर रहे हैं, वहीं राहुल भी सर्जरी के बाद अय्यर के साथ ही टीम इंडिया में वापसी करेंगे।

शाकिब अल हसन बांग्लादेश टीम के नए वनडे कप्तान

एशिया कप और वर्ल्ड कप में टीम लीड करेंगे; जल्दी होगी टीम की घोषणा

नई दिल्ली ।
शाकिब अल हसन को बांग्लादेश क्रिकेट टीम का नया वनडे कप्तान बनाया गया है। वो एशिया कप और 2023 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम को लीग करेंगे। शाकिब टीम में तमीम की जगह लेंगे, जिन्होंने एक सप्ताह पहले कप्तानी छोड़ दी थी।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा, शाकिब अल हसन एशिया कप और वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश के वनडे कप्तान होंगे। वर्ल्ड कप और एशिया कप टीम की घोषणा की जाएगी। सिलेक्टर्स 17 सदस्यों की टीम चुनेंगे।

शाकिब को 52 वनडे मैचों में कप्तानी का अनुभव

शाकिब हसन ने 2009 और 2017 के बीच 52 वनडे मैचों में बांग्लादेश की टीम की कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में टीम को 23 बार जीत और 26 बार हार मिली है। जबकि तीन मैच का रिजल्ट नहीं निकल सका।

शाकिब इंटरनेशनल करियर

शाकिब ने बांग्लादेश के लिए 66 टेस्ट, 235 वनडे और 117 टी–20 मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 4454 रन, वनडे में 7211 और टी–20 में 2382 रन बनाए हैं। इस स्टार ऑलराउंडर ने टेस्ट में 233, वनडे में 305 और टी–20 में 140 विकेट लिए हैं।

तमीम इकबाल ने वनडे कप्तानी छोड़ी

बांग्लादेश के बायें हाथ के बल्लेबाज तमीम इकबाल ने सात दिन पहले कमर की चोट के कारण बांग्लादेश की वनडे टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और वो वह एशिया कप में भी नहीं खेलेंगे। पिछले महीने तमीम इकबाल ने अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद अचानक रिटायरमेंट ले लिया था। इसके एक दिन बाद ही इकबाल ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के कहने पर रिटायरमेंट का फैसला वापस ले लिया था।

खास ट्रेनिंग के लिए छह पहलवान रोमानिया पहुंचे, 15 दिन की तैयारी के बाद एशियाई खेलों में दिखाएंगे दम

नई दिल्ली ।
एशियाई खेलों से पहले भारतीय खेल मंत्रालय ने छह ग्रीको रोमन स्टाइल पहलवानों को खास ट्रेनिंग के लिए रोमानिया भेजा है। ये सभी पहलवान 15 दिन तक खास तैयारी करने के बाद एशियाई खेलों में भारत के लिए अपना दम दिखाएंगे। खेल मंत्रालय अपनी खास योजना असिस्टेंट एनएसएफ स्कीम के जरिए खिलाड़ियों को अपने खर्चे पर विदेशों में खास ट्रेनिंग के लिए भेजता है और ये पहलवान भी इसी योजना के तहत रोमानिया भेजे गए हैं।

पहलवानों के साथ सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य भी रोमानिया गए हैं। यहां पहलवान ट्रेनिंग के साथ ही प्रतियोगिता में भी भाग लेंगे। इससे एशियाई खेलों से पहले उनकी मैच प्रैक्टिस भी होगी और तैयारी बेहतर होगी। ग्रीको–रोमन स्टाइल के पहलवान 18 से 20 अगस्त तक आयन कॉर्नियानु और लैडिस्लाऊ साइमन प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

भारतीय पहलवान 15 दिन तक रोमानिया में रहेंगे और इस दौरान होने वाला पूरा खर्च खेल मंत्रालय वहन करेगा। इसमें टीम के प्रशिक्षण में लगने वाला खर्च, बोर्डिंग/आवास, हवाई किराया, वीजा और जेब खर्च भी शामिल है। भारत के जिन पहलवानों को रोमानिया भेजा गया है, उनमें एक टॉप्स स्कीम के जरिए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा और दो पहलवानों ने खेलों इंडिया गेम्स के जरिए राष्ट्रीय दल में जगह बनाई है। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्तूबर के बीच चीन के हांग्झू शहर में होगा।

विश्व कप 2023 के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में तेजी से चल रही तैयारियां

बेंगलुरू ।
इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए यहां के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने स्टेडियम में सुधार (नवीनीकरण) का जरूरी कार्य शुरू कर दिया है। विश्व कप के दौरान इस स्टेडियम में पांच मैच खेले जाएंगे।

केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट ने केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी के अनावरण अवसर पर कहा, 'कुछ दिन पहले आईसीसी की टीम के निरीक्षण के बाद हमने नवीनीकरण का कार शुरु कर दिया है। जिसके तहत स्टैंड का नवीनीकरण, कुछ नई सीट लगाना और स्टेडियम में शौचालय का नवीनीकरण भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा मुख्य लक्ष्य स्टेडियम में बेहतर सुविधाओं को उपलब्ध कराना है जिससे की सभी लोगों को खेल देखने का आनंद मिल सके।

गौरतलब है कि विश्व कप के दौरान बेंगलुरू में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 20 अक्टूबर, इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 26 अक्टूबर, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच चार नवंबर, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच नौ नवंबर और भारत व नीदरलैंड के बीच 12 नवंबर को मैच खेले जाएंगे। कर्नाटक में देश की कई टीमें अभी अभ्यास कर रहे हैं इसके साथ ही कुछ इंग्लिश काउंटी टीम भी बेंगलुरू में ट्रेनिंग चाहती हैं। इसी को देखते हुए केएससीए राज्य में कुछ और स्टेडियम बनाएगा। वहीं केएससीए के उपाध्यक्ष संपत कुमार ने कहा कि केएससीए के 13 अगस्त से शुरु हो रहे टी20 टूर्नामेंट पर बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई की नजरें रहेंगी।

इंस्टाग्राम के जरिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाले भारतीय हैं विराट कोहली, दुनिया में रोनाल्डो शीर्ष पर

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को भले ही पिछले कुछ वर्षों में अपनी कप्तानी गंवानी पड़ी है, लेकिन अभी भी वह टीम के सबसे चहेते खिलाड़ी बने हुए हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है। इस साल वह इंस्टाग्राम के जरिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाले भारतीय हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली ने 2023 में इंस्टाग्राम पर प्रमोशनल पोस्ट के लिए 14 करोड़ रुपये चार्ज किए। इस सूची में फुटबॉल के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं, उनके बाद उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी हैं।

जहां तक रोनाल्डो की बात है, तो उन्होंने 3.23 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 26.75 करोड़ रुपये की भारी रकम चार्ज की। दूसरी ओर मेसी ने इंस्टाग्राम पर हर पोस्ट के लिए 2.56 मिलियन अमरीकी डालर (21.49 करोड़ रुपये) लिए हैं।

विराट कोहली इस सूची में शीर्ष 20 में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इंस्टाग्राम पर प्रति पोस्ट 1.38 मिलियन अमेरिकी डॉलर चार्ज किए। एक पोस्ट से उनकी कमाई 11.45 करोड़ रुपये होती है। इस समय प्लेटफॉर्म पर उनके 256 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

हॉपर एचक्यू की तरफ से यह रिपोर्ट जारी की गई है और इसके सह–संस्थापक, माइक बंदर यह देखकर काफी आश्चर्यचकित थे कि पिछले कुछ वर्षों में इंस्टाग्राम पर बड़े खिलाड़ियों की कमाई कैसे बढ़ी है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि खेल के सुपरस्टारों का प्रभाव मैदान के बाहर भी कैसे फैलता है।

बंदर ने कहा, यह मेरे लिए अभी भी चौंकाने वाला है कि मंच पर कमाया जाने वाला वार्षिक पैसा हर साल बढ़ता है। फिर भी, जो चीज मुझे अधिक आकर्षित करती है वह है शीर्ष पर लगातार बने रहने वाले खिलाड़ी। यह स्पष्ट है कि पारंपरिक मशहूर हस्तियों की चकाचौंध और ग्लैमर अभी भी नई प्रभावक स्थिति पर हावी है। रोनाल्डो और मेसी न केवल पिच पर हावी हैं, बल्कि डिजिटल क्षेत्र में भी हावी हैं क्योंकि यह स्पष्ट है कि वे व्यक्तिगत ब्रांडिंग की शक्ति और उसके प्रभाव को व्यक्त करते हैं। जो हम साधारण लोगों पर पकड़ रखता है।

इस सूची में भारतीयों में, बॉलीवुड और हॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास 29वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने प्रति पोस्ट 532,000 अमेरिकी डॉलर (4.40 करोड़ रुपये) चार्ज किए।

विश्व चैंपियनशिप में सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी को पहले दौर में बाई

नई दिल्ली । बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु को बाई दिया गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को भी बाई मिली है। विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मैगी–पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ झे हूई चू–मिंग चुएन लिम से भिड़ेगी। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने ड्रॉ आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की। कुल 16 भारतीय शटलर ड्रॉ का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी–चिराग शेट्टी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गई है। सोलहवीं वरीयता प्राप्त सिंधु दूसरे दौर से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी जहां उनका मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुए लिन्ह नुयेन में से किसी एक से होगा। भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिकड़ी पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

बहुत गंभीर होती हैं मानसिक बीमारियां

इनके निदान का उचित तरीका

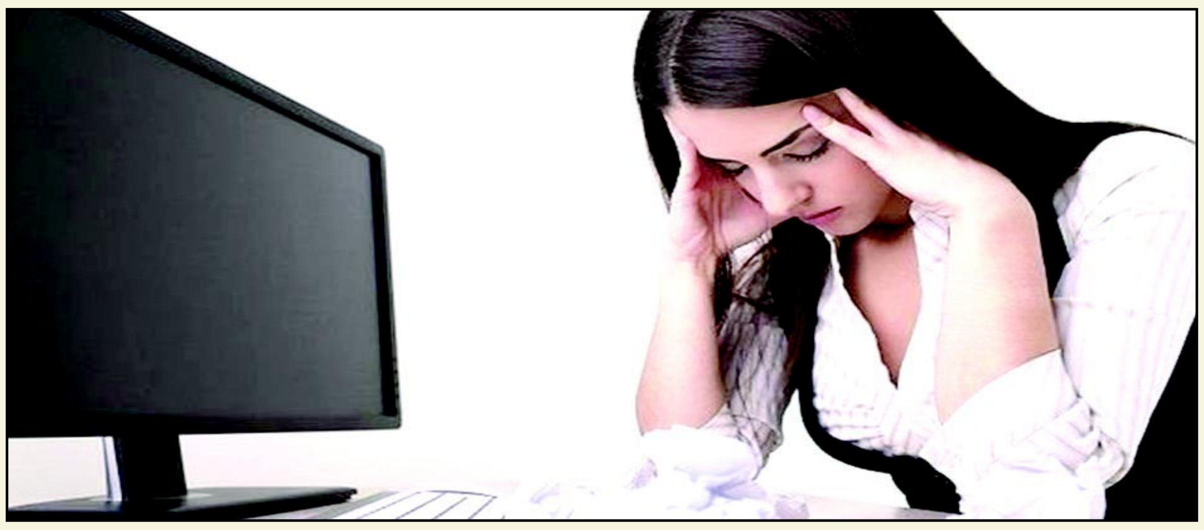

जब हमारे आसपास कोई व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान या बीमार रहने लगता है, तो शुरुआत में लोगों को इस बारे में पता नहीं चल पाता। दरअसल, मानसिक बीमारियां कई तरह की होती हैं और सबके लक्षण भी अलग-अलग होते हैं। शुरुआती लक्षणों को देखते हुए समुचित उपाय किए जाएं, तो इस समस्या का प्रभावी निदान किया जा सकता है। जागरूकता और सही जानकारी नहीं होने के कारण मरीज लंबे समय तक इलाज से वंचित रह जाता है, जिससे समस्या धीरे-धीरे बड़ी होती जाती है।

चिंताजनक है साइकोसिस : मानसिक अस्वस्थता का एक गंभीर प्रकार है-साइकोसिस यानी मनोविकृति। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें मरीज का संबंध काफी हद तक वास्तविकता से टूट जाता है। इसका लक्षण यही है कि मरीज को कुछ ऐसी चीजें वास्तविक लगने लगती हैं, जो अन्य लोगों के लिए वास्तविक नहीं होतीं। उसे वहम हो जाता है कि कोई मेरे बारे में या पीठ पीछे बात कर रहा है या कोई दुश्मन लगा है। उसे यह समझ में आने लगे कि फलां व्यक्ति ने मेरे घर में चोरी की है या किसी ने मोबाइल हैक कर लिया है, तो यह गंभीर मानसिक समस्या के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं।

परेशानी को समझें कैसे : अब सवाल है कि यदि कोई व्यक्ति मानसिक तौर पर अस्वस्थ हो रहा है, तो स्वजन को यह बात कैसे पता चलेगी। आमतौर पर लोग शुरुआती लक्षण को समझ नहीं पाते या नजरअंदाज कर देते हैं। जब कोई दुर्घटना होती है, तब बीमारी का पता चलता है। दूसरा, जो व्यक्ति बीमार है, यह बात वह किसी से कहता भी नहीं है। हालांकि जब इस तरह से कोई व्यक्ति अंदर से परेशान रहता है, तो उसके स्वभाव में भी यह दिखने लगता है, जैसे-गुस्सा, चिड़चिड़ापन, उदासी या भय आदि। उसके व्यवहार में असामान्य परिवर्तन होता है।

इन लक्षणों को पहचानें व सतर्कता बढ़ाएं

कोई व्यक्ति डर, बेचैनी, घबराहट में हो।

वह लोगों से कटकर रहने लगे या भीड़ में जाकर भाषण देना पसंद करने लगे।

बात-बात पर गुस्सा हो, नींद खराब हो या उसके भोजन करने की आदत बदल जाए।

इलाज से होगा समाधान : यदि किसी व्यक्ति की दिनचर्या में असामान्य परिवर्तन दिखने लगे, तो स्वजन को सतर्क हो जाना चाहिए और डाक्टर से मिलकर उचित इलाज शुरू कर देना चाहिए। डाक्टर जब मरीज से बात करेगा, तो सही जानकारी बाहर आने लगेगी, बीमारी का कारण पता चलेगा और इलाज होगा, तो वह ठीक हो जाएगा।

अवसाद की समस्या बिल्कुल अलग : मनोविकृति (साइकोसिस) और अवसाद (डिप्रेशन) को अलग-अलग तरीके से समझने की जरूरत है। डिप्रेशन में व्यक्ति दूसरों को नहीं, बल्कि खुद को नुकसान पहुंचाता है। दूसरों को नुकसान पहुंचाने और खुद को नुकसान पहुंचाने में अंतर होता है। यदि भारत की बात करें, तो आज देश में आठ से दस प्रतिशत आबादी डिप्रेशन में है। तुलनात्मक रूप से महिलाओं में यह समस्या अधिक देखी जाती है। इसके पीछे मासिक धर्म शुरू होने या गर्भकाल के दौरान शारीरिक बदलाव जैसे कुछ कारण होते हैं। डिप्रेशन में मरीज उदास रहने लगता है, मनोरंजन की चीजों में रुचि घट जाती है, काम में मन नहीं लगता, अच्छी नींद नहीं आती और आत्मविश्वास कम हो जाता है। उसे लगता है कि जीवन बेकार हो गया है।

कैसे बेहतर हो मानसिक सेहत

सबसे पहले जीवनशैली को दुरुस्त और संतुलित करें। दिनचर्या में योग और व्यायाम को शामिल करें। सभी प्रकार के नशे से दूर रहें। परिवार के साथ अगर मनमुटाव हो, तो शांति से समाधान निकालें। परिवार या समाज में किसी के साथ दुर्व्यवहार न करें।